डाक पंजीयन क्र. MP/Bhopal/186/2021/2023
लाइसेंस क्र. WPP/Tech/23-04/08/2021-2023
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या 38506/84

रोज़गार और निर्माण

टेलीग्राम चैनल से जुड़ने के लिए यहां क्लिक करें

अतिरिक्त अंक प्रकाशित, रोजगार 1.09.2022 से 17.09.2022 | वर्ष-40 | अंक-1 | मूल्य ₹ 10.00

देश की पहली सोलर सिटी का लोकार्पण

प्रथम सोलर सिटी सांची ऊर्जा संरक्षण के क्षेत्र में अग्रणी

रायसेन, रायसेन जिले में स्थित विश्व धरोहर स्मारक स्थल सांची नगर का प्रथम सोलर सिटी के रूप में लोकार्पण हुआ। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि अक्षय ऊर्जा के अधिकतम उपयोग की आवश्यकता है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने जो ऊर्जा संरक्षण का संकल्प लिया और इस क्षेत्र में कार्य करने का मंत्र दिया है, उसे सामाजिक दायित्व मानकर पूरा करने की दिशा में मध्यप्रदेश आगे बढ़ा है। सांची से कभी विश्व को शांति का संदेश पहुंचा था। अब सांची सौर ऊर्जा के क्षेत्र में पथ-प्रदर्शन करेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सांची को आईआईटी कानपुर के सहयोग से नेट जीरो शहर बनाने का संकल्प सराहनीय है। यह शहर पूरी दुनिया को दिशा दिखाएगा। आज पर्यावरण बचाना बहुत आवश्यक है। श्री चौहान ने कहा कि कोयले और अन्य साधनों से बिजली के उत्पादन का पर्यावरण पर दुष्प्रभाव पड़ता है। पारम्परिक माध्यमों को छोड़कर प्रकृति को नुकसान पहुंचाए बिना सौर ऊर्जा उत्पादन की शुरुआत के लिए सांची के नागरिक, नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा विभाग बधाई के पात्र हैं।

(शेष पृष्ठ 11 पर)

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान सांची में सोलर सिटी के लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए

- सांची में 63 किलोवॉट के सौर संयंत्र लगाए गये घरेलू छतों पर।
- चार कमर्शियल चार्जिंग पाइंट तथा तीन ई-रिक्शा चार्जिंग पाइंट स्थापित किये।
- सांची सोलर सिटी से वार्षिक 14 हजार टन से अधिक कार्बन उत्सर्जन में आएगी कमी।

नागरिक ऊर्जा बचत और संरक्षण

मुख्यमंत्री ने कहा कि सांची में करीब 7 हजार नागरिकों ने अपने घरों में सोलर स्टेंड लैंप, सोलर स्टडी लैंप, सोलर लालटेन का इस्तेमाल कर बिजली बचाने का संकल्प लिया है। हर घर सोलर की अवधारणा सफल हुई। लगभग 63 किलोवॉट क्षमता के सौर संयंत्र घरेलू छतों पर लगाए गए हैं। शहर के केंद्र और राज्य सरकार के कार्यालयों और प्रतिष्ठानों का एनर्जी ऑडिट करवाया गया। ऊर्जा साक्षरता अभियान के अंतर्गत सांची के लोगों ने ऊर्जा बचत और ऊर्जा संरक्षण के क्षेत्र में जागरूकता का परिचय दिया। प्रतिवर्ष संयंत्रों के उपयोग से करीब 22 लाख रुपये के बिजली के बिल कम होंगे।

बीना रिफायनरी का विस्तार

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 14 सितंबर को करेंगे भूमिपूजन

भोपाल, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 14 सितम्बर को सागर के बीना के बीपीसीएल में पेट्रो केमिकल परिसर में 50 हजार करोड़ रुपये की लागत से होने वाले निवेश का भूमिपूजन करेंगे। यह जानकारी मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने दी। उन्होंने कहा कि बीना रिफायनरी के पास पेट्रो केमिकल्स उत्पादन के लिए 50 हजार करोड़ का निवेश होने जा रहा है। प्रदेश में डेढ़ लाख करोड़ का निवेश और होने वाला है, जिससे तीन लाख लोगों को रोजगार मिलेगा।

नया जिला मैहर बनाने की अधिसूचना जारी

भोपाल, मध्यप्रदेश राजपत्र में अधिसूचना प्रकाशित कर सतना जिले की सीमाओं को परिवर्तित करने और नया जिला मैहर बनाने के लिये सीमाओं को परिभाषित करने का प्रस्ताव किया गया है। मध्यप्रदेश राजपत्र में सूचना प्रकाशन की तिथि से 30 दिवस की अवधि में लिखित में सुझाव और आपत्तियां आमंत्रित की गई हैं। नये निर्मित होने वाले जिले मैहर का जिला मुख्यालय मैहर करने का प्रस्ताव किया गया है। इसमें सतना जिले की तहसील मैहर के समस्त 122 पटवारी हल्का एवं तहसील अमरपाटन के समस्त 53 पटवारी हल्का तथा तहसील रामनगर के 59 पटवारी हल्के सहित कुल 234 पटवारी हल्के रहेंगे।

जी-20 सम्मेलन विश्व कल्याण की राह दिखाएगा - मुख्यमंत्री

भोपाल, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि अत्यंत गौरव का विषय है कि भारत प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में जी-20 की अध्यक्षता कर रहा है। मैं इस अवसर पर हमारे देश की धरती पर पधारे सभी राष्ट्राध्यक्षों एवं अतिथियों का हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन करता हूं। भारत ने हजारों वर्ष पहले वसुधैव कुटुम्बकम् का सिद्धांत दिया, हम सम्पूर्ण विश्व को एक परिवार मानते हैं और जी-20 की थीम भी यही है।

पिछड़ा वर्ग विदेश अध्ययन छात्रवृत्ति में 22 करोड़ का प्रावधान

भोपाल, पिछड़ा वर्ग एवं अल्प-संख्यक कल्याण विभाग द्वारा पिछड़ा वर्ग के प्रतिभाशाली युवाओं को विदेशों में उच्च अध्ययन के लिये विदेश अध्ययन छात्रवृत्ति संचालित की जा रही है। इसके लिए इस वर्ष विभागीय बजट में 22 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। योजना में प्रतिवर्ष पिछड़ा वर्ग के 50 चयनित विद्यार्थियों को विदेश अध्ययन छात्रवृत्ति का प्रावधान है।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

भीतर के पृष्ठों पर

- कलेक्टर कार्यालय शहडोल में जिला पुनर्वास केंद्र में संविदा पद पर नियुक्ति हेतु आवेदन।
- म.प्र. आई.टी.आई. प्रवेश परीक्षा-2023- शासकीय एवं निजी आई.टी.आई. हेतु आवेदन।
- सैनिक स्कूल रीवा, स्टाफ की भर्ती हेतु आवेदन।

राष्ट्रीय वायु सर्वेक्षण-2023

इंदौर पहले और भोपाल 5वें स्थान पर

भोपाल, प्रकृति और पर्यावरण से प्रेम भारत की माटी में है। भारतीय संस्कृति की मान्यता है कि प्रकृति का शोषण नहीं बल्कि उसका दोहन किया जाए। हम प्रकृति से उतनी मात्रा में ही संसाधन लें जिसकी भरपाई की जा सके। मेरा मानना है कि एक ही चेतना सभी में विद्यमान है। प्राणियों में सद्भावना और विश्व के कल्याण की मंशा हमारी विचार परम्परा में रची बसी है। वसुधैव कुटुम्बकम् का भाव हमारे इसी दृष्टिकोण को दर्शाता है। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय स्वच्छ वायु दिवस के राष्ट्रीय कार्यक्रम-2023 में कहीं।

- राष्ट्रीय स्वच्छ वायु सर्वेक्षण-2023 में इंदौर प्रथम।
- भोपाल को 5वां, जबलपुर को 13वां और ग्वालियर को मिला 41वां स्थान।
- कुल 131 शहरों को किया गया था चिन्हित।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह भारतीय चिंतन का मूल्य है और मिशन लाइफ के रूप में प्रधानमंत्री श्री मोदी ने यह मंत्र पूरी दुनिया को दिया है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि मैंने ढाई साल पहले प्रतिदिन स्वयं पौधा लगाने का संकल्प लिया, मेरे इस प्रयास से लोग जुड़ते गए और अब पौधरोपण प्रदेश में अभियान बन गया है।

(शेष पृष्ठ 11 पर)

अतिथि शिक्षक पंचायत

अतिथि शिक्षकों ने कर्तव्य निष्ठा से किया दायित्वों का निर्वहन

भोपाल, अतिथि शिक्षकों के योगदान को भुलाया नहीं जा सकता। जब रेग्युलर शिक्षक नहीं थे तब अतिथि शिक्षक के रूप में आपको पढ़ाने का दायित्व सौंपा गया। मुझे यह कहते हुए प्रसन्नता है कि अतिथि शिक्षकों ने पूरी कर्तव्यनिष्ठा के साथ अपने दायित्व का निर्वाह किया। यह बात मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल में आयोजित अतिथि शिक्षक पंचायत को संबोधित करते हुए कही।

मुख्यमंत्री ने घोषणा करते हुए कहा कि अतिथि शिक्षकों को अब महीने के हिसाब से मानदेय दिया जाएगा। अतिथि शिक्षकों के मानदेय में वृद्धि करते हुए वर्ग-1 को 9 हजार रुपये के स्थान 18 हजार रुपये, वर्ग-दो को 7 हजार के स्थान पर 14 हजार रुपये और वर्ग-तीन को 5 हजार के स्थान पर 10 हजार रुपये प्रतिमाह मानदेय दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री की घोषणाएं

- अतिथि शिक्षकों के साथ अनुबंध पूरे शैक्षणिक सत्र के लिये किया जायेगा।
- शिक्षकों की आगामी भर्तियों में अतिथि को 50 प्रतिशत आरक्षण का लाभ प्रदान किया जायेगा।
- नियमित शिक्षकों की तरह अतिथि शिक्षकों को प्रतिमाह नियमित मानदेय प्रदाय किया जायेगा।

सम्मान

मध्यप्रदेश के पांच शिक्षकों को मिला राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार

नई दिल्ली, मध्यप्रदेश के पांच शिक्षकों को शिक्षक दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार 2023 से सम्मानित किया गया। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित समारोह में नर्मदापुरम की श्रीमती सारिका धारू, इंदौर की श्रीमती चेतना खंबेटे, भोपाल के डॉ. यशपाल सिंह, दतिया के श्री रविकांत मिश्रा और रतलाम की श्रीमती सीमा अग्निहोत्री को राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार प्रदान किया।

समारोह में केंद्रीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान, शिक्षा राज्यमंत्री श्री सुभाष सरकार और श्रीमती अन्नपूर्णा देवी भी उपस्थित थे। कार्यक्रम में देश के कुल 75 शिक्षकों को सम्मानित किया गया।

महिला स्व-सहायता समूह करेंगे टोल प्लाजा संचालित

भोपाल, टोल प्लाजा चलाना हिम्मत और दबंगई का काम समझा जाता है। प्रदेश में महिलाओं के स्व-सहायता समूह टोल प्लाजा संचालन की जिम्मेदारी ले रहे हैं यह महिला सशक्तिकरण का बड़ा उदाहरण है। मुझे पूरा विश्वास है कि बहनें अपने संकल्प में सफल होंगी और दक्षतापूर्वक टोल प्लाजा का संचालन करेंगी। दुनिया देखेगी कि मध्यप्रदेश की महिलाएं, पुरुषों के वर्चस्व वाले इस कार्य में भी नई उपलब्धियां अर्जित करेंगी। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने महिला स्व-सहायता समूहों और मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम के बीच टोल प्लाजा के संचालन संबंधी एमओयू कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहीं।

महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा संचालित देश के पहले टोल प्लाजा मध्यप्रदेश के आगर मालवा, उज्जैन और छतरपुर जिलों में शुरू हो गए हैं। शाजापुर-दोपड़ा नलखेड़ा मार्ग पर चाचाखेड़ी गांव में स्थित टोल प्लाजा का संपूर्ण प्रबंधन और संचालन ज्योति महिला स्व-सहायता समूह करेगा।

(शेष पृष्ठ 11 पर)

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की उपस्थिति में महिला स्व-सहायता समूह और मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम के मध्य टोल टैक्स वसूली संबंधी एमओयू हुए

- टोल प्लाजा से जितनी राशि संग्रहित होगी, उसका 30 प्रतिशत हिस्सा महिला स्व-सहायता समूहों को मिलेगा।
- मध्यप्रदेश में स्व-समूहों से जुड़ी हैं लगभग 57 लाख महिलाएं।

2 सितम्बर

'मेरी माटी-मेरा देश' अभियान के तहत अमृत कलश यात्रा का शुभारंभ

● केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने नई दिल्ली में 'मेरी माटी-मेरा देश' अभियान के तहत अमृत कलश यात्रा का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि आगामी अमृत काल और संकल्प से सिद्धि 15 अगस्त, 2047 तक भारत को विश्व स्तर पर हर क्षेत्र में अग्रणी बना देगा। श्री शाह ने कहा कि अगले 25 वर्षों में हमारे स्वतंत्रता सेनानी की कल्पना के अनुसार भारत का निर्माण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पिछले 75 वर्षों में भारत को कई उपलब्धियां मिली हैं, लेकिन वे पर्याप्त नहीं हैं। उन्होंने कहा कि 1-30 सितंबर तक, प्रत्येक घर, वार्ड और गांव से एक बर्तन में 'मिट्टी' या अनाज इकट्ठा किया जाएगा, इसके बाद 1-13 अक्टूबर तक क्लॉक में और बाद में 22-27 अक्टूबर तक राज्य स्तर पर इसका पालन किया जाएगा। अंत में, 28-30 अक्टूबर के बीच ये 7,500 बर्तन देश की राजधानी नई दिल्ली पहुंच जाएंगे।

● भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने कहा है कि इस वर्ष 31 अगस्त तक प्राप्त दो हजार रुपये के नोटों का कुल मूल्य तीन लाख 32 हजार करोड़ रुपये है। आरबीआई ने बताया है कि 19 मई तक चलन से दो हजार रुपये के 93 प्रतिशत नोट वापस आ चुके हैं। आरबीआई के अनुसार प्रमुख बैंकों से मिली जानकारी से यह संकेत मिलता है कि दो हजार रुपये के कुल नोटों में से लगभग 87 प्रतिशत नोट जमा के रूप में मिले हैं। शेष 13 प्रतिशत नोटों को बदलवाया गया है। आरबीआई ने लोगों से 30 सितंबर तक दो हजार रुपये के नोट जमा करवाने या उन्हें बदलवाने की अपील की है।

3 सितम्बर

एक राष्ट्र - एक चुनाव की संभावनाओं के लिए समिति गठित

● सरकार ने एक राष्ट्र-एक चुनाव की संभावनाओं का पता लगाने के लिए आठ

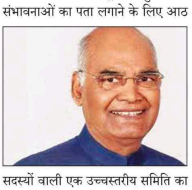

सदस्यों वाली एक उच्चस्तरीय समिति का गठन किया है। पूर्व राष्ट्रपति श्री राम नाथ कोविंद को समिति का अध्यक्ष बनाया गया है। यह समिति संविधान की व्यवस्थाओं के तहत देश में लोकसभा, विधानसभा, नगर निकायों और पंचायत चुनावों को एक साथ कराने की संभावनाओं का पता लगाएगी और इस संबंध में अपने सुझाव देगी।

● मौजूदा वित्त वर्ष की अप्रैल से जून की तिमाही में देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) दर पिछले वर्ष की इसी अवधि के मुकाबले सात दशमलव आठ (7.8) प्रतिशत दर्ज की गई। जीडीपी में वृद्धि मुख्य रूप से विनिर्माण क्षेत्र के अच्छे प्रदर्शन के चलते दर्ज की गई। विनिर्माण क्षेत्र में इस तिमाही में चार दशमलव सात प्रतिशत की तेजी दिखाई दी। जीडीपी में कृषि क्षेत्र का योगदान साढ़े तीन प्रतिशत रहा, जबकि सेवा क्षेत्र में नौ दशमलव दो प्रतिशत की तेजी देखी गई।

4 सितम्बर

विशाखापट्टनम बंदरगाह में क्रूज टर्मिनल का उद्घाटन

● विशाखापट्टनम बंदरगाह पर अंतर्राष्ट्रीय क्रूज टर्मिनल का उद्घाटन किया गया। यह भारत के पूर्वी तट पर घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय क्रूज पर्यटन दोनों के लिए एक महत्वपूर्ण प्रवेश द्वार के रूप में काम करेगा। यह विश्व स्तरीय सुविधा आर्थिक विकास को बढ़ावा देने और स्थानीय समुदायों को लाभान्वित करते हुए पर्यटकों को एक परिवर्तनकारी अनुभव प्रदान करेगी। क्रूज टर्मिनल बिल्डिंग 4,580.46 वर्ग मीटर के क्षेत्र में फैली हुई है, जिसमें भूतल और पहली मंजिल दोनों शामिल हैं। इसमें लाउंज, कस्टम्स, आव्रजन, संगरोध काउंटर, सामान प्रबंधन सुविधाएं, स्कैनिंग, कॉनकोर्स, रेस्तरां, मनोरंजन, खरीदारी, स्वास्थ्य और व्यापार प्रदर्शनियां, मनी एक्सचेंज आउटलेट, सीसीटीवी कवरेज और पर्याप्त पार्किंग स्थल आदि शामिल हैं।

● केंद्रीय शिक्षा और कौशल विकास मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान ने शिक्षा मंत्रालय, कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय और मेटा के बीच 3 साल की साझेदारी 'शिक्षा से उद्यमिता: छात्रों, शिक्षकों और उद्यमियों की एक पीढ़ी का सशक्तिकरण' की शुरुआत की। इस दौरान श्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि यह पहल भारत को दुनिया की कौशल राजधानी बनाने और हमारी अमृत पीढ़ी को सशक्त बनाने के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने के लिए है।

5 सितम्बर

जल जीवन मिशन के तहत 13 करोड़ परिवारों को मिले नल कनेक्शन

● जल जीवन मिशन (जेजेएम) के तहत अभी तक 13 करोड़ ग्रामीण परिवारों को नल कनेक्शन प्रदान किए जा चुके हैं। अगस्त, 2019 में मिशन की शुरुआत में केवल 3.23 करोड़ घरों में ग्रामीण नल कनेक्शन प्रदान किये गए थे, जो 4 वर्षों में बढ़कर 13 करोड़ पर पहुंच चुके हैं। जल जीवन मिशन की घोषणा प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 15 अगस्त, 2019 को 73वें स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले की प्राचीर से की थी। मिशन के तहत अब तक गोवा, तेलंगाना, हरियाणा, गुजरात, पंजाब और हिमाचल प्रदेश और 3 केंद्र शासित प्रदेशों - पुदुचेरी, दमन और दीव, दादरा और नगर हवेली और अंडमान निकोबार द्वीप समूह ने 100 प्रतिशत कवरेज हो चुका है।

● शोधकर्ताओं ने उत्कृष्ट यांत्रिक गुणों वाली प्रकाश संवेदी एक सक्रिय बायोडिग्रेडेबल नैनोकम्पोजिट फिल्म बनाई है, जिसका उपयोग लचीली डिस्प्ले, लचीले ऑर्गेनिक एलईडी आदि जैसे प्रकाश संवेदी लचीले उपकरणों के रूप में किया जा सकता है। विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) के तहत इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडी इन साइंस एंड टेक्नोलॉजी (आईएएसएसटी), गुवाहाटी के भौतिक विज्ञान प्रभाग के एक शोध समूह ने एक बायोडिग्रेडेबल पीवीए-सीयूओ नैनोकम्पोजिट फिल्म बनाई है। इस अनुसंधान समूह का नेतृत्व एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सारथी कुंडू के साथ-साथ जूनियर रिसर्च फेलो (जेआरएफ) के रूप में कार्यरत श्री सैय्यद अखिरुल अली द्वारा किया जा रहा है।

6 सितम्बर

पद्म पुरस्कारों के लिए 15 सितम्बर तक करें आवेदन

● गणतंत्र दिवस 2024 के अवसर पर घोषित किए जाने वाले पद्म पुरस्कारों के

लिए ऑनलाइन नामांकन की अंतिम तिथि 15 सितम्बर, 2023 है। पद्म पुरस्कारों के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल (https://awards.gov.in) पर ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है। पद्म पुरस्कार अर्थात पद्म विभूषण, पद्म भूषण और पद्मश्री देश के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कारों में से हैं। 1954 में स्थापित इन पुरस्कारों की घोषणा हर वर्ष गणतंत्र दिवस के अवसर पर की जाती है। यह पुरस्कार 'विशिष्ट कार्य' को मान्यता देते हैं।

● ऊर्जा मंत्रालय के तहत आने वाले केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के महारत्न उपक्रम आरईसी लिमिटेड ने भारतीय निर्यात आयात बैंक (एक्जिम बैंक) के साथ 100 मिलियन अमेरिकी डॉलर के विदेशी मुद्रा सावधि ऋण समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इसका उपयोग आरईसी के बिजली, बुनियादी ढांचे और लॉजिस्टिक्स क्षेत्रों के उधारकर्ताओं द्वारा पूंजीगत उपकरणों के आयात की पुनर्वित्त सुविधा के लिए किया जाएगा।

7 सितम्बर

'एक्सरसाइज ब्राइट स्टार-23' में हिस्सा लेने पहुंचा आईएनएस सुमेधा

● आईएनएस सुमेधा 'एक्सरसाइज ब्राइट स्टार-23' में भाग लेने के लिए मिस्र के पोर्ट अलेक्जेंड्रिया पहुंचा। तीनों सेनाओं के इस बहुराष्ट्रीय अभ्यास में 34 देशों की भागीदारी होगी। यह मध्य-पूर्व और उत्तरी अफ्रीका क्षेत्र में अब तक का सबसे बड़ा संयुक्त सैन्य अभ्यास है। एक्सरसाइज ब्राइट स्टार- 23 को दो चरणों में आयोजित किया जाना है। हार्बर चरण में समुद्री चरण की योजना और संचालन के लिए क्रॉस-डेक विजिट, पेशेवरों का आदान-प्रदान, खेल फिक्स्चर और बातचीत जैसी व्यापक गतिविधियां शामिल हैं। समुद्री चरण में जटिल और उच्च तीव्रता वाले अभ्यास शामिल होंगे, जिनमें क्रॉस डेक फ्लाइंग, एंटी-सरफेस और एंटी-एयर अभ्यास शामिल होंगे जिनमें लाइव हथियार फायरिंग अभ्यास भी शामिल होगा।

● भारत सरकार की "आत्मनिर्भर भारत" पहल के अनुरूप, नौसेना के जहाजों के लिए गोला-बारूद के परिवहन, आरोहण और उतरने की सुविधा प्रदान करने वाले ग्यारह गोला-बारूद बार्जों के निर्माण और वितरण के लिए एमएसएमई, मेसर्स सूर्यदीप्त प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड, ठाणे के साथ अनुबंध संपन्न हुआ। श्रृंखला का दूसरा बार्ज एलएसएएम 16 (यार्ड 126) सीएमडीई एमवी राज कृष्णा, सीओवाई (एमवीआई) की उपस्थिति में भारतीय नौसेना को सौंप दिया गया है। बार्ज को 30 वर्ष के सेवा जीवन चक्र के साथ भारतीय शिपिंग रजिस्टर (आईआरएस) के वर्गीकरण नियमों के तहत बनाया गया है।

8 सितम्बर

आधार फ्री में अपडेट कराने की तिथि बढ़ी

● भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (UIDAI) ने फ्री में आधार अपडेट करने

की अंतिम तिथि को 3 महीने के लिए बढ़ा दिया है। अब आधार को 14 दिसंबर तक फ्री में अपडेट कराया जा सकता है। इसके लिए कोई चार्ज नहीं देना होगा। इसके बाद आधार अपडेट करने के लिए चार्ज देना होगा। पहले ये डेडलाइन 14 जून तक थी, लेकिन इसे 3 महीने बढ़ाकर 14 सितंबर किया गया था।

● माली में आतंकियों ने सैन्य ठिकाने और एक यात्री नाव पर हमला किया, जिसमें करीब 64 लोगों की मौत हो गई। माली सरकार के अनुसार आतंकियों ने पहला हमला नाइजर नदी पर टिम्बकटू नाव पर किया, वहीं दूसरा हमला बंबा के एक सैन्य ठिकाने पर किया। दोनों हमलों में करीब 49 नागरिकों और 15 सैनिकों की जान चली गई। माना जा रहा है कि आतंकी संगठन अल-कायदा से जुड़े एक संगठन ने इस हमले को अंजाम दिया है।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित
फोटो : गूगल से साभार)

PEOPLE'S UNIVERSITY
(Established by M.P. Act No. 18 of 2011 & approved u/s 2 (f) of UGC act 1956)
ADMISSION OPEN
PARAMEDICAL
LIMITED SEATS

MPT	Masters of Physiotherapy - (Ortho'/ Neuro'/ Cardio' & Sports) 2 yrs PG Degree Program, Eligibility : BPT	
BPT	Bachelor of Physiotherapy*	4½ yrs Degree Course
BMLT	Bachelor of Medical Lab Technology*	3 yrs Degree Course
B.Sc	Human Nutrition*	3 yrs Degree Course
DMLT	Diploma in Medical Lab Technology*	2 yrs Diploma Course
DDT	Diploma in Dialysis Technology*	2 yrs Diploma Course

Diploma in
• Anesthesia Technician • Optometric Refraction
• X-Ray Radiographer • Cath lab Technician

*Eligibility : 12th with Physics, Chemistry & Biology

0755 - 400 5203, 5295, 5281
People's Campus, Bhanpur, Bhopal (M.P.)

R-49020/2023

साप्ताहिक
रोज़गार और निर्माण
में विज्ञापन के लिए दरें
टैरिफ

क्रमांक	ब्लैक एंड व्हाइट देय प्रति वर्ग सेंमी (Sq Per cm)	रंगीन देय प्रति वर्ग सेंमी (Sq Per cm)
1. डीएवीपी (DAVP) रेट	17.76	24.86
2. कॉन्ट्रेक्ट रेट	70.00	98.00
3. कमर्शियल रेट	80.00	112.00

फुल पेज का आकार

चौड़ाई	-	25 सेंटीमीटर
लंबाई	-	37 सेंटीमीटर
कुल वर्ग सेंटीमीटर	-	925 वर्ग सेंटीमीटर

संपर्क करें :
40, प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.) 462011
फोन नंबर : 0755-2551330, 0755-2760006
ई मेल : madhyam.rojgar@gmail.com, वेबसाइट : www.mpmadhyam.in
नोट : 1. 5% जीएसटी (GST) शुल्क अलग से देय होगा।
2. 4.5x5 सेमी (cm) से कम का विज्ञापन स्वीकार नहीं किया जाएगा।

वर्ष 40, अंक 37 11.09.2023 से 17.09.2023
रोज़गार और निर्माण
www rojgaraurnirman.in

● प्रबंध संचालक - मनीष सिंह
● सम्पादक - रंजना चितले
● प्रबंधक - वंदना चतुर्वेदी (विज्ञापन एवं प्रसार)
● प्रबंधक - सुभाष चन्द्र जोशी (मुद्रण)
● आकल्पन - अरविन्द टोप्पो
● वेबसाइट - आत्माराम शर्मा

वार्षिक सदस्य बनने के लिये रुपये 500/- (पाँच सौ) का डी.डी., मनीऑर्डर अथवा पोस्टल ऑर्डर रोज़गार और निर्माण, भोपाल के नाम बनवाकर नीचे लिखे पते पर भेजें :-
रोज़गार और निर्माण, मध्यप्रदेश माध्यम, 40 प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.) पिन-462011
फोन- 2760006, 2551330, 4281330, फैक्स - 4228409, **e-mail : madhyam.rojgar@gmail.com**
रोज़गार और निर्माण कार्यालय में नगद राशि जमा कर भी इसकी वार्षिक सदस्यता प्राप्त की जा सकती है। रोज़गार और निर्माण में प्रकाशित लेखों में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं। इससे सम्पादक की सहमति अनिवार्य नहीं है। किसी भी प्रकार के विवाद के लिये न्यायालयीन अधिकार क्षेत्र भोपाल रहेगा। रोज़गार और निर्माण में निजी संस्थाओं के विज्ञापन भी प्रकाशित किये जाते हैं, इन विज्ञापनों में किए गए दावे और तथ्य निजी संस्थाओं के अपने होते हैं। इसका समाचार पत्र के प्रबंधन से कोई संबंध नहीं है।

सम्पादकीय

सौर ऊर्जा के क्षेत्र में प्रगतिपथ पर मध्यप्रदेश

मध्यप्रदेश लगभग दो दशकों से विभिन्न क्षेत्रों में प्रगति करते हुए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। इसी क्रम में पर्यावरण संरक्षण और ऊर्जा के नए विकल्पों की दिशा में प्रदेश ने निरंतर कार्य करते हुए आत्मनिर्भरता की राह को सरल बनाया है। हाल ही में रायसेन जिले के सांची में देश की पहली सोलर सिटी का लोकार्पण मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने किया। सांची के सोलर सिटी के रूप में विकसित होने के बाद सौर ऊर्जा के क्षेत्र में मध्यप्रदेश ने विकास के नये द्वार खोले हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने ऊर्जा संरक्षण का संकल्प लिया और इस क्षेत्र में कार्य करने का मंत्र दिया है, उसे सामाजिक दायित्व मानते हुए मध्यप्रदेश आगे बढ़ रहा है।

ताप संयंत्रों से पर्यावरण पर पड़ रहे प्रतिकूल प्रभाव को देखते हुए राष्ट्रीय स्तर पर नवकरणीय ऊर्जा को प्राथमिकता दी गई, जिसमें सौर ऊर्जा की बड़ी भूमिका है। सौर परियोजना से उत्पादित बिजली की लागत ताप और जल विद्युत उत्पादन से जहां कम होती है, वहीं इससे पर्यावरण को कोई नुकसान नहीं होता है। भले ही मध्यप्रदेश में सांची को सोलर सिटी के रूप में अभी विकसित किया गया है, लेकिन मध्यप्रदेश पिछले कई वर्षों से सौर ऊर्जा के क्षेत्र में काम कर रहा है। मुख्यमंत्री सोलर पंप योजना से किसानों को सोलर पंप उपलब्ध करवाने से लेकर नगरीय निकायों में सौर ऊर्जा से बिजली निर्माण के लिये प्रोत्साहित किया जा रहा है। प्रदेश में गांवों को सौर ऊर्जा से बिजली की आपूर्ति के लिए आत्म-निर्भर बनाने के लिए सूर्य शक्ति अभियान की शुरुआत की गई है। देश में इस तरह का अनूठा अभियान शुरू करने वाला मध्यप्रदेश पहला राज्य है। ग्राम पंचायतों में सोलर ऊर्जा को बढ़ावा देते हुए गांव की स्ट्रीट लाइटें, नल-जल प्रदाय, कार्यालयों और अन्य कार्यों में सोलर बिजली को प्राथमिकता दी जा रही है।

मध्यप्रदेश अब मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के कुशल नेतृत्व में सौर ऊर्जा के क्षेत्र में देश में अपनी नई पहचान बना रहा है और पर्यावरण के संरक्षण में अपनी बड़ी और महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। वर्ष 2012 में प्रदेश की नवीकरणीय ऊर्जा की उत्पादन क्षमता 500 मेगावॉट से भी कम थी, लेकिन अब प्रदेश में हुए सौर ऊर्जा के नवाचारों के माध्यम से यह क्षमता 6 हजार मेगावॉट से अधिक हो गई है। मध्यप्रदेश प्रधानमंत्री जी के वर्ष 2030 तक देश की ऊर्जा आवश्यकता की 50 प्रतिशत आपूर्ति सौर ऊर्जा से करने के लक्ष्य की ओर तेजी से बढ़ रहा है। मध्यप्रदेश में तय सीमा में इस लक्ष्य को हासिल करने के हर संभव प्रयास हो रहे हैं।

मुख्यमंत्री श्री चौहान का मानना है कि कोयले और अन्य साधनों से बिजली के उत्पादन का पर्यावरण पर दुष्प्रभाव पड़ता है। ऐसे में पारंपरिक माध्यमों को छोड़कर अगर हम सौर ऊर्जा उत्पादन के क्षेत्र में काम करेंगे तो निश्चित ही यह पर्यावरण की दृष्टि से महत्वपूर्ण कदम है।

बीते एक दशक में सौर परियोजनाओं में 54 प्रतिशत और पवन परियोजनाओं में 23 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। प्रदेश में एशिया की सबसे बड़ी सौर ऊर्जा परियोजना रीवा में पूर्ण क्षमता के साथ संचालित है। इसके अलावा ओंकारेश्वर फ्लोटिंग सौर परियोजना दुनिया की सबसे बड़ी सौर ऊर्जा योजना है, जिसमें 600 मेगावॉट बिजली उत्पादन क्षमता है। इसके अलावा आगर, शाजापुर, नीमच में सौर ऊर्जा का उत्पादन शुरू करने की योजना है।

स्पेस युग की शुरुआत होने के बाद अभी तक 22 सूर्य मिशन भेजे जा चुके हैं

ग्रीक एस्ट्रोनॉमर और गणितज्ञ सामोस के एरिस्टार्चस ने ईसा पूर्व तीसरी सदी में ही एक मॉडल पेश किया था, जिसमें सूर्य को यूनिवर्स के केंद्र में रखा गया था। उन्होंने तभी बता दिया था कि सूरज हमारी धरती का चक्कर नहीं काटता, बल्कि हमारी धरती सूरज का चक्कर काटती है। बाद में, 15वीं सदी में निकोलस कॉपरनिकस ने अपना मॉडल दिया और इसमें भी सूर्य को ब्रह्मांड के केंद्र में रखा।

सूर्य की ओर आंख उठाकर देखने की हिम्मत इस वक्त तक भी इंसान नहीं जुटा पाया था। यह हिम्मत दी गैलीलियो ने। उन्होंने दूरबीन का अविष्कार किया, जिससे पहली बार सूरज के धब्बे देखे जा सके। तब से अभी तक सूरज को बहुत समझा जा सका है। सूर्य की ताकत किसी देव से कम नहीं है। वह एक तारा है, लेकिन लाखों तारों के बीच बेहद ख़ास। स्पेस युग की शुरुआत होने के बाद से अभी तक 22 सूर्य मिशन भेजे जा चुके हैं। इसकी अगली कड़ी में इसरो ने आदित्य-एल1 लॉन्च किया है।

यह मिशन धरती से 15 लाख किलोमीटर दूर और सूरज के थोड़ा पास जाकर कुछ नई जानकारियों पर से पर्दा उठाने की कोशिश करेगा। सूरज से लगभग 11 साल में सौर विकिरण निकलती हैं, रेडिएशन निकलता है और इसकी बाहरी सतह भभक उठती है। ऐसी स्थिति में सूरज की क्षमता कई गुना और बढ़ जाती है। यदि उस समय भभकती हुई सौर लपटें पृथ्वी पर आ जायें तो यहां तबाही मच जायेगी। स्पेस में मौजूद हमारी तमाम सैटेलाइट नष्ट हो सकती हैं। धरती पर बिजली ग्रिड काम करना बंद कर देंगी, इससे अंधेरा छा जाएगा। आदित्य एल-1 कोशिश करेगा ऐसी जानकारी जुटाने की, जिससे सूर्य के विकराल स्थिति में पहुंचने के पहले हमें इसके बारे में पता चल जाये। साथ ही, यह भी पता चल जाएगा कि सौर लहरें किस ओर जायेंगी।

- विकास तिवारी

(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं से जुड़े विषयों पर लेखन करते हैं।)

राष्ट्रीय हिन्दी दिवस | 14 सितम्बर

स्वयं की प्रतिभा, अस्तित्व और देशाभिमान का भाव जगाती है हमारी हिन्दी

पराधीनता से मुक्ति के लिये विदेशियों को बाहर कर स्वतंत्र सत्ता स्थापित करना जितना महत्वपूर्ण है, उतना ही आवश्यक है स्वयं के विचार, भाव और भाषा के आधार पर विकास की ओर बढ़ना। इसी प्राथमिकता, सम्मान और स्वाभिमान का बोध कराता है हमारा यह राष्ट्रीय हिन्दी दिवस।

हिन्दी दिवस प्रत्येक वर्ष 14 सितम्बर को मनाया जाता है। 14 सितम्बर, 1949 को संविधान सभा ने यह निर्णय लिया था कि हिन्दी भारत सरकार की आधिकारिक भाषा होगी, क्योंकि भारत के अधिकांश क्षेत्रों में सर्वाधिक हिन्दी ही बोली जाती है इसलिए हिन्दी को राजभाषा बनाने का निर्णय लिया गया और इस निर्णय के महत्व को प्रतिपादित करने तथा हिन्दी को प्रत्येक क्षेत्र में जन-जन तक पहुंचाने के लिये वर्ष 1953 से पूरे भारत में 14 सितम्बर को प्रतिवर्ष हिन्दी दिवस के रूप में मनाने की अधिकृत घोषणा हुई। स्वतंत्रता प्राप्ति के पूर्व से ही स्वतंत्र भारत की राष्ट्र भाषा के रूप में हिन्दी को प्रतिष्ठित करने का अभियान आरंभ हो गया था। देश के जनमत की इसी भावना को हरिविष्णु कामथ, काका कालेलकर, हजारीप्रसाद द्विवेदी, सेठ गोविन्द दास, व्यौहार राजेन्द्र सिंह आदि साहित्यकारों ने अथक प्रयास किये। तब संविधान सभा ने 14 सितम्बर, 1949 को अपने निर्णय की घोषणा की और भारतीय संविधान के भाग 17 के अनुच्छेद 343(1) में भारत संघ की राजभाषा हिन्दी और लिपि देवनागरी राजकीय भाषा के रूप में और अंकों के अंतर्राष्ट्रीय स्वरूप यनि अंग्रेजी के ही स्वीकृत किये गये। इसलिये 14 सितम्बर का दिन राष्ट्रीय हिन्दी दिवस के रूप में निर्धारित हुआ। जिसकी विधिवत घोषणा 1953 में की गई। संयोग से यह तिथि हिन्दी की स्वीकार्यता के लिये अथक परिश्रम करने वाले सुप्रसिद्ध साहित्यकार व्यौहार राजेन्द्र सिंह की पचासवीं साल गिरह थी इसलिए साहित्य की दुनियां में यह तिथि अतिरिक्त आनंद लेकर आई और देशभर में उत्सव आयोजन हुए।

हिन्दी भाषा की वैज्ञानिकता

संसार में प्रचलित सभी भाषाओं में हिन्दी सबसे समृद्ध और वैज्ञानिक भाषा है। संस्कृत के बाद हिन्दी ही एक मात्र ऐसी भाषा है जिसमें जो लिखा जाता है। वही बोला जाता है। और जो बोला जाता है वही लिखा जाता है। अन्य भाषाओं में वर्णाक्षरों का उच्चारण शब्दों के प्रयोग में बदल जाता है। कभी-कभी तो एक ही अक्षर का अलग-अलग शब्दों के प्रयोग में उच्चारण अलग हो जाता है। लेकिन हिन्दी में ऐसा नहीं होता। वर्ण या अक्षर के रूप में जो उच्चारण होता है, वही शब्द प्रयोग में भी होता है। हिन्दी की यह विशेषता भी है कि संसार की किसी भी भाषा के शब्द या उच्चारण को हिन्दी में ज्यों का त्यों लिखा जा सकता है। भले वे उच्चारण अंग्रेजी के हों, चीनी भाषा के हों या अरबी फारसी के। यह विशेषता संसार की किसी भाषा में नहीं। इसका कारण यह है कि हिन्दी की वर्ण माला 'स्वर विज्ञान' पर निर्धारित है। यही नहीं वर्णमाला में वर्णाक्षर की पंक्ति का निर्धारण भी वैज्ञानिक अनुसंधान के बाद हुआ है। जैसे 'क' पंक्ति के पांचों अक्षर एक 'स्वर शैली' के और 'च' पंक्ति के पांचों अक्षर दूसरी 'स्वर शैली' के हैं।

भारत में हिन्दी भाषा के अस्तित्व का इतिहास बहुत पुराना है। इतिहास में जहां तक दृष्टि जाती है। हिन्दी का अस्तित्व मिलता है। प्राचीन भारत में यदि शोध, अनुसंधान और आख्यानों की भाषा संस्कृत रही है तो सामाजिक जीवन में बोलचाल की व्यवहारिक भाषा हिन्दी ही रही है। इसका प्रमाण लोकभाषा में रचा गया साहित्य है। इसीलिए हिन्दी और संस्कृत की व्याकरण एक ही है। व्याकरण की दृष्टि से संस्कृत और हिन्दी में दो तीन मामूली अंतर हैं। वह हैं संस्कृत शब्द के अंत से 'म्' को प्रथक करना और शब्द संधि का सरलीकरण। इसलिए हिन्दी को संस्कृत का सरलीकृत स्वरूप ही माना गया। अवधी, बुन्देली, मालवीय, ब्रजभाषा, भोजपुरी आदि प्रांतीय बोलियों या भाषाओं के मूल में हिन्दी या संस्कृत के ही शब्द हैं। समय के साथ भारतीय मनीषियों ने यह आवश्यकता अनुभव की और देश को पुनः भाषा के एक सूत्र में बांधने का संकल्प लिया। स्वभाषा का यह सूत्र ही अंग्रेजों से मुक्ति का महामंत्र बना। यह संस्कृत का 'वंदे मातरम्' और हिन्दी में 'अंग्रेजों भारत छोड़ो' उद्घोष ही था कि अंग्रेज भारत को स्वतंत्र करने के लिये विवश हुए। देशभर में स्वभाषा चेतना ने अंगड़ाई ली। यह स्वराष्ट्र और स्वभाषा के साधकों की तपस्या थी कि 15 अगस्त, 1947 को भारत स्वतंत्र हुआ और 14 सितम्बर, 1949 को हिन्दी राजभाषा के रूप में प्रतिष्ठित हुई।

संसार में हिन्दी की व्यापकता

हिन्दी संसार में तीसरी सबसे महत्वपूर्ण भाषा है। पूरी दुनियां में पचास से अधिक देश हैं जिनमें हिन्दी जानने वाले या समझने वाले लोगों की बड़ी संख्या है। अनेक देशों की अपनी भाषा है, वहां निवासियों ने हिन्दी कभी नहीं पढ़ी फिर भी वे हिन्दी समझ लेते हैं। इनमें पाकिस्तान, बांग्लादेश, नेपाल, म्यांमार, संयुक्त अरब अमीरात, श्रीलंका और अफगानिस्तान जैसे देश हैं जिनके निवासी हिन्दी भले न जानें पर हिन्दी में संदेश समझ लेते हैं। इन देशों में हिन्दी समझने और जानने वालों की संख्या चौदह करोड़ के आसपास मानी गई है। इनके अतिरिक्त अमेरिका और ब्रिटेन सहित पच्चीस से अधिक देश ऐसे हैं जिनके अनेक विश्वविद्यालयों में हिन्दी विभाग हैं और हिन्दी के शिक्षक भी हैं। फिजी, मॉरिशस, गयाना, सूरीनाम और नेपाल आदि देश ऐसे हैं जहां आम बोलचाल में भी हिन्दी देखी सुनी जा सकती है। न्यूजीलैंड में हिन्दी चौथी महत्वपूर्ण भाषा मानी गई है।

हिन्दी के प्रचार के प्रयास

संसार की वैज्ञानिक भाषा और तीसरी सबसे महत्वपूर्ण हिन्दी की पुनर्प्रतिष्ठा के लिये भारत में आयोजित यह राष्ट्रीय हिन्दी दिवस एक दिन का नहीं होता। इसके आयोजन पूरे सप्ताह चलते हैं और अलग-अलग दिनों में अलग-अलग प्रतियोगिताओं का आयोजन होता है। इनमें लेखन, संभाषण, वाद-विवाद अथवा तात्कालिक प्रश्नोत्तरी आदि शामिल हैं। आयोजन कार्यालयों में भी होते हैं और विद्यालयों में भी। इनमें अच्छी भाषा शैली का प्रस्तुतिकरण करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया जाता है। इन पुरस्कारों के नाम में आंशिक बदलाव किया गया। अब ये पुरस्कार किसी व्यक्ति के नाम पर देने की बजाय 'राष्ट्रभाषा कीर्ति पुरस्कार' और 'राष्ट्रभाषा गौरव पुरस्कार' जैसे नाम से दिये जाते हैं। इसमें राजभाषा गौरव पुरस्कार दस हजार से लेकर दो लाख रुपये तक है। इस श्रंखला में कुल तेरह पुरस्कार दिये जाते हैं जो तकनीकी और विज्ञान विषय पर लिखने वाले प्रतिभागी को दिया जाता है। प्रथम पुरस्कार प्राप्त करने वाले को दो लाख रुपये, द्वितीय को डेढ़ लाख और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले को पचहत्तर हजार रुपये के अतिरिक्त दस लोगों को दस-दस हजार रुपये का प्रोत्साहन पुरस्कार प्रदान किया जाता है। वहीं राजभाषा कीर्ति पुरस्कार कुल 39 प्रतिभागियों को दिये जाते हैं। यह पुरस्कार किसी समिति, विभाग, मण्डल आदि द्वारा हिन्दी में किये गए श्रेष्ठ कार्य करने पर दिये जाते हैं।

यह भारत सरकार और प्रांतीय सरकारों के प्रोत्साहन प्रयत्नों और समाज की जाग्रति का परिणाम है कि अब 'राष्ट्रीय हिन्दी दिवस' के आयोजन केवल औपचारिकता भर नहीं रह गये। पूरा समाज और विशेषकर युवा पीढ़ी उत्साह से हिस्सा लेती है। भारतीयों में हिन्दी के प्रति अटूट प्रेम है। भारत विश्व में अपनी प्रतिष्ठा को पुनः प्राप्त करने की स्पर्धा में सबसे आगे है। क्योंकि भारत अपने मूल से जुड़कर आगे बढ़ रहा है। अपने क्षेत्र की भाषा और मिट्टी की गंध न केवल व्यक्ति में स्वाभिमान को जगाती है अपितु उसकी प्रगति यात्रा में ऊर्जा भी देती। इसलिए अब नये दौर में स्वभाषा हिन्दी के प्रति भारतीयों का बढ़ता प्रेम ही उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा दे रहा है। आशा की जानी चाहिए कि प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी 'राष्ट्रीय हिन्दी दिवस' का आयोजन भारतीय युवाओं को स्वाभिमान और प्रतिष्ठा की दिशा में आगे बढ़ने के लिये प्रोत्साहित करेगा।

हिन्दी की प्रतिष्ठा में अग्रणी मध्यप्रदेश

भारत में हिन्दी प्रतिष्ठित हो यह भावना लगभग सभी नेतृत्व कर्ताओं की रही है। संविधान सभा और संसद में भी अनेक बार प्रसंग आये। संविधान सभा की भावना के अनुरूप भारत सरकार ने 1953 से राष्ट्रीय हिन्दी दिवस आयोजन की अधिकृत घोषणा की और 18 जनवरी, 1968 को भारतीय संसद में शासकीय कार्य हिन्दी में करने का संकल्प भी पारित किया। पर कार्य वैसी गति न ले सका जैसी संसद की भावना रही थी। पर इसकी पहल देश के हृदय प्रांत मध्यप्रदेश ने की। मध्यप्रदेश ने केवल हिन्दी विश्वविद्यालय की स्थापना की अपितु इंजीनियरिंग और मेडिकल की पढ़ाई भी हिन्दी में प्रारंभ की। इससे पूर्व वर्ष 2016 में भोपाल में संपन्न विश्व हिन्द सम्मेलन में मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रशासनिक कार्य हिन्दी में करने की घोषणा की थी। उसके अनुरूप शासन की अधिकांश योजनाओं का विवरण हिन्दी में आ चुका है। अनेक पोर्टल भी हिन्दी में आरंभ हो चुके हैं।

हिन्दी की प्रतिष्ठा यात्रा में गति के लिये समाज को संकल्प के साथ आगे आना होगा। लेकिन वह दिन दूर नहीं जब हमारी हिन्दी भारत राष्ट्र के साथ विश्व में प्रतिष्ठित होगी।

रमेश शर्मा

(लेखक : वरिष्ठ पत्रकार और स्तंभकार हैं।)

M.P. INDUSTRIAL DEVELOPMENT CORPORATION LIMITED
(A Government of M.P. Undertaking)
(Formerly M.P. Audyogik Kendra Vikas Nigam (I) Ltd.)
REGIONAL OFFICE INDORE
101, First Floor, Atulya IT Park, Near Crystal IT Park, Khandwa Road, Indore-452001
Phone : (O) 0731-2970611, 2974363, 2971311, Fax : 0731-2972629
Web. : invest.mp.gov.in, E-mail : ed.roind@mpidc.co.in CIN : U51102MP1977SGC001392
No. MPIDC/ROI/TECH/23/9390 Date : 05.09.2023

NOTICE INVITING TENDER

Online tenders are invited on behalf of the Executive Director, MPIDC RO Indore, from registered contractors in any State/Central Government/any Government undertaking or reputed firms for the following work. The Tenders would be made available on the e-portal **https://www.mptenders.gov.in.**

Name of Work	Probable Amount of contract (in Lakh)	EMD (in Rs.)	Cost of Tender form (in Rs.)	Last Date of Submission of Tender
Jungle Clearance & Fencing work at Industrial Area Pithampur Distt. Dhar with O&M of 12 months.	52.02	52020/-	11800/-	22.09.2023
Jungle Clearance of SEZ Phase I & II Pithampur Distt. Dhar with O&M of 12 months.	18.61	18610/-	2360/-	22.09.2023

Detailed NIT along with other details can be viewed on above mentioned portal.
M.P. Madhyam/111831/2023 EXECUTIVE ENGINEER
R-49025/2023

M.P. INDUSTRIAL DEVELOPMENT CORPORATION LIMITED
(A Government of Madhya Pradesh Undertaking)
REGIONAL OFFICE, INDORE
101, First Floor, Atulya IT Park, Near Crystal IT Park, Khandwa Road, Indore-452007
Phone : (O) 0731-2970611, 2974363, 2971311, Fax : 0731-2972629
E-mail : ed.roind@mpidc.co.in Website: www.invest.mp.gov.in
GSTN : 23AACCM6080D2ZT, CIN : U45203MP1981SGC001850
No. MPIDC/R.O./IND/Tech/2023/9399 Date : 05.09.2023

NOTICE INVITING TENDER

Tender for the following works have been proceeded on the e-procurement system– **http://www.mptenders.gov.in** as mention below :-

S. No.	Name of Work	PAC (Rs. In Lacs)	Cost of Tender form	EMD
1.	**Shifting & undergrounding line of following works –** a) 11 KV DP shifting, undergrounding line at IT Park-4, I/A Electronic Complex and street light fitting work at I/A Readymade Garment complex Indore. (Rs. 37.90 lacs) b) 11 KV line shifting and 11 kv undergrounding line near IT Park-3, Ring road, Indore. (Rs. 38.47 lacs)	Rs. 76.37 lacs	Rs. 11800/- i/c GST	Rs. 76380/-

The Detailed NIT and tender documents can be viewed and purchased after publication in newspaper within 7 working days from website : **http://www.mptenders.gov.in**
M.P. Madhyam/111841/2023 EXECUTIVE ENGINEER
R-49028/2023

M.P. INDUSTRIAL DEVELOPMENT CORPORATION LIMITED
(A Government of Madhya Pradesh Undertaking)
REGIONAL OFFICE, INDORE
101, First Floor, Atulya IT Park, Near Crystal IT Park, Khandwa Road, Indore-452007
Phone : (O) 0731-2970611, 2974363, 2971311, Fax : 0731-2972629
E-mail : ed.roind@mpidc.co.in Website: www.invest.mp.gov.in
GSTN : 23AACCM6080D2ZT, CIN : U45203MP1981SGC001850
No. MPIDC/R.O./IND/TECH/2023/9397 Date : 05.09.2023

NOTICE INVITING TENDER

Tender for the following works have been proceeded on the e-procurement system– **http://www.mptenders.gov.in** as mention below :-

S. No.	Name of Work	PAC (Rs. In Lacs)	Cost of Tender form	EMD
1.	Annual maintenance contract of lift no. L-J5623 installed in Building no. 2 at I/A Namkeen cluster, sanwer road, Indore for the period of 3 years.	Rs. 3.56 lacs	Rs. 2360/- i/c GST	Rs. 7128/-

The Detailed NIT and tender documents can be viewed and purchased after publication in newspaper within 7 working days from website : **http://www.mptenders.gov.in.**
M.P. Madhyam/111840/2023 EXECUTIVE ENGINEER
R-49027/2023

M.P. STATE AGRICULTURAL MARKETING BOARD
Office of the Executive Engineer, Technical Division Rewa (M.P.)
No./481/2023-24/E-Tendering/Rewa Rewa, Dated : 29.08.2023

NOTICE INVITING TENDER (4th call)

Online Percentage Rate E-Tenders are invited from contractors registered with the Office of the Engineer in Chief, M.P. Public Works Department, Government of Madhya Pradesh (Centralized Registration Cell) for Colour Washing & Maintenance of Office Building Mandi Board Technical Division Rewa (1.67 Lakh) & Colour Washing & Maintenance of Office Building Mandi Board DS Office Rewa Mandi Board Karahiya **Tender Number : 2023_MPSAM_303405_1** (PAC amount Rs. 3.34 Lakh). The following works Tender to be received online up to **17.30 PM on 20.09.2023.** Technical bid documents with EMD & Financial Offer to be received online only as per Detailed NIT. The tender documents can be obtained online on the **http://mptenders.gov.in** as per the Notice Published on the above Portal and detailed information can also be seen on website **www.mpmandiboard.gov.in**
Note : Any corrigendum in this NIT, if required, shall be displayed only in our above portal regarding any matter included in this NIT or otherwise. Other details of Construction/ Development works and locations & key dates can also be seen on our website **www.mpmandiboard.gov.in**
M.P. Madhyam/111804/2023 EXECUTIVE EININEER
R-49023/2023

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम
कार्यालय परियोजना यंत्री, भदभदा रोड संभाग क्रमांक-02 भोपाल
Mob. No. : 9425601534, ई-मेल : bhopaldivision2@gmail.com
क्र.- मप्पुआविनि/568/पयं/भोपाल-02/तप्रा/2023 भोपाल, दिनांक : 01.09.2023

प्रेस विज्ञप्ति

जिला राजगढ़ में 48 आरक्षक आवासगृहों का निर्माण कार्य जिला-राजगढ़ हेतु निविदा क्रमांक-09/2023-24 ऑनलाइन निविदा क्रमांक-MPPHCL/TENDER No- 2023_MPPHC_304060_1 आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र दिनांक 15.09.2023 समय 5.00 बजे तक ऑनलाइन से खरीदे जा सकते हैं, विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण Portal : **https://mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।
म.प्र. माध्यम/111793/2023 परियोजना यंत्री
R-49021/2023

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम
कार्यालय परियोजना यंत्री, संभाग क्रमांक-01
कार्यालय भवन 1558, गोरखपुर थाने के पीछे, ऋषि कॉटेज
रतन कॉलोनी, कटंगा, जबलपुर (म.प्र.), फोन नं. : 0761-4927201
E-mail : mpphcjabalpur@gmail.com

निविदा विज्ञप्ति

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम, जबलपुर संभाग क्र. 01 की ओर से 8वीं वाहिनी, विसवल परिसर, छिंदवाड़ा में 05 नग सम्पवेल के निर्माण कार्य एवं सीवर लाइन में मरम्मत कार्य हेतु निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक 16 वर्ष 2023-24 (Online Tender No. 2023_MPPHC_ 305058_1) आमंत्रित की जाती हैं। **निविदा प्रपत्र दिनांक 19.09.2023 तक खरीदकर सायं 05:00 बजे तक सबमिट किये जा सकते हैं** जिसकी विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal : https://www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं एवं निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उक्त वेबसाइट पर ही किए जावेंगे पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।
म.प्र. माध्यम/111839/2023 परियोजना यंत्री
R-49026/2023

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम
कार्यालय परियोजना यंत्री, संभाग क्र.-1, भदभदा रोड, भोपाल
क्र./858/तप्रा/प.यं./2023 दिनांक : 04.09.2023

प्रेस विज्ञप्ति

इस कार्यालय द्वारा लोक अभियोजन संचालनालय भोपाल के भू-तल पर मरम्मत/ रेनोवेशन कार्य एवं नवीन टॉयलेट का निर्माण कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा आमंत्रित की जाती हैं। निविदा क्रमांक **2023_MPPHC_304908_1** दिनांक 14.09.2023 समय अपरान्ह 17:00 बजे तक खरीदी जा सकती हैं। विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal : www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।
म.प्र. माध्यम/111824/2023 परियोजना यंत्री
R-49024/2023

मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कम्पनी लिमिटेड
(म.प्र. शासन, नगरीय विकास एवं आवास विभाग)
इन्द्रा प्रेस कॉम्प्लेक्स, अमरकंटक भवन, एम.पी. नगर, भोपाल-462011
फोन : +91-755-2762867, फैक्स : +91-755-2762867
ई-मेल : piubhopal2016@gmail.com, CIN No. : U75110MP2015SGC034139
क्र./7610/एमपीयूडीसीएल/स्था./2023 भोपाल, दिनांक 06.09.2023

शुद्धि पत्र

म.प्र अर्बन डेवलपमेंट कंपनी में रिक्त पदों की पूर्ति हेतु प्रतिनियुक्ति/संविदा नियुक्ति के लिए विज्ञापन क्रमाक MPUDC/PMU/2023/7466 दिनांक 31.08.2023 प्रकाशित किया गया था। उक्त विज्ञापन के सरल क्र.-8 पदनाम एमआईएस अधिकारी का संविदा वेतन, वेतनमान 15600-39100 ग्रेड पे 5400 में एकमुश्त संविदा वेतन रु. 56000/- विज्ञापित के स्थान पर वेतनमान 9300-34800 ग्रेड 4200 के अनुसार एकमुश्त संविदा वेतन रु. 43000/- पढ़ा जाये।
म.प्र. माध्यम/111852/2023 उप परियोजना संचालक (प्रशा.)
R-49029/2023

मुख्य निर्वाचन आयुक्त श्री राजीव कुमार ने मध्यप्रदेश में 'मिशन 50@230' का किया शुभारंभ

भोपाल, मुख्य निर्वाचन आयुक्त श्री राजीव कुमार, निर्वाचन आयुक्त श्री अनूप चंद्र पांडेय और निर्वाचन आयुक्त श्री अरुण गोयल ने मध्यप्रदेश में विधानसभा निर्वाचन 2023 की तैयारियों की समीक्षा की। समीक्षा बैठक के दौरान मध्यप्रदेश की प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के न्यूनतम मतदान प्रतिशत वाले 50 मतदान केंद्रों पर चलाए जाने वाले विशेष जागरूकता अभियान का शुभारंभ किया गया। अभियान के अंतर्गत मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए मतदाताओं को विभिन्न माध्यमों से जागरूक किया जाएगा।

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम
कार्यालय परियोजना यंत्री, भदभदा रोड संभाग क्रमांक-02 भोपाल
Mob. No. : 9425601534, ई-मेल : bhopaldivision2@gmail.com
क्र.- मप्पुआविनि/568/पयं/भोपाल-02/तप्रा/2023 भोपाल, दिनांक : 01.09.2023

प्रेस विज्ञप्ति

पुलिस मुख्यालय की चयन एवं भर्ती शाखा कार्यालय का निर्माण कार्य श्यामला हिल्स भोपाल के निर्माण कार्य हेतु निविदा क्रमांक-08/2023-24 ऑनलाइन निविदा क्रमांक-MPPHCL/TENDER No. 2023_MPPHC_304049_1 आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र दिनांक 15.09.2023 समय 5.00 बजे तक ऑनलाइन से खरीदे जा सकते हैं, विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण Portal : **https://mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।
म.प्र. माध्यम/111794/2023 परियोजना यंत्री
R-49022/2023

M.P. ECOTOURISM DEVELOPMENT BOARD
(M.P. Forest Department)
No./Ecoboard/2023/1517 Dated : 08.09.2023

APPLICATIONS INVITED

Applications are invited from candidates having necessary qualifications for following posts on contractual appointment basis for 1 year :

S.No.	Posts	Number of Posts
1.	Manager- Ecotourism Project	One
2.	Manager-IT	One

The details and application form may be downloaded from website **www.mpecotourism.org** The application duly completed along with necessary documents as per prescribed format must reach on or before **29.09.2023 up to 17.00 hours.** in the **office of MPEDB, A wing, Urja Bhawan, Link Road No. 2, Shivaji Nagar, Bhopal 462016 or through E-mail : mpecotourism@mp.gov.in**
M.P. Madhyam/111910/2023 CEO, MPEDB
R-49035/2023

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधो. वि. निगम
कार्यालय परियोजना यंत्री, संभाग सागर भदभदा रोड, भोपाल
क्रमांक/664/तप्रा/मप्पुहाका/पयं/सागर/2023 दिनांक : 06.09.2023

प्रेस विज्ञप्ति

इस कार्यालय द्वारा भोपाल जिले में बाह्य विद्युतीकरण कार्य 33/0.4 के.व्ही. 2x500 के.व्ही.ए. का कार्य 80+160 बहुमंजिला आवास गृह पिपलानी, भोपाल हेतु ऑनलाइन निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा क्रमांक 2023_MPPHC_305662_1 दिनांक 21.09.2023 समय 17:00 बजे तक खरीदे जा सकते हैं। विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण Portal : **https://www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।
म.प्र. माध्यम/111881/2023 परियोजना यंत्री
R-49034/2023

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, राजधानी संभाग क्रमांक-2
लोक निर्माण विभाग, ई-5, अरेरा कॉलोनी, भोपाल
दूरभाष - 0755-2465467

क्रमांक 24/व.ले.लि./सी.2/2022-23 **भोपाल, दिनांक : 25.08.2023**

निविदा आमंत्रण सूचना

निम्नलिखित कार्यों हेतु मध्यप्रदेश लोक निर्माण विभाग में केन्द्रीयकृत पंजीयन के तहत पंजीकृत निविदाकारों से ऑनलाइन निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट **http://mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है :–

क्र.	एन.आई.टी. क्र.	सिस्टम टेण्डर नं.	कार्य का नाम	कार्य की अनु. लागत (रु. लाखों में)	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	भौतिक रूप से एनवलप प्रस्तुत करने का कार्यालय
1.	134/SAC dt. 25.08.2023	2023_CPA_302167_1	राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय परिसर स्थित आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों में विभिन्न वार्षिक मरम्मत एवं रखरखाव कार्य।	रु. 199.00 लाख (रु. एक करोड़ निन्यानवे लाख)	रु. 1,99,000/-	रु. 12,500/-	केवल ऑनलाइन प्रस्तुत करना है
2.	135/SAC dt. 25.08.2023	2023_CPA_302168_1	बागमुगलिया से जाटखेड़ी मास्टर प्लान मार्ग का निर्माण (लंबाई 1.10 कि.मी.)	रु. 347.66 लाख (रु. तीन करोड़ सैंतालीस लाख छासठ हजार)	रु. 3,47,660/-	रु. 15,000/-	केवल ऑनलाइन प्रस्तुत करना है

उपरोक्त वेबसाइट से ऑनलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेंगे। निविदा प्रपत्र क्रय, डाउनलोड एवं ऑनलाइन प्रस्तुत करने की **अंतिम तिथि 12.09.2023 सायं 5.30 बजे** निर्धारित है। विस्तृत एनआईटी एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखी जा सकती है।

कार्यपालन यंत्री
राजधानी संभाग क्रमांक-2, लोक निर्माण विभाग
जी-19119/49008/2023 **ई-5, अरेरा कॉलोनी, भोपाल, दूरभाष - 0755-2465467**

कार्यालय मुख्य अभियंता
लोक निर्माण विभाग, सेतु निर्माण परिक्षेत्र भोपाल (म.प्र.)
निविदा सूचना

निविदा सूचना क्रमांक 26/मु.अ. (सेतु परिक्षेत्र)/वर्ष 2023-24 **भोपाल, दिनांक : 01.09.2023**

निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट **www.mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है।

क्र. एवं कार्य का नाम :– 1. खरगोन जिले में कसरावद पीपलगांव मार्ग पर कि.मी. 6/10 से 7/2 में वेदा नदी पर पहुंच मार्ग सहित उच्चस्तरीय पुल निर्माण कार्य।

टेण्डर क्रमांक	जिला	कार्य का प्रकार	आमंत्रण क्र.	कार्य की अनु. राशि (रु. लाख में)	ई.एम.डी. राशि एवं टेण्डर फीस तथा निविदा से संबंधित सम्पूर्ण दस्तावेज जमा करने हेतु।
2023_PWDRB_303914_1	खरगोन	पुल कार्य	द्वितीय	1581.87	केवल ऑनलाइन

क्र. एवं कार्य का नाम :– 2. दमोह जिले के नरयावली-मंगोला मार्ग में ग्राम सीतानगर के पास सुनार नदी पर पहुंच मार्ग सहित जलमग्नीय पुल निर्माण सुरक्षा कार्य एवं एच.पी. कलवर्ट सहित कार्य।

2023_PWDRB_303916_1	दमोह	पुल कार्य	द्वितीय	1358.06	केवल ऑनलाइन

क्र. एवं कार्य का नाम :– 3. सागर जिले के बड़गांव-पर्राकां मार्ग के कि.मी. 2/2 में देहार (सत्तीघाट) पर पहुंच मार्ग सहित उच्चस्तरीय पुल निर्माण सुरक्षा कार्य सहित।

2023_PWDRB_303917_1	सागर	पुल कार्य	द्वितीय	913.61	केवल ऑनलाइन

क्र. एवं कार्य का नाम :– 4. पन्ना जिले के उमरहट मेंहा मार्ग में केन नदी पर पहुंच मार्ग सहित जलमग्नीय पुल निर्माण सुरक्षा कार्य एवं एच.पी. कलवर्ट सहित कार्य।

2023_PWDRB_303918_1	पन्ना	पुल कार्य	द्वितीय	842.48	केवल ऑनलाइन
			कुल -	**4696.02**	

उपरोक्त वेबसाइट ऑनलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने की **अंतिम तिथि 15.09.2023** (17.30) बजे निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखा जा सकता है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

मुख्य अभियंता
जी-19227/49009/2023 **लो.नि.वि. सेतु निर्माण परिक्षेत्र भोपाल**

कार्यालय मुख्य अभियंता
लोक निर्माण विभाग, सेतु निर्माण परिक्षेत्र भोपाल (म.प्र.)
निविदा सूचना

निविदा सूचना क्रमांक 25/मु.अ. (सेतु परिक्षेत्र)/वर्ष 2023-24 **भोपाल, दिनांक : 29.08.2023**

निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट **www.mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है।

क्र. एवं कार्य का नाम :– 1. उज्जैन जिले के स्टेट हाईवे एवं मुख्य जिला मार्गों पर पुलों का शेष निर्माण कार्य। (पैकेज क्रमांक-08-ए)

टेण्डर क्रमांक	जिला	कार्य का प्रकार	आमंत्रण क्र.	कार्य की अनु. राशि (रु. लाख में)	ई.एम.डी. राशि एवं टेण्डर फीस तथा निविदा से संबंधित सम्पूर्ण दस्तावेज जमा करने हेतु।
2023_PWDRB_303286_1	उज्जैन	पुल कार्य	तृतीय	1429.68	केवल ऑनलाइन
			कुल योग -	**1429.68**	

उपरोक्त वेबसाइट ऑनलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने की **अंतिम तिथि 13.09.2023** (17.30) बजे निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखा जा सकता है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

मुख्य अभियंता
जी-19237/49010/2023 **लो.नि.वि. सेतु निर्माण परिक्षेत्र भोपाल**

संचालनालय महिला एवं बाल विकास म.प्र.
विजयाराजे वात्सल्य भवन, 28ए, अरेरा हिल्स, भोपाल

दूरभाष : 0755-2550909, 2550910, फैक्स : 0755-2550912
www.mpwcdmis.gov.in, icpsbhopal@gmail.com

क्रमांक/म.स./23/997 **भोपाल, दिनांक : 4.09.2023**

विज्ञप्ति

किशोर न्याय (बालकों की देखरेख और संरक्षण) अधिनियम, 2015 (संशोधन अधिनियम, 2021) के प्रावधान अनुसार विधि का उल्लंघन करने वाले एवं देखरेख और संरक्षण के जरूरतमंद बालकों के प्रकरणों के निराकरण हेतु प्रत्येक जिले में किशोर न्याय बोर्ड एवं बाल कल्याण समिति के गठन का प्रावधान है। किशोर न्याय बोर्ड/बाल कल्याण समिति की वर्तमान रिक्तियों हेतु निम्नानुसार जिलों के लिए अशासकीय व्यक्तियों से आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं :–

क्र.	संभाग	जिले का नाम	किशोर न्याय बोर्ड में रिक्तियों की संख्या	बाल कल्याण समिति में रिक्तियों की संख्या
1.	भोपाल	भोपाल	–	01 पद
2.		रायसेन	–	03 पद (जिसमें से एक महिला)
3.		सीहोर	01 पद (महिला)	–
4.		राजगढ़	02 पद (जिसमें से एक महिला)	04 पद (जिसमें से एक महिला)
5.	ग्वालियर	शिवपुरी	01 पद	–
6.	इंदौर	बड़वानी	–	02 पद
7.		खरगौन	02 पद (जिसमें से एक महिला)	05 पद (01 अध्यक्ष एवं 04 सदस्य) जिसमें से एक महिला
8.	जबलपुर	कटनी	02 पद (जिसमें से एक महिला)	05 पद (01 अध्यक्ष एवं 04 सदस्य) जिसमें से एक महिला
9.		मंडला	02 पद (जिसमें से एक महिला)	05 पद (01 अध्यक्ष एवं 04 सदस्य) जिसमें से एक महिला
10.		डिण्डोरी	01 पद	–
11.	नर्मदापुरम	नर्मदापुरम	–	01 पद अध्यक्ष
12.		हरदा	02 पद (जिसमें से एक महिला)	05 पद (01 अध्यक्ष एवं 04 सदस्य) जिसमें से एक महिला
13.	रीवा	सीधी	01 पद (महिला)	
14.		सिंगरौली	01 पद (महिला)	
15.	सागर	सागर	–	01 पद
16.		छतरपुर	–	01 पद
17.		दमोह	01 पद	05 पद (01 अध्यक्ष एवं 04 सदस्य) जिसमें से एक महिला
18.	शहडोल	अनूपपुर	–	05 पद (01 अध्यक्ष एवं 04 सदस्य) जिसमें से एक महिला
19.	उज्जैन	देवास	02 पद (जिसमें से एक महिला)	05 पद (01 अध्यक्ष एवं 04 सदस्य) जिसमें से एक महिला

किशोर न्याय बोर्ड/बाल कल्याण समिति के पद हेतु अर्हताएं :–

(i) किशोर न्याय बोर्ड में सदस्य के लिए आवेदन करने वाले अशासकीय व्यक्ति की विज्ञप्ति प्रकाशन की दिनांक को न्यूनतम आयु पैंतीस वर्ष और अधिकतम आयु पैंसठ वर्ष से अधिक नहीं होगी।

(ii) किशोर न्याय बोर्ड के सदस्य हेतु अनिवार्य अर्हताएं :– किशोर न्याय बोर्ड के सदस्य हेतु ऐसा अशासकीय व्यक्ति पात्र होगा जिसके पास शिक्षा, स्वास्थ्य या कल्याण कार्यकलापों में बालकों के साथ कार्य करने का कम से कम 07 वर्षों का अनुभव हो अथवा जो बाल मनोविज्ञान (child psychology) या मनोचिकित्सा (psychiatry) या समाज विज्ञान (sociology) या विधि क्षेत्र में (law) डिग्री प्राप्त व्यवसायरत व्यक्ति (practicing professional) हो।

(2) बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष/सदस्यों के लिए अर्हताएं :–

(i) बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष और सदस्य के लिए आवेदन करने वाले अशासकीय व्यक्ति की विज्ञप्ति प्रकाशन की दिनांक को न्यूनतम आयु पैंतीस वर्ष और अधिकतम आयु पैंसठ वर्ष होगी।

(ii) बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष और सदस्य हेतु अनिवार्य अर्हताएं :– बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष और सदस्य हेतु ऐसा अशासकीय व्यक्ति पात्र होगा जिसके पास बाल मनोविज्ञान या मनोचिकित्सा या कानून या सामाजिक कार्य या समाजशास्त्र या मानव स्वास्थ्य या शिक्षा या मानव विकास या विकलांग बच्चों के लिए विशेष शिक्षा में डिग्री हो और बच्चों से संबंधित स्वास्थ्य, शिक्षा या कल्याण गतिविधियों में सात वर्ष से सक्रिय रूप से शामिल हो (actively involved) अथवा जो मनोचिकित्सा (psychiatry) या समाज विज्ञान (sociology) या विधि क्षेत्र (law) या सामाजिक कार्य (social work) या समाजशास्त्र (sociology) या मानव स्वास्थ्य (human health) या शिक्षा (education) या मानव विकास (human development) या विकलांग बच्चों के लिए विशेष शिक्षा (special education) में डिग्री के साथ व्यवसायरत व्यक्ति (practicing professional) हो।

किशोर न्याय बोर्ड एवं बाल कल्याण समिति के पद हेतु निर्धारित प्रारूप में आवेदन आयुक्त संचालनालय महिला एवं बाल विकास, विजयाराजे वात्सल्य भवन, 28ए, अरेरा हिल्स, भोपाल पिन 462011 में कार्यालयीन समय में **दिनांक 29 सितम्बर 2023 तक** जमा अथवा पंजीकृत डाक/कोरियर/स्पीड पोस्ट से प्रेषित किये जा सकते हैं। ई-मेल अथवा निर्धारित तिथि के पश्चात प्राप्त आवेदनों को मान्य नहीं किया जायेगा। आवेदन प्रारूप, पात्रता/अपात्रता की शर्तें एवं अन्य निर्देश की विस्तृत जानकारी विभाग की वेबसाइट **www.mpwcdmis.gov.in** के निर्देश मेन्यू में उपलब्ध है।

आयुक्त
जी-19242/49011/2023 **महिला एवं बाल विकास मध्यप्रदेश**

रीवा में खुलेगा संस्कृत विश्वविद्यालय का केंद्र

रीवा, जनसंपर्क एवं लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने रीवा में पत्रकार वार्ता में कहा कि शीघ्र ही जिले में संस्कृत विश्वविद्यालय की स्थापना लक्ष्मण बाग परिसर में की जाएगी। इसके लिए प्रयास किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री 30 सितम्बर को लक्ष्मण बाग परिसर में पाणिनि संस्कृत विश्वविद्यालय के केंद्र का शुभारंभ करेंगे। उन्होंने बताया कि प्रारंभ में पाँच पाठ्यक्रमों में पढ़ाई शुरू होगी और भविष्य में विश्वविद्यालय के रूप में विकास किया जाएगा।

श्री शुक्ल ने कहा कि रीवा में पत्रकारों को आवासीय भूखण्ड प्रदान किए जाएंगे। भूखण्ड 1375 वर्ग फिट का होगा। उन्होंने कहा कि रीवा में 500 करोड़ रुपये की लागत से हवाई अड्डे का निर्माण किया जा रहा है, निर्माण कार्य मार्च 2024 तक पूर्ण होगा। रीवा में आईटी पार्क की स्थापना के लिए 30 करोड़ रुपये मंजूर किए गए हैं। बहुती नहर का काम तेजी से जारी है। इससे 6 लाख एकड़ में सिंचाई की सुविधा मिल जाएगी।

जनसंपर्क मंत्री ने कहा कि कैबिनेट की बैठक में रीवा में ग्लोबल स्किल पार्क की स्थापना के लिए 250 करोड़ रुपये की मंजूरी दे दी है। इससे कुशल व्यक्ति तैयार होंगे। सुपर स्पेशलिटी हास्पिटल में 84 रिक्त पदों पर भर्ती के निर्देश दिए गए हैं। किडनी ट्रांसप्लांट के लिए डॉक्टरों के पहले बैच ने प्रशिक्षण पूरा कर लिया है। जटिल ऑपरेशन के लिए आधुनिक मशीन लगाई जा रही है। हास्पिटल को 400 बेड का बनाने के लिए शीघ्र ही निर्माण कार्य शुरू होगा। युवाओं को रोजगार, पत्रकार सुरक्षा कानून, पर्यटन विकास के संबंध में जनसंपर्क मंत्री द्वारा पत्रकारों से चर्चा की गयी।

कार्यालय कलेक्टर (सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण)
जिला शहडोल (म.प्र.)

क्रमांक/सा. न्याय/डी.डी.आर.सी./2023/496 **शहडोल, दिनांक : 28.08.2023**

विज्ञापन

मध्यप्रदेश शासन, सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण म.प्र. भोपाल के पत्र क्रमांक 185/2014/26-2 भोपाल दिनांक 04.02.2015 एवं पत्र क्रमांक 2475/13062/23/26-2 भोपाल दिनांक 23.08.2023 द्वारा दिव्यांग व्यक्तियों के समग्र एवं स्थायी पुनर्वास तथा सेवाओं के प्रदाय हेतु जिला पुनर्वास केंद्र हेतु आवश्यक सेटअप पदों की संविदा पद पर एक वर्ष हेतु नियुक्ति के लिये निम्नलिखित पदों की पूर्ति हेतु पात्र आवेदकों से आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं। आवेदन पत्र जिला कार्यालय सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण शहडोल को **दिनांक 15.09.2023 तक** सायं 05.00 बजे तक सीलबंद लिफाफों में आवेदन पत्र प्राप्त हो जाना चाहिये। साक्षात्कार का आयोजन दिनांक 25.09.2023 को किया जावेगा। रिक्त पदों का विवरण, आवश्यक अर्हता/योग्यता एवं निर्धारित मानदेय निम्नानुसार है :–

क्र.	पदनाम	पदों की संख्या	पद हेतु न्यूनतम शैक्षणिक अर्हताएं	मानदेय प्रतिमाह
1.	क्लीनिकल साइक्लोजिस्ट/ पुनर्वास मनोचिकित्सक	01	**क्लीनिकल साइक्लोजिस्ट** क. क्लीनिकल मनोचिकित्सा में एम.फिल. ख. क्लीनिकल मनोचिकित्सा में व्यावसायिक डिप्लोमा। **पुनर्वास मनोचिकित्सक** क. पुनर्वास मनोचिकित्सा में एम.फिल. ख. पुनर्वास मनोचिकित्सा में ग्रेजुएट पोस्ट डिप्लोमा (पीजीडीआरपी)	20,500/-
2.	वरिष्ठ फिजियोथेरापिस्ट/ ऑक्यूपेशनल थेरापिस्ट	01	**फिजियोथेरापिस्ट** 01 अनिवार्य योग्यता बीपीटी **ऑक्यूपेशनल थेरापिस्ट** 01 अनिवार्य योग्यता बीओटी **औचित्य** - पीटी और ओटी दोनों पूरी तरह से अलग-अलग विषय है और दोनों की दिव्यांगता पुनर्वास में बहुत महत्वपूर्ण और अलग-अलग भूमिकाए हैं।	20,500/-
3.	सीनियर प्रोस्थेटिस्ट/ ऑर्थोटिस्ट	01	आरसीआई द्वारा मान्यता प्राप्त किसी भी संस्थान से प्रोस्थेटिस्ट और ऑर्थोटिस्ट (बीपीओ) में स्नातक	20,500/-
4.	सीनियर स्पीच थेरापिस्ट/ ऑडियोलॉजिस्ट	01	ऑडियोलॉजी और स्पीच एंड लैंग्वेज पैथोलॉजी (बीएएसएलपी) में स्नातक या बी.एससी स्पीच एंड हियरिंग	20,500/-
5.	प्रोस्थेटिस्ट/ ऑर्थोटिस्ट (टेक्नीशियन)	01	पी एंड ओ में डिप्लोमा या 3 साल के अनुभव के साथ पी एंड ओ से प्रमाण पत्र	16,000/-
6.	हियरिंग असिस्टेंट जूनियर स्पीच थेरापिस्ट (ईयर मोल्ड टेक्नीशियन)	01	श्रवण यंत्र की जानकारी/मरम्मत/कर्ण मोल्ड बनाने के साथ वाक् एवं श्रवण में डिप्लोमा स्पीच एंड हियरिंग तकनीशियन पात्रता हियरिंग लैंग्वेज और स्पीच में डिप्लोमा (डीएचएलएम) ईयर मोल्ड तकनीशियन पात्रता हियरिंग एंड रिपेयर और ईयर मोल्ड प्रौद्योगिकी में डिप्लोमा (डीएचएआरईएमटी)	16,000/-
7.	मोबिलिटी इंस्ट्रक्चर	01	दसवीं - गतिशीलता में सर्टिफिकेट/डिप्लोमा पात्रता : अधिमानत गतिशीलता विज्ञान में स्नातक (बी.एम.एससी.) या दृष्टि बाधिता में डी.एड. विशेष शिक्षा/बी.एड. विशेष शिक्षा	14,500/-
8.	मल्टीपर्पज रिहेब्लीटेशन वर्कर	01	बहु उद्देशीय पुनर्वास कार्यकर्ता पात्रता सुमदाय आधारित पुनर्वास (पीजीडीसीसीआर) में पोस्ट ग्रेजुएट समुदाय आधारित पुनर्वास (डीसीबीआर) समुदाय आधारित समावेशीय विकास (सीबीआईडी)/ एमआरडब्ल्यू में डिप्लोमा	14,500/-
9.	एकउन्टेट कम क्लर्क कम स्टोर कीपर	01	दो वर्षों के अनुभव सहित (बी.कॉम./एसएएस)	14,500/-
10.	अटेनडेंट कम प्यून कम मेसेन्जर	01	8वीं पास	9,500/-
11.	वोकेशनल काउन्सलर कम कम्प्यूटर असिस्टेंट	01	व्यावसायिक पुनर्वास डिप्लोमा (डीवीआर)/ (बाल मार्गदर्शन और परामर्श में एडवांस्ड डिप्लोमा एडीसीजीसी) पुनर्वास विज्ञान में स्नातक	14,500/-
12.	ट्रांस डिसिप्लिनरी स्पेशल एडुकेटर (एम.आर.)	01	दो पदों के लिए पात्रता : (1) श्रवणबाधित में डीईडीएसई/बीईडीएसई (2) बीआई/आईडी/सीपी/एएसडी/डीबी/एसएलडी में डीईडीएसई/ बीईएसई	16,000/-
13.	एडमिनिस्ट्रेटिव ऑफिसर	01	स्नातकोत्तर एवं दिव्यांगता के क्षेत्र में 5 वर्ष का अनुभव	18,000/-
14.	चौकीदार		8वीं पास (कलेक्टर दर पर (अकुशल श्रमिक))	8,000/-

नियुक्ति संबंधी शर्तें :–

1. यह नियुक्ति पूर्णतः संविदा पद पर 01 वर्ष के लिये किसी भी एक पक्ष द्वारा एक माह के नोटिस एवं एक माह का वेतन/ मानदेय पर किसी भी समय संविदा नियुक्ति समाप्त की जा सकती है। 01वर्ष पश्चात सेवाएं संतोषप्रद पाये जाने पर समिति पुनः सेवा में वृद्धि कर सकेगी।
2. आवेदक की आयु 01.01.2023 को 18 वर्ष एवं अधिकतम शासन के नियमानुसार होगी, आरक्षित वर्ग के उम्मीदवार को शासन द्वारा प्रदत आयु सीमा में छूट दी जावेगी।
3. संविदा पर नियुक्त विषय विशेषज्ञ/कर्मचारी को शासन द्वारा निर्धारित मानदेय दिया जावेगा।
4. उम्मीदवार को आवेदन पत्र के प्रारूप अनुसार अपनी पूर्ण जानकारी, प्रमाण पत्रों की सत्यापित छायाप्रतियां संलग्न करना अनिवार्य होगा। कम योग्यता वाले आवेदन पत्र एवं शर्तें पूर्ण न होने की स्थिति आवेदन स्वयं ही निरस्त माना जावेगा। विशेष योग्यता वाले पदों में मान्यता प्राप्त संस्था के प्रमाण पत्र/पत्रोपाधि अनिवार्य होगी।
5. शैक्षणिक योग्यता एवं अन्य अर्हताएं संबंधी प्रमाण-पत्रों में किसी प्रकार की विसंगति पाए जाने पर सेवाएं समाप्त कर दी जावेंगी।
6. आवेदक को आवेदन के साथ अपना पूर्ण पता लिखा हुआ रजिस्टर्ड डाक टिकट सहित लिफाफा संलग्न करना अनिवार्य है, ताकि साक्षात्कार हेतु सूचना प्रेषित की जा सकें साक्षात्कार में उपस्थित होने पर कोई यात्रा भत्ता नहीं दिया जावेगा।
7. चयनित उम्मीदवार को मुख्यालय पर ही रहना होगा चयनित उम्मीदवार को समिति द्वारा निष्पादित अनुबंध संविदा नियमों का पालन करना होगा तथा वरिष्ठ अधिकारियों के आदेश का पालन करना होगा।
8. संविदा पर नियुक्त विषय विशेषज्ञ/कर्मचारी म.प्र. सिविल सेवा आचरण अधिनियम 1965 प्रभावशील होगा।
9. संविदा पर नियुक्त विशेषज्ञ/कर्मचारी को कदाचार या किसी आपराधिक क्रियाकलाप में संलग्न पाये जाने पर नियुक्ति प्राधिकारी ऐसी संविदा नियुक्ति समाप्त कर सकेंगे।
10. नियुक्त विषय विशेषज्ञ/कर्मचारी का चरित्र सत्यापन शासकीय सेवकों को लागू नियमों या अनुदेशों के आधार पर किया जावेगा। चरित्र के संबंध में किसी प्रतिकूल निष्कर्ष की दशा में नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा संविदा नियुक्ति बिना कोई कारण बताए रद्द कर दी जावेगी।
11. नियुक्त विषय विशेषज्ञ/कर्मचारी उसके पदस्थापना के स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने की स्थिति से संविदा में माना जावेगा। यदि संविदा पर नियुक्त कोई व्यक्ति बिना किसी विशिष्ट सूचना के अपने कर्तव्य से एक माह से अधिक समय के लिए अनुपस्थित रहता है तो उसकी संविदा नियुक्ति ऐसी अनुपस्थिति की तिथि से स्वतः समाप्त मानी जावेगी।
12. नियुक्ति के पश्चात जिले के मुख्य स्वास्थ्य एवं चिकित्सा अधिकारी का फिटनेस का चिकित्सा प्रमाण पत्र कार्य पर उपस्थित होने के अधिकतम 07 दिवस की अवधि में अनिवार्यतः प्रस्तुत करना होगा।
13. नियुक्ति की प्रक्रिया - जिला दिव्यांग कल्याण तथा विकास समिति द्वारा मेरिट एवं साक्षात्कार के आधार पर की जावेगी।
14. आवेदन पत्र जमा करने की **अंतिम तिथि 15.09.2023 तक** है। उक्त दिनांक तक आवेदन पत्र जिला कार्यालय सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण शहडोल में सायं 05.00 बजे तक स्वयं अथवा डाक से जमा किये जा सकते हैं। दिनांक 15.09.2023 के पश्चात प्राप्त होने वाले आवेदनपत्रों में विचार नहीं किया जावेगा।
15. अधिक जानकारी के लिये सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण शहडोल में सम्पर्क किया जा सकता है।

उपसंचालक
सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण
जी-19308/49015/2023 **जिला शहडोल (म.प्र.)**

क्रमांक 2715001/2014/ई.डी.पी./ई-टेंडरिंग/406/1442
कार्यालय प्रमुख अभियंता
जल संसाधन विभाग, जल संसाधन भवन, तुलसी नगर, भोपाल

ईमेल - mpwrdetenders@gmail.com, edpcell.encwrd.bpl@mp.gov.in
फोन - 0755-2553402, फैक्स - 0755-2552406

निविदा आमंत्रण सूचना

निविदा सूचना क्रमांक - 553/2715001/ई.डी.पी./2021-22/प्र.अ./ई-टेंडरिंग **भोपाल, दिनांक : 28.08.2023**

निम्न कार्यों हेतु निविदा वेबसाइट **https://www.mptenders.gov.in** पर आमंत्रित की गई है। निविदा प्रपत्र वेबसाइट पर **दिनांक 14.09.2023** को 17.30 बजे तक क्रय/डाउनलोड तथा प्रस्तुत किए जा सकते हैं। निविदा में संशोधन की स्थिति में वेबसाइट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य जानकारी उक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

स. क्र.	निविदा क्रमांक	कार्य का नाम	जिला	राशि रु. लाख में
1.	2023_WRD_291348	जल संसाधन संभाग, गोहद हेतु 04 नग निरीक्षण वाहन किराये पर लेना।	भिंड	8.34
2.	2023_WRD_297856	हाडी पिपल्या एवं देवरी सोमिया स्टापडेमों के गेट लगाने एवं खोलने का कार्य।	नीमच	2.50
3.	2023_WRD_297857	पावटी, लसुडिया एवं तिलसोई नदी पर स्थित 05 नग स्टापडेमों के गेट लगाने एवं खोलने का कार्य।	नीमच	1.65
4.	2023_WRD_298586	उपसंभाग गंजबासौदा के स्टापडेम एवं बैराजों के गेट बंद करने एवं खोलने का कार्य।	विदिशा	6.50
5.	2023_WRD_298588	उपसंभाग सिरोंज एवं शमशाबाद के स्टापडेम एवं बैराजों के गेट को बंद करने एवं खोलने का कार्य।	विदिशा	8.99
6.	2023_WRD_298589	उपसंभाग कुरवाई के स्टापडेम एवं बैराजों के गेट को बंद करने एवं खोलने का कार्य।	विदिशा	9.11
7.	2023_WRD_299319	टेहरका नहर का वार्षिक रखरखाव एवं मरम्मत का कार्य।	निवाड़ी	2.67
8.	2023_WRD_299442	गाजाखेड़ी, गारियाखेडी, लसुडिया, पनवाड़ी, परासली एवं रनायरा तालाबों के पाल पर झाड़ियों की सफाई एवं मिट्टी का कार्य।	मंदसौर	13.01
9.	2023_WRD_300049	अहमदपुर जलाशय का मरम्मत, सुधार एवं स्लूस का विशेष मरम्मत कार्य।	बालाघाट	17.94
10.	2023_WRD_300206	हथकुरी तालाब योजना की नहर का सुधार एवं मरम्मत कार्य।	पन्ना	4.38
11.	2023_WRD_300296	मोरखा लघु जलाशय योजना की मुख्य नहर की आर.डी. 2125 मी. पर अतिवर्षा से क्षतिग्रस्त भाग का वार्षिक मरम्मत कार्य।	बैतूल	2.25
12.	2023_WRD_300363	तवा बांयी तट मुख्य नहर की चैन क्र. 2120 से 2160 के मध्य रेन कट फिलिंग कार्य।	नर्मदापुरम	1.60
13.	2023_WRD_300364	रायगढ़ उपनहर की चैन क्र. 115 एवं 118 पर क्षतिग्रस्त सी.सी. लाइनिंग का मरम्मत कार्य।	नर्मदापुरम	4.50
14.	2023_WRD_300365	भिलाड़िया उपनहर की चैन क्र. 336 से 338 के मध्य क्षतिग्रस्त सी.सी. लाइनिंग का मरम्मत कार्य।	नर्मदापुरम	6.50
15.	2023_WRD_300366	मकड़ाई उपनहर की चैन क्र. 216 से 754 के मध्य क्षतिग्रस्त सी.सी. लाइनिंग का मरम्मत कार्य।	नर्मदापुरम	6.21
16.	2023_WRD_300367	मिसरोद उपनहर की चैन क्र. 00 से 375 एवं चौतलाय उपनहर चैन क्र. 00 से 380 के मध्य क्षतिग्रस्त सी.सी. लाइनिंग का मरम्मत कार्य।	नर्मदापुरम	6.17
17.	2023_WRD_300667	सोवत, कंकडा स्टॉप डेम कम काजवे महाना, रूसल्ला बुजुर्ग, भगवानपुर, रैंडाघाट स्टॉप डेम के गेट बंद एवं खोलने एवं मरम्मत का कार्य।	अशोकनगर	3.82
18.	2023_WRD_300706	घाट बमुरिया स्टॉप डेम, कुम्हारी, कैथन डायवर्सन, सेमरी टांकी, बहादुरपुर, सांवलेहेड़ा, रतवास, खैराई, मडी नरखेड़ी, गरेठी विवर कम काजवे के गेट खोलने एवं बंद करने तथा मरम्मत का कार्य।	अशोकनगर	3.57
19.	2023_WRD_300900	गणेशपुरा (भोजपुरा) तालाब की क्षतिग्रस्त रोड का मरम्मत कार्य।	राजगढ़	1.85
20.	2023_WRD_300909	हासीलपुर उपसंभाग के सी.आर.एम.सी. के गेटों का मरम्मत कार्य।	ग्वालियर	1.11
21.	2023_WRD_300911	सीतापुर मध्यम सिंचाई परियोजना की पुनर्वास एवं पुनर्व्यवस्थापन कॉलोनी कल्याणपुरा में 06 नग हैंड पंप की खुदाई एवं स्थापित का कार्य।	दमोह	6.20
22.	2023_WRD_301099	कुल्पा कारंजा वितरण नहर के झालिया माइनर चैन क्र. 28 के हेड रेग्यूलेटर का सुधार कार्य।	बालाघाट	4.11
23.	2023_WRD_301242	सुल्तानपुर बैराज के 10 नग जलद्वार के लीफ असेम्बली का प्रदाय, फेब्रीकेशन एवं इरेक्शन का कार्य।	भोपाल	9.59
24.	2023_WRD_301244	नवलपुरा बैराज के 10 नग जलद्वार के लीफ असेम्बली का प्रदाय, फेब्रीकेशन एवं इरेक्शन का कार्य।	भोपाल	9.59
25.	2023_WRD_301250	केन्द्रीय यांत्रिकी इकाई जल संसाधन विभाग भोपाल हेतु उच्च कुशल कर्मचारी वेल्डर का प्रदाय।	भोपाल	2.21
26.	2023_WRD_301254	बीजना स्टाप डेम के 2 नग जलद्वार का प्रदाय एवं फेब्रीकेशन कार्य।	भोपाल	1.75
			कुल योग	**146.12**

जी-19257/49012/2023 **मुख्य अभियंता (प्रोक्योरमेंट)**

SAINIK SCHOOL REWA (MP)

(Functioning under Sainik Schools Society, New Delhi)

RECRUITMENT OF STAFF

1. Sainik School Rewa is inviting applications for the posts as per following details :-

Name of Post	Number of Post	Reser-vation	Qualification	Age (As on 20 Oct 2023)	Pay Scale
Accountant	01-Regular	UR	**Essential Qualification** (i) B. Com with adequate knowledge of double entry system of accounting, or should have worked as an Accountant for at least 10 years in a Govt or private organization and must be fully conversant with maintenance of accounts in double entry system, and (ii) Ability to correspond in English independently. **Desirable Qualification** Working knowledge of computer	18 to 50 Yrs.	Similar to Level 6 of VII CPC+ DA as applicable
Nursing Assistant	01-Regular	UR	**Essential Qualification** (i) Nursing diploma/Degree (ii) 5 years experience or ex-serviceman of Medical Assistant trade with at least 5 years service after Training. **Desirable Qualification** (i) Working knowledge of computer	18 to 50 Yrs.	Similar to Level 4 of VII CPC+ DA as applicable
Lower Division Clerk	01-Regular	UR	**Essential Qualification** (i) Matriculation. (ii) Typing speed of at least 40 words per minute **Desirable Qualification** (i) Working knowledge of computer (ii) Knowledge of short hand and ability to correspond in English will be considered an additional qualification.	18 to 50 Yrs.	Similar to Level 2 of VII CPC+ DA as applicable
TGT Social Science	01-Contra-ctual	OBC (NCL)	**Essential Qualification** (i) Four years integrated degree course of Regional College of Education of NCERT in the concerned subject with at least 50% marks in aggregate. **Or** Bachelor degree with atleast 50% marks in the concerned subject/ combination of subject and in aggregate. (ii) B.Ed or equivalent degree from a recognized university. (iii) Passed in the CTET or STET conducted by CBSE/Central or State Government in accordance with the guide lines framed by the NCTE for the purpose. **Desirable Qualification** (i) Proficiency in teaching in English, teaching experience of residential English medium school, proficiency in games, sports and co-curricular activities will be given due weightage Candidates with knowledge of computers will be preferred.	21 to 35 Yrs.	Fixed monthly salary of ₹ 21,250 only

Other Benefits -

(a) **For posts on regular basis.** These appointments will be on probation of 01 year (Extendable to further 01 year). Appointments will be confirmed after successful completion of probation period. Rent Free Accommodation/HRA (on case-to-case basis), LTC, Gratuity and Subsidized Education for maximum limit of 02 children only Pensionary benefits through New Pension System. Retirement Age will be 60 Years (subject to fulfillment of Terms & Conditions).

(b) **For posts on Contractual basis.** These appointments will be purely on contractual basis only for the period of one year No additional benefits will be provided other than fixed monthly salary

3. **Structure of Selection Process -** Selection process will consist three steps i.e, written examination, Skill Test and Interview for all the posts except LDC Selection process for LDC will consist two steps i.e. written examination and Skill Test. After each phase names of shortlisted candidates selected for the next phase will be intimated to the candidates same day.
4. **How to Apply -** Desirous candidates should apply to the **Principal, Sainik School, Rewa (MP) 486001** in prescribed format available in school website **www.sainikschoolrewa.ac.in** alongwith attested copies of certificates and testimonials. Please superscribe the envelope with the name of post applied for Applications received late/without deposition of application fee/not in prescribed format will be rejected without any intimation
5. **Application Fee -** Application fee (non-refundable) for all posts is ₹ 500/- and to be paid in the form of **Demand Draft** in favour of **Principal Sainik School Rewa** Payable at Rewa (MP) only Application fees deposited in other means will not be accepted. Application forms received without Demand Drafts will be liable for rejection.
6. Last Date for submission of Application i**s 20 Oct 2023.** The school will not be responsible for any postal delay and no claim will be entertained.
7. **Date of Examination :** Date of 1st Phase Examination will be published in School website at least 15 days prior to the examination TA/DA to candidates is not admissible.
8. The school administration reserves the right to increase/decrease/cancel the vacancy due to administrative/policy reasons.

Note :- Visit the School website, to get further details and Application Form.

R-49019/2023

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक निर्माण विभाग संभाग बुधनी जिला सीहोर (म.प्र.) मेड रोड बुधनी फोन नं. 07564-235305

निविदा सूचना क्रमांक 14/2023-24/ब.ले.लि./ **बुधनी, दिनांक : 31.08.2023**

निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट **https://mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है।

स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 1. ग्राम पंचायत बोरघाटी से कलवाना नहर बावरी रोड तक मार्ग का निर्माण कार्य लंबाई 4.00 कि.मी.।

टेण्डर क्रमांक	कार्य का प्रकार	ठेके की अनुमानित लागत राशि (रु. लाखों में)	अमानत राशि (EMD)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	आमंत्रण क्र.	ई.एम.डी. एवं निविदा से संबंधित अन्य दस्तावेज
2023_PWDRB_303123_1	मंडी मद	409.10	409100/-	12 माह वर्षाकाल सहित	प्रथम	निविदा से संबंधित समस्त दस्तावेज एवं ई.एम.डी. केवल ऑनलाइन ही स्वीकार्य होंगे।

स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 2. आदिवासियों के लिए श्री गुरूआ बाबा के रपटे से मेन रोड से हनुमान कुटी तक मार्ग निर्माण कार्य लंबाई 2.00 कि.मी.

2023_PWDRB_303127_1	मंडी मद	216.37	216370/-	10 माह वर्षाकाल सहित	प्रथम	--तदैव--

स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 3. ग्राम पंचायत बचगांव तहसील भैरून्दा में किसानों के खेत में जाने का रास्ता मार्ग का निर्माण कार्य लंबाई 1.90 कि.मी.।

2023_PWDRB_303137_1	मंडी मद	133.80	133800/-	10 माह वर्षाकाल सहित	प्रथम	--तदैव--

स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 4. सी.सी. रोड निर्माण कार्य आदिवासी मोहल्ले से श्री कैलाश श्रीवास्तव के घर की ओर मेन रोड तक इटावाकला मार्ग का निर्माण कार्य लंबाई 0.80 कि.मी.।

2023_PWDRB_303139_1	मंडी मद	108.64	108640/-	10 माह वर्षाकाल सहित	प्रथम	--तदैव--

स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 5. ग्राम बगवाड़ा, तहसील बुधनी की जल उपभोक्ता बगवाडा (उद्भवन सिंचाई योजना) नहर पर सड़क का निर्माण कार्य लंबाई 1.20 कि.मी.।

2023_PWDRB_303149_1	मंडी मद	65.39	65390/-	06 माह वर्षाकाल सहित	प्रथम	--तदैव--
कार्य की अधिकतम लागत (रु. लाख में)		**409.10**				

उपरोक्त वेबसाइट ऑनलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय (Document Download/Sale End Date) करने की **अंतिम तिथि 18.09.2023 (17.30) बजे** निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखा जा सकता है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा। प्रमुख अभियंता लो.नि.वि. भोपाल का पत्र क्र. 401/सा./ई-टेण्डरिंग/09/1088/भोपाल/दिनांक 05.11.2020 द्वारा निविदा से संबंधित समस्त दस्तावेज एवं ई.एम.डी. केवल ऑनलाइन ही स्वीकार्य होंगे।

कार्यपालन यंत्री

जी-19353/49018/2023 **लो.नि.वि. सं. बुधनी म.प्र.**

कौशल विकास संचालनालय, म.प्र. (मध्यप्रदेश राज्य कौशल विकास एवं रोज़गार निर्माण बोर्ड) (विज्ञप्ति)

क्रमांक-कौविसं/एससीवीटी/2023/5092 **भोपाल, दिनांक : 05.09.2023**

म.प्र. की आईटीआई में प्रवेश 2023 हेतु ''पहले आओ पहले पाओ'' राउण्ड

स.क्र.	की जानी वाली कार्यवाही	तिथियां
शासकीय आईटीआई हेतु		
1.	संस्थावार/व्यवसायवार रिक्त सीटों की जानकारी पोर्टल पर प्रदर्शित करना।	05.09.2023
2.	• नवीन रजिस्ट्रेशन/च्वाईस फिलिंग/त्रुटि सुधार हेतु पोर्टल प्रारंभ। • कैंडिडेट स्वेच्छा से किसी 01 आईटीआई के किसी 01 ट्रेड की च्वाईस फिलिंग कर सकेंगे। • समस्त रजिस्टर्ड कैंडिडेट को प्रवेश हेतु च्वाईस फिलिंग करना अनिवार्य है। • च्वाईस लॉक करने के पश्चात संशोधन किया जाना संभव नहीं है। अतः कैंडिडेट को सावधानी पूर्वक आईटीआई/व्यवसाय का चयन करना चाहिए। • च्वाईस फिलिंग करने के पूर्व आईटीआई में व्यवसायवार रिक्त सीटों की संख्या अवश्य जांच कर लेवें। • कैंडिडेट को प्रवेश के लिए रु. 50 का भुगतान कर च्वाईस लॉक करना होगा, तत्पश्चात अलॉटमेंट लेटर प्रिंट कर संबंधित आईटीआई में प्रवेश हेतु समस्त दस्तावेज की मूल प्रति एवं 02 सेट फोटोकॉपी सहित पहुंचकर वेरिफिकेशन उसी दिवस करवाना होगा। • वेरिफिकेशन के पश्चात प्रवेश फीस का भुगतान कर प्रवेश स्लिप प्रिंट कर आईटीआई में जमा करना होगा। • यदि कैंडिडेट द्वारा उपरोक्त प्रक्रिया को पूर्ण नहीं किया जाता है तो उनका अलॉटमेंट संस्था द्वारा अगले कार्यालयीन दिवस में दोपहर 02 बजे के पश्चात निरस्त कर रिक्त सीट अनुसार अन्य आवेदक को प्रवेश दिया जा सकेगा।	06.09.2023 से **23.09.2023**
प्रायवेट आईटीआई हेतु		
1.	निजी आईटीआई के लिए नवीन रजिस्ट्रेशन/च्वाईस फिलिंग/रजिस्ट्रेशन में त्रुटि सुधार/दस्तावेजों के वेरिफिकेशन (शासकीय आईटीआई में)/प्रवेश निरस्त आदि हेतु सभी ऑप्शन सहित पोर्टल पर कार्यालयीन समय में सुविधा खुली रहेगी। च्वाईस लॉक करने के पश्चात संशोधन किया जाना संभव नहीं है।	06.09.2023 से 23.09.2023

- प्रवेश के लिए आवेदकों हेतु नवीन रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया **www.dsd.mp.gov.in** पोर्टल पर प्रारंभ है।
- आवेदकों हेतु पोर्टल **www.dsd.mp.gov.in** के होम पेज पर रिक्त सीटों की जानकारी उपलब्ध करवाई गई है।
- आवेदक नवीन रजिस्ट्रेशन/रजिस्ट्रेशन में त्रुटि सुधार/च्वाईस फिलिंग, आदि के लिए नजदीकी शासकीय आईटीआई के हेल्पडेस्क पर भी संपर्क कर सकते हैं।
- विशेष आईटीआई (एकलव्य एवं अंबेडकर आईटीआई) में अनुसूचित जनजाति एवं अनुसूचित जाति के आवेदकों हेतु निःशुल्क आवास, भोजन सुविधा एवं रु. 1000/- प्रतिमाह छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है।

प्रवेश पोर्टल पर किसी भी प्रकार की समस्या होने पर संपर्क करें।

फोन नं. - 9171257462, 9174457462, 9111749057, ई-मेल - mpiticounseling@gmail.com

संयुक्त संचालक

जी-19314/49016/2023 **कौशल विकास संचालनालय, म.प्र.**

कार्यालय मुख्य अभियंता (भोपाल परिक्षेत्र)
लोक निर्माण विभाग, भोपाल (म.प्र.)

ईमेल :– cepwdcapital@mp.nic.in, दूरभाष/फैक्स क्रमांक :– 0755-2551403

निविदा सूचना

निविदा सूचना क्र. 42/सा/01/विविध/2019 (वर्ष 2023) **भोपाल, दिनांक : 31.08.2023**

निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट **https://mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है।

क्र. एवं कार्य का नाम :– 1. जिंजगांव से झाड़पा व्हाया सिंघखेडा मार्ग लं. 8.00 कि.मी.

टेण्डर क्रमांक	जिला	कार्य का प्रकार	आमंत्रण क्र.	कार्य की अनु. राशि (रु. लाख में)	रिमार्क
2023_PWDRB_300262_1	हरदा	प्लान	चतुर्थ	895.08	ईएमडी/समस्त दस्तावेज केवल ऑनलाइन प्रस्तुत किये जाने हैं।

क्र. एवं कार्य का नाम :– 2. गुठानिया सिरकम्बा से गहाल मार्ग निर्माण कार्य लं. 12.00 कि.मी.।

2023_PWDRB_300263_1	हरदा	प्लान	चतुर्थ	1016.99	ईएमडी/समस्त दस्तावेज केवल ऑनलाइन प्रस्तुत किये जाने हैं।

क्र. एवं कार्य का नाम :– 3. धुरवाड़ा जिंजगांव सिंघखेड़ा बालागांव मार्ग निर्माण कार्य लं. 12.00 कि.मी. का निर्माण।

2023_PWDRB_301738_1	हरदा	प्लान	चतुर्थ	1016.47	ईएमडी/समस्त दस्तावेज केवल ऑनलाइन प्रस्तुत किये जाने हैं।

क्र. एवं कार्य का नाम :– 4. झुंडगांव से झाडपा ब्रिज तक मार्ग लं. 3.00 कि.मी. का निर्माण।

2023_PWDRB_301740_1	हरदा	प्लान	चतुर्थ	549.22	ईएमडी/समस्त दस्तावेज केवल ऑनलाइन प्रस्तुत किये जाने हैं।

क्र. एवं कार्य का नाम :– 5. कंडोला से सुखरास व्हाया कलनुपर मार्ग का निर्माण कार्य लं. 8.00 कि.मी.।

2023_PWDRB_303638_1	हरदा	प्लान	चतुर्थ	677.56	ईएमडी/समस्त दस्तावेज केवल ऑनलाइन प्रस्तुत किये जाने हैं।
			योग -	**4155.32**	

उपरोक्त वेबसाइट ऑनलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने की **अंतिम तिथि 16.09.2023 (17.30) बजे** निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखा जा सकता है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

मुख्य अभियंता

जी-19288/49013/2023 **लोक निर्माण विभाग, भोपाल परिक्षेत्र भोपाल**

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
लोक निर्माण विभाग (भ/स) दमोह संभाग दमोह

E-mail : eepwddamoh@mp.nic.in, Phone : 07812-221405

निविदा प्रथम आमंत्रण सूचना

निविदा सूचना क्रमांक 10/2023-24/ **दमोह, दिनांक : 04.09.2023**

निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट **www.mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है।

क्र.	पोर्टल टेण्डर क्रमांक	कार्य का नाम	जिला	ठेके की अनुमानित राशि (लाख में)	अमानत राशि (रु. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने का समय (वर्षाकाल सहित)
1.	2023-24 PWDRB_304861	मार्ग उपसंभाग दमोह के अंतर्गत विभिन्न मार्गों पर बी.टी. रिन्युवल कार्य। (1) ओजस्वनी कॉलेज से बम्होरी छपरट मार्ग कि.मी. 1/2 से 5/2-4 (2) गुंजी नोनपानी मार्ग कि.मी. 1/2 से 6/2-4-6	दमोह	95.10	95100/-	12500/-	02 माह वर्षाकाल सहित
2.	2023-24 PWDRB_304862	हटा उपसंभाग के अंतर्गत विभिन्न मार्गों पर बी.टी. रिन्युवल कार्य। (1) बरी करेरा सादपुर मार्ग कि.मी. 1.00 से 4.00 (2) हारट बढ़ागांव बरतलाई चिकरधा देवरी डोली मार्ग कि.मी. 1.00 से 15.00 (3) काईखेड़ा से हरिजनटोला तिगरा मार्ग कि.मी. 1.00 से 7.00 (4) गैसाबाद अदनवाड़ा बलेह भैसा मार्ग कि.मी. 16.00 से 23.00 (5) मझगवां पतोल से इटवा सेमरा संतोष मार्ग कि.मी. 1/2 से 5/2-4-6	दमोह	378.87	378870/-	15000/-	03 माह वर्षाकाल सहित
3.	2023-24 PWDRB_304866	तेंदुखेड़ा उपसंभाग के अंतर्गत विभिन्न मार्गों पर बी.टी. रिन्युवल कार्य। (1) हथनी झापन मार्ग कि.मी. 13, 25, 26, 27, 29, 31, 32, 33, 34, 35 (2) तेंदुखेड़ा तारादेही मार्ग कि.मी. 6, 7, 9, 10, 12, 14, 17, 18, 20, 22, 23	दमोह	415.94	415940/-	15000/-	03 माह वर्षाकाल सहित

1. निविदा से संबंधित बिड डॉक्यूमेंट वेबसाइट **http://mptenders.gov.in** पर बिना भुगतान के देखे एवं डाउनलोड किये जा सकेंगे। 2. निविदा प्रपत्र का मूल्य ऑनलाइन पर क्रेडिट/डेबिट/कैशकार्ड/इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से भुगतान कर निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकेगा। 3. निविदा प्रपत्र केवल ऑनलाइन दिनांक 06.09.2023 समय 10:30 बजे से **दिनांक 18.09.2023 समय 05:30 बजे तक** खरीदा जा सकेगा। सूचना व अन्य जानकारी वेबसाइट पर देखी जा सकती है। 4. निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उपरोक्त वेबसाइट पर ही दर्ज किये जायेंगे, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

कार्यपालन यंत्री
लोक निर्माण विभाग (भ/स)

जी-19395/49031/2023 **दमोह संभाग, दमोह, मो.नं. : 9826503561**

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
लोक स्वास्थ्य यंत्री विभाग खण्ड सागर (म.प्र.)

दूरभाष : 07580-224269, E-mail : eephe_sagar@yahoo.co.in

क्र. 2382/निविदा प्रकोष्ठ/का.यं./लो.स्वा.यं./खण्ड, **सागर, दिनांक : 01.09.2023**

संक्षिप्त निविदा सूचना

मध्यप्रदेश के राज्यपाल की ओर से सागर जिले के लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग खण्ड सागर क्षेत्रांतर्गत ग्रामों में शत-प्रतिशत घरेलू नल कनेक्शन के माध्यम से जल प्रदाय हेतु नल जल योजना कार्य की ऑनलाइन निविदा **http://www.mptenders.gov.in दिनांक 12.09.2023 सायं 05.30 बजे तक** आमंत्रित की जाती है।

सं. क्र.	निविदा क्रमांक एवं दिनांक	ई-टेण्डर क्रमांक	ग्राम एवं विकासखण्ड का नाम	कार्य की अनुमानित लागत रुपये	धरोहर राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य रुपये में
1.	क्र. 44/ 01.09.2023	2023_ PHED_ 303753_1	1. BADARCHUAA 2. GOPALPURA 3. GUDAKHURD 4. GUGRIKHED 5. KUDPURA 6. MAHENDRA 7. SALAIYA 8. CHHEWALA 9. DIKUAA 10. DOBHI 11. JHINPINI 12. MAARPAN 13. MADALA 14. RAMGADA 15. SARRAKALA 16. MADHIYA BUJURG 17. PADARIYA 18. SANDAI Block - Rehli	413.58	413580/-	15000/-

निविदा में संशोधन ऑनलाइन ही देखे जा सकेंगे।

कार्यपालन यंत्री

जी-19379/49030/2023 **लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड सागर**

कार्यालय मुख्य अभियंता (भोपाल परिक्षेत्र)
लोक निर्माण विभाग, भोपाल (म.प्र.)

ईमेल :– cepwdcapital@mp.nic.in, दूरभाष/फैक्स क्रमांक :– 0755-2551403

निविदा सूचना

निविदा सूचना क्र. 43/सा/01/विविध/2019 (वर्ष 2013) **भोपाल, दिनांक : 02.09.2023**

निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट **https://mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेण्डर क्रमांक	जिला	कार्य का प्रकार	कार्य का नाम	आमंत्रण क्र.	कार्य की अनु. राशि (रु. लाख में)	रिमार्क
1.	2023_ PWDRB_ 304126_1	सीहोर (संभाग बुधनी)	प्लान	पिपलानी से खजूरपानी मार्ग लंबाई 7.50 कि.मी. का सड़क निर्माण कार्य।	प्रथम	720.34	ईएमडी/समस्त दस्तावेज केवल ऑनलाइन प्रस्तुत किये जाना है।
					योग -	**720.34**	

उपरोक्त वेबसाइट ऑनलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने की **अंतिम तिथि 16.09.2023 (17.30) बजे** निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखा जा सकता है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

मुख्य अभियंता

जी-19421/49032/2023 **लोक निर्माण विभाग, भोपाल परिक्षेत्र, भोपाल**

कार्यालय प्रमुख अभियंता, जल संसाधन विभाग, भोपाल

ईमेल - ceproc.encwrd.bpl@nic.in

फोन - 0755-2767635, फैक्स - 0755-2552406

निविदा सूचना क्रमांक - 1023/2023-24/प्रमुख अभियंता/ई-टेंडरिंग/ **भोपाल, दिनांक : 05.09.2023**

निम्न कार्यों हेतु निविदा वेबसाइट **https://www.mptenders.gov.in** पर आमंत्रित की गई है। निविदा प्रपत्र **दिनांक 25.09.2023** को 17.30 बजे तक क्रय/डाउनलोड तथा प्रस्तुत किए जा सकते हैं। निविदा में संशोधन की स्थिति में वेबसाइट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

स. क्र.	निविदा क्र.	कार्य	जिला	लागत (लाख)
1.	2023_WRD_ 304426	परीक्षा एवं पढावली पाइप लाइन लघु सिंचाई योजना का निर्माण कार्य।	भिण्ड	4552.13
2.	2023_WRD_ 304427	टर्न की पद्धति : छापर लघु सिंचाई योजना का निर्माण कार्य, विस्तृत स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार परंतु उस तक सीमित नहीं।	छतरपुर	1392.58
3.	2023_WRD_ 304518	बानसुजारा बांध की गैलरी में करटेन ग्राउटिंग का कार्य, 120 माह की अवधि के रखरखाव सहित।	टीकमगढ़	2909.40
4.	2023_WRD_ 304571	टर्न की पद्धति पर : हरपुरा फीडर विस्तार नहर परियोजना का निर्माण कार्य, विस्तृत स्कोप ऑफ वर्क परंतु उस तक सीमित नहीं।	छतरपुर	4297.49

जी-19452/49033/2023 **मुख्य अभियंता (प्रोक्योरमेंट)**

विकसित राज्य की श्रेणी की ओर बढ़ रहा है मध्यप्रदेश - श्री राजनाथ सिंह

नीमच, राजनीतिक क्षेत्र में संवेदनशीलता राज्य के विकास का आधार बनती है। मध्यप्रदेश में श्री शिवराज सिंह चौहान ने संवेदनशील मुख्यमंत्री के रूप में जनता का सेवक बनकर कार्य किया है। उनकी जनसेवा के कारण मध्यप्रदेश बीमारू राज्य की श्रेणी से बाहर आ चुका है और विकास की ओर बढ़ रहा है। ये बातें केंद्रीय रक्षामंत्री श्री राजनाथ सिंह ने नीमच में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहीं।

केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि वर्ष 2001-02 में मध्यप्रदेश का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 71 हजार 594 करोड़ रुपये था, जो आज 2023 में 13 लाख 22 हजार करोड़ रुपये से अधिक हो चुका है। इसी तरह बीस सालों में मध्यप्रदेश की प्रति व्यक्ति आय 11 हजार 718 रुपये से बढ़कर एक लाख 40 हजार रुपये अर्थात दस गुना बढ़ चुकी है। भारत की गरीबी को कम करने में मध्यप्रदेश का महत्वपूर्ण योगदान है। यह कमाल मध्यप्रदेश सरकार ने किया है। भारत की अर्थव्यवस्था में मध्यप्रदेश 4.8 प्रतिशत का योगदान दे रहा है। ऐसे योगदान से ही भारत दुनिया में पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है।

- **मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में 3200 करोड़ रुपये की नीमच-जावद सूक्ष्म सिंचाई योजना स्वीकृत करने की घोषणा की।**
- **इस योजना से मालवा क्षेत्र में बढ़ेगी सिंचाई सुविधाएं।**

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि ईश्वर से प्रार्थना है कि अच्छी बारिश हो और प्रदेश जो सूखे के द्वार पर खड़ा है, उससे उबर जाए। किसानों को संकट से निकाला जाएगा। मध्यप्रदेश को ऊर्जा उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाया गया है। किसानों के लिए पर्याप्त सिंचाई की व्यवस्था की गई है। किसानों को बिजली और पानी की कमी नहीं होने दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने पूर्व सरकार द्वारा जनता के प्रत्येक कार्य में पैसा न होने की बात की आलोचना करते हुए कहा कि नीमच, मंदसौर सहित प्रत्येक जिले में विकास के कार्य हुए हैं।

भोपाल में बनाया जायेगा सर्वसुविधायुक्त स्टेट मीडिया सेंटर

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान पत्रकार समागम कार्यक्रम को संबोधित करते हुए

भोपाल, लोकतंत्र के आधार स्तंभ के रूप में मीडिया प्रतिनिधियों का परिश्रम प्रशंसनीय है। पत्रकार साथी दिन-रात कार्य करते हैं। अनेक कठिनाइयों के बीच वे तथ्यों और समाचारों को जनता तक पहुंचाने का कार्य करते हैं। यही नहीं सरकार और अन्य सभी के लिए सेतु के रूप में भी उनकी भूमिका महत्वपूर्ण होती है। मीडिया के लिए मेरे मन में बहुत आदर का स्थान है। इस पत्रकार समागम में अनेक साथियों से भेंट हो रही है। जनसंपर्क विभाग छोटे शहरों और कस्बों के पत्रकारों को डिजिटल तकनीक प्रशिक्षण दिलवाने का कार्य भी करेगा। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल में आयोजित पत्रकार समागम कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहीं।

पत्रकार समागम में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, प्रिंट मीडिया, न्यू मीडिया के विभिन्न माध्यमों और सोशल मीडिया के अलग-अलग माध्यमों के प्रतिनिधि उपस्थित हुए। आकाशवाणी, दूरदर्शन से जुड़े प्रतिनिधियों और एफएम चैनल के प्रतिनिधि भी पत्रकार समागम में शामिल हुए।

अत्याधुनिक होगा स्टेट मीडिया सेंटर

मुख्यमंत्री ने कहा कि भोपाल के मालवीय नगर में पत्रकार भवन की भूमि वर्तमान में अनुपयोगी है। सभी की इच्छा है कि यहां नया भवन बने। इसे नया स्वरूप दिया जाएगा। नया भवन निर्मित किया जाएगा। नवनिर्मित भवन के साथ ही इसे स्टेट मीडिया सेंटर का दर्जा रहेगा। इसमें सभागार, पुस्तकालय, कैंटीन, सामान्य कक्ष सहित अन्य सुविधाएं होंगी। सेंटर में आधुनिक सुविधाएं भी उपलब्ध कराएंगे।

मुख्यमंत्री की घोषणाएं

- राजधानी के पत्रकार भवन की भूमि पर नए भवन का निर्माण किया जाएगा।
- बीमा कंपनी द्वारा प्रीमियम राशि में 27 प्रतिशत वृद्धि की गई थी। बढ़ी हुई राशि पत्रकारों को नहीं भरनी होगी। राज्य सरकार बढ़ी हुई राशि वहन करेगी। गत वर्ष की तरह ही पत्रकारों को प्रीमियम देना होगा।
- 65 वर्ष से अधिक उम्र के वरिष्ठ पत्रकारों को बीमा के लिए प्रीमियम राज्य सरकार द्वारा भरा जाएगा।
- बीमा योजना की अंतिम तिथि 16 सितंबर से बढ़ाकर 25 सितंबर की जाएगी।
- मध्यप्रदेश के वरिष्ठ एवं बुजुर्ग पत्रकारों को मासिक सम्मान निधि की राशि 10 हजार के स्थान पर 20 हजार रुपये होगी।
- सम्मान निधि प्राप्त करने वाले पत्रकार के अवसान की स्थिति में परिवार को आठ लाख रुपये की राशि प्रदान की जाएगी।
- मध्यप्रदेश के छोटे शहरों और कस्बों के पत्रकार साथियों की जरूरत के अनुसार उन्हें भोपाल में डिजिटल तकनीक का प्रशिक्षण दिलवाया जाएगा। इसके लिए जनसंपर्क विभाग आवश्यक व्यवस्थाएं करेगा। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय का सहयोग भी प्राप्त किया जाएगा।

सफलता की कहानी

सतना के पिथौराबाद में अमृत सरोवर से क्षेत्र की जल-क्षमता बढ़ी

सतना, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने देशभर में पंचायतों में अमृत सरोवर और पुष्कर सरोवर निर्माण की जो मुहिम चलाई थी, वह सतना जिले में साकार हो रही है। जिले में अमृत सरोवर निर्माण के लिये निर्धारित लक्ष्य के तहत 104 तालाबों का निर्माण पूरा किया जा चुका है।

जिले की जनपद पंचायत उचेहरा में ग्राम पंचायत पिथौराबाद में अमृत सरोवर तालाब तैयार किया गया है। सरोवर के बन जाने से क्षेत्र में जल संधारण क्षमता 28 हजार 500 घन मीटर तक बढ़ी है। सरोवर के निचले क्षेत्र में बसाहट होने से हैण्डपम्प और कुओं के जल-स्तर में सुधार हुआ है, जिससे पूरे साल जल-स्रोतों में पानी की उपलब्धता रहती है। इससे किसानों और मछुआरों को मछली-पालन और खेती में मदद मिल रही है।

आयुष विभाग ने किया स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार

भोपाल, आयुष विभाग ने आयुष पद्धतियों आयुर्वेद, यूनानी, होम्योपैथी और योग तथा प्राकृतिक चिकित्सा के माध्यम से प्रदेश में स्वास्थ्य सेवा का विस्तार किया है। पिछले 3 वर्षों में विभाग ने आयुर्वेद महाविद्यालय उज्जैन के प्रशासनिक एवं चिकित्सालय भवन, भोपाल एवं नरसिंहपुर में 50 बिस्तरीय चिकित्सालय भवन का निर्माण पूरा किया है। साथ ही आयुष चिकित्सा पद्धति के 29 औषधालय एवं 11 जिला आयुष कार्यालयों के भवनों का निर्माण पूरा किया गया है।

विभाग ने इस अवधि में 533 सीएचओ (आयुष कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर), 708 अंशकालीन योग प्रशिक्षक और सहायक की नियुक्ति भी की है।

आधुनिक खेती में देश में आगे निकला मध्यप्रदेश

भोपाल, मध्यप्रदेश ने कृषि क्षेत्र में मशीनों का उपयोग बढ़ाने के लिए 3 हजार 800 कस्टम हायरिंग केन्द्रों का मजबूत नेटवर्क तैयार कर खेती में बड़ा बदलाव ला दिया है। किसानों ने 2018-19 से अब तक पिछले पाँच वर्षों में एक लाख 23 हजार ट्रैक्टर खरीदे हैं, जो प्रदेश में कृषि यंत्रीकरण के प्रति किसानों की रुचि को दर्शाता है। यही नहीं राज्य सरकार कस्टम हायरिंग केन्द्रों को भी प्रोत्साहित कर रही है, जिन्हें सहकारी समितियां, स्व-सहायता समूह, निजी और ग्रामीण उद्यमियों द्वारा संचालित किया जाता है, ताकि छोटे और मझौले किसानों को कृषि यंत्रों की सुविधा आसानी से मिल जाये।

किसानों के कौशल उन्नयन के लिए कार्यशालाएं

किसानों को कस्टम हायरिंग सेंटर का लाभ देने और किराये पर उपलब्ध कृषि मशीनों के बारे में जागरूक करने के लिए प्रदेश में एक सतत अभियान चल रहा है। कस्टम हायरिंग सेंटर पर किसानों के ज्ञान और कौशल में सुधार करने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम और कार्यशालाएं आयोजित की जा रही हैं। कौशल विकास केंद्र भोपाल, जबलपुर, सतना, सागर, ग्वालियर, और इंदौर में चल रहे हैं।

- **मध्यप्रदेश में वर्ष 2012 में कस्टम हायरिंग सेंटर की हुई थी पहल।**
- **वर्ष 2014 में केन्द्र सरकार ने इसे अपनाया।**
- **इन सेंटरों में किसानों को किराये पर मिल रही हैं मशीनें।**
- **इन केन्द्रों में मशीनें चलाने के लिए ग्रामीण युवाओं को किया जा रहा है प्रशिक्षित।**

कृषि मेकेनाइजेशन के मॉडल

कस्टम हायरिंग सेंटर इस उद्देश्य के साथ बनाए गए हैं कि वे 10 किलोमीटर के आस-पास के दायरे में करीब 300 किसानों को सेवाएं दे सकें। इन केन्द्रों की सेवाओं को ज्यादा से ज्यादा लाभकारी बनाने के लिए केंद्रों की संख्या को सीमित रखा गया है। उत्तरप्रदेश सहित अन्य राज्यों में इस मॉडल का परीक्षण किया जा रहा है।

बाणसागर बांध की मरम्मत के लिये राशि स्वीकृत

भोपाल, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री श्री रामखेलावन पटेल के प्रयासों से बाणसागर बांध परियोजना के आरवीसी एवं एलवीसी स्लूस गेट और रेडियल गेटों के पानी रिसाव को रोकने के लिये राज्य शासन ने 26 करोड़ 62 लाख रुपये की मंजूरी दे दी है। इसके साथ ही अमरपाटन क्षेत्र की 3 सड़कों के निर्माण के लिये करीब 8 करोड़ 58 लाख रुपये की मंजूरी दी गई है। राज्य शासन की स्थाई समिति की 250वीं बैठक में इन सड़कों के निर्माण की मंजूरी दी गई है। श्री पटेल ने बताया कि सतना जिले के अमरपाटन क्षेत्र के समग्र विकास के लिये कोई कसर छोड़ी नहीं जायेगी।

फसल उत्पादन के पैटर्न को बदलें किसान

सीहोर, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने सीहोर के औद्योगिक क्षेत्र बड़ियाखेड़ी में आईटीसी कम्पनी की कुल 1500 करोड़ रुपये के निवेश से स्थापित होने वाली दो इकाइयों- इंटीग्रेटेड फूड मेन्यूफैक्चरिंग एंड लॉजिस्टिक्स फैसिलिटी और सस्टेनेबल पैकेजिंग प्रोडक्ट्स मेन्यूफैक्चरिंग फैसिलिटी का शिलान्यास किया। ये दोनों इकाइयां 57 एकड़ में लगेंगी। इससे 5000 लोगों को रोजगार मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि खेती में मध्यप्रदेश ने देश के सभी राज्यों को पीछे छोड़ दिया है। मध्यप्रदेश ने डेढ़ दशकों तक 18 प्रतिशत की कृषि विकास दर प्राप्त कर चमत्कार किया है। फसल नुकसान से बचने के लिए फसल उत्पादन के पैटर्न को बदलना होगा। परंपरागत फसलों के साथ-साथ व्यावसायिक फसलों जैसे औषधीय फसलों का उत्पादन भी आवश्यक है।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान औद्योगिक इकाइयों के कार्यक्रम को संबोधित करते हुए

- **किसानों को फसल का अच्छा दाम और युवाओं को रोजगार का साधन उपलब्ध कराया जा रहा है।**
- **प्रदेश में खेती पर आधारित उद्योग लगाने का निरंतर प्रयास किया जा रहा है।**

श्री चौहान ने कहा कि खरीफ की फसल में अधिकतर सोयाबीन और धान ही लगाते हैं और कई बार एक फसल पर संकट आने से किसान को नुकसान होता है।

इस फूड प्लांट में आईटीसी के विश्वस्तरीय भारतीय ब्रांड जैसे देश का नंबर-1 आटा ब्रांड आशीर्वाद, सनफीस्ट बिस्कुट और यिप्पी नूडल्स का उत्पादन होगा, जबकि माल्डेड फाइबर प्रोडक्ट्स प्लांट सस्टेनेबल पैकेजिंग के क्षेत्र में नए मानक बनाएगा।

संकल्प सुरक्षित पर्यटन अभियान को एक संस्थागत स्वरूप दिया जाएगा

भोपाल, संकल्प सुरक्षित पर्यटन अभियान को एक संस्थागत स्वरूप दिया जाएगा। जिससे यह सतत रूप से संचालित होता रहे और पर्यटन के क्षेत्र में महिलाओं के लिए रोजगार के अवसर उत्पन्न हों। यह बात प्रमुख सचिव पर्यटन और संस्कृति एवं प्रबंध संचालक टूरिज्म बोर्ड श्री शिव शेखर शुक्ला ने भोपाल में आयोजित एक कार्यशाला को संबोधित करते हुए कही।

प्रमुख सचिव ने कहा कि महिलाओं हेतु सुरक्षित पर्यटन स्थल परियोजना प्रदेश में महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है। यह प्रदेश में महिलाओं के प्रति संवेदनशीलता और पर्यटकों के भीतर सुरक्षा की भावना विकसित करेगा।

श्री शुक्ला ने कहा कि परियोजना में महिलाओं को पर्यटन सखी के रूप में गाइड, ड्राइवर, शेफ, नौका चालक, होटल एक्जीक्यूटिव, सुविनियर उत्पादक आदि कौशल में प्रशिक्षित किया जा रहा है। आगामी समय में प्रशिक्षित महिलाओं की म्यूजियम गाइड, सुरक्षा बंदोबस्त, मंदिर प्रबंधन आदि महत्वपूर्ण कार्यों में सेवाएं ली जाएंगी।

केन्द्रीय मंत्रालय महिला-बाल विकास विभाग द्वारा 'निर्भया योजना' में इस परियोजना को स्वीकृति दी गई है। परियोजना का संचालन मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड द्वारा यूएन वूमेन, महिला एवं बाल विकास, नगरीय विकास एवं आवास विभाग और पुलिस बल के सहयोग से किया जा रहा है।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

दीनदयाल रसोई की थाली पांच रुपये में मिलेगी

भोपाल, दीनदयाल रसोई योजना के अंतर्गत अब 10 रुपये के स्थान पर 5 रुपये की थाली उपलब्ध कराई जाएगी। मजदूरों को कार्य-स्थल के पास ही किफायती दर पर भोजन उपलब्ध करने के लिए नगरीय क्षेत्रों में शीघ्र ही चलित रसोइयां आरंभ की जाएंगी। प्रदेश के सभी नगरीय निकायों को इस योजना में कवर किया जाएगा। प्रदेश की जिन 90 नगर पंचायतों की आबादी 20 हजार से अधिक है, वहां भी दीनदयाल रसोई योजना आरंभ की जाएगी। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल में दीनदयाल रसोई योजना के तीसरे चरण का शुभारंभ कर प्रदेश की 66 नगरपालिकाओं में स्थाई रसोई केंद्रों का वर्चुअल शुभारंभ करते हुए कहीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह गरीब कल्याण की दृष्टि से ऐतिहासिक दिन है। पं. दीनदयाल उपाध्याय का मानना था कि दरिद्र ही नारायण है और दीन-दुखियों की सेवा ही भगवान की सेवा है। इसीलिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमारी सरकार गरीब कल्याण के लिए अनेक योजनाएं संचालित कर रही है। धरती के संसाधनों पर सभी का हक है और गरीब को उनके अधिकार देना हमारा कर्तव्य है।

श्री चौहान ने कहा कि हमारा मानना है कि धरती पर जो आया है, उसके रहने के लिए जमीन होनी चाहिए। गांव में मुख्यमंत्री भू-अधिकार योजना के अंतर्गत गरीबों को पट्टे दिए जा रहे हैं। शहरों में भी कोई व्यक्ति रहने की जमीन के बिना नहीं रहेगा। शहरों में 23 हजार एकड़ भूमि, माफिया से मुक्त करवाई गई है, जिस पर सुराज कॉलोनियां विकसित की जा रही हैं। अधिक से अधिक परिवारों को आवास उपलब्ध कराए जाएं इस उद्देश्य से मल्टी स्टोरी बनाने की व्यवस्था भी की गई है। वर्ष 2020 तक के कब्जाधारियों को पट्टा उपलब्ध कराने का अभियान आरंभ किया गया है, उन्हें मकान भी दिए जाएंगे। प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत जिनके नाम छूट गए हैं, उन गरीब वंचितों को आवास उपलब्ध कराए जाएंगे।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान दीनदयाल रसोई योजना के तीसरे चरण का शुभारंभ करते हुए

- **दीनदयाल अंत्योदय रसोई योजना से अब तक 2 करोड़ 25 लाख से अधिक लोग हुए लाभान्वित।**
- **यह योजना वर्ष 2017 में शुरू की गई थी, पहले चरण में 56 दीनदयाल रसोई केंद्र खोले गए।**
- **द्वितीय चरण में इन केंद्रों की संख्या बढ़ाकर 100 की गई।**

गरीब कल्याण की सर्वांगीण व्यवस्था

मुख्यमंत्री ने कहा कि गरीब कल्याण के लिए राज्य सरकार सर्वांगीण व्यवस्था कर रही है। राशन, आवास के लिए जमीन व मकान, भोजन के लिए दीनदयाल रसोई, इलाज के लिए आयुष्मान कार्ड, वरिष्ठ जन के लिए तीर्थ-दर्शन योजना, पढ़ाई के लिए विभिन्न प्रोत्साहन, शहरों में रैन बसेरे की व्यवस्था और गरीबों के मेधावी बच्चों के लिए मुख्यमंत्री मेधावी विद्यार्थी योजना चलाई जा रही है। गरीब का कोई बेटा-बेटी धन के अभाव में पढ़ाई से वंचित नहीं होगा।

'खेलो एमपी यूथ गेम्स' 2023
चार चरणों में आयोजित होंगी खेल प्रतियोगिताएं

भोपाल, मध्यप्रदेश में खेलों के प्रति युवाओं को जागरूक करने, खेल को सर्व सुलभ बनाने, ग्रामीण एवं आदिवासी क्षेत्रों के प्रतिभावान खिलाड़ियों की पहचान और उन्हें खेलों की तकनीकी पद्धति से प्रशिक्षण प्रदान करने के लिये प्रदेश में कई अभिनव पहल की जा रही है। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल में हुए खेलो इण्डिया यूथ गेम्स की सफलता के बाद घोषणा की थी कि प्रदेश में 'खेलो एमपी यूथ गेम्स' का आयोजन किया जाएगा।

खेलो एमपी यूथ गेम्स का आयोजन प्रदेश के सभी 52 जिलों के 313 विकासखण्डों में किया जाएगा। यूथ गेम्स 4 चरणों, ब्लॉक, जिला, संभाग एवं राज्य स्तर पर किया जाएगा। ब्लॉकस्तरीय चयन स्पर्धा 12 से 14 सितंबर, जिला स्तरीय प्रतियोगिता 16 से 18 सितंबर, संभागस्तरीय 20 से 23 सितंबर तथा राज्यस्तरीय खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन 24 से 28 सितंबर तक होगा। राज्य स्तर पर प्रदेश के 8 संभाग भोपाल, ग्वालियर, इंदौर, जबलपुर, रीवा, सागर, उज्जैन एवं शहडोल की टीमें सहभागिता करेंगी। 24 खेलों में राज्यस्तरीय प्रतियोगिताएं प्रदेश के 7 शहर भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, शिवपुरी, उज्जैन, रीवा एवं जबलपुर में किये जाएंगे।

मध्यप्रदेश में गरीबों और पिछड़ों के कल्याण तथा सम्मान के लिए कार्य हुए हैं - श्री शाह

मंडला, मध्यप्रदेश को बीमारू से बेमिसाल राज्य बनाने का अदभुत कार्य हुआ है। इसके लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के प्रयास महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने गरीबों और पिछड़ों के कल्याण और सम्मान का कार्य करते हुए मध्यप्रदेश को विकसित राज्य बनाने की दिशा में लगातार कार्य किया है। जनजातीय विकास में मध्यप्रदेश पेसा कानून को जमीन पर उतारने वाला पहला राज्य बना है। मध्यप्रदेश में जनजातीय सम्मेलन में की गई घोषणाओं को पूरा किया गया है। ये बातें केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने मंडला जिले में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहीं।

श्री अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ऐसे प्रधानमंत्री हैं, जिन्हें विश्व के सर्वाधिक नागरिक सम्मान मिले हैं। यह व्यक्ति का नहीं संपूर्ण राष्ट्र और समस्त

- **मध्यप्रदेश में किसानों को किसान सम्मान निधि का दिया जा रहा है लाभ।**
- **जल जीवन मिशन के तहत मध्यप्रदेश के 60 लाख परिवारों को मिल रहा है पेयजल।**
- **आयुष्मान भारत योजना के तहत प्रदेश में 3 करोड़ 60 लाख हितग्राहियों को मिला नि:शुल्क उपचार का लाभ।**

नागरिकों का सम्मान है। प्रधानमंत्री श्री मोदी भारत को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कार्य कर रहे हैं। जो देश पूर्व सरकार के समय विश्व में 11वें नंबर पर था, अब 5वीं बड़ी अर्थव्यवस्था है। चहुंओर विकास हो रहा है। सर्जिकल स्ट्राइक से शत्रु के घर घुसकर नियंत्रण की कार्रवाई की गई। प्रधानमंत्री का स्पष्ट मत है कि भारत की सीमा और सेना के साथ कोई छेड़खानी न करें।

जनजातीय आबादी का हित-संरक्षण

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश में जनजातीय विकास के क्षेत्र में विशेष कार्य हुआ है। साक्षरता में मंडला जिला उपलब्धि प्राप्त कर रहा है। पूर्व सरकार जल, जंगल, जमीन के अधिकार देने के स्थान पर तुष्टिकरण में लगी थी। हमारी सरकार ने दलितों, पिछड़ों, अनुसूचित जातियों और जनजातियों का कल्याण किया है।

मध्यप्रदेश में जनजातीय नायकों का सम्मान- मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि हम किसानों और जनता को अवर्षा के संकट से पार निकालकर ले जाएंगे। मध्यप्रदेश में पेसा एक्ट लागू करने सहित जनजातीय समाज के हित में की गई सभी घोषणाओं को पूरा किया गया है। मंडला में राजा हृदय शाह के नाम से मेडिकल कॉलेज का नामकरण होगा।

मध्यप्रदेश के मंडला और सबरवानी ग्राम को रिस्पॉन्सिबल टूरिज़्म में मिलेंगे अवॉर्ड

भोपाल, मध्यप्रदेश ने एक बार फिर इंटरनेशनल सेंटर फॉर रिस्पॉन्सिबल टूरिज्म (आईसीआरटी) के रिस्पॉन्सिबल टूरिज्म अवॉर्ड्स 2023 में अपना परचम लहराया है। टूरिज्म बोर्ड के ग्रामीण पर्यटन परियोजना अंतर्गत दो ग्राम, पन्ना के मंडला और छिंदवाड़ा के सबरवानी को आईसीआरटी (इंटरनेशनल सेंटर फॉर रिस्पांसिबल टूरिज्म) द्वारा विभिन्न श्रेणियों में उत्कृष्ट योगदान के लिए निर्धारित अवॉर्ड से नवाजा जाएगा। प्रमुख सचिव पर्यटन और संस्कृति एवं प्रबंध संचालक मध्यप्रदेश पर्यटन श्री शिव शेखर शुक्ला ने हर्ष जताते हुए ग्रामीण परियोजना विकास में प्रासरत सभी अधिकारियों और सहभागी संस्थाओं को बधाई दी है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि सभी के एकजुट प्रयासों से मध्यप्रदेश को विश्व के प्रमुख पर्यटन स्थलों में अग्रणी बनायेंगे।

श्री शुक्ला ने बताया कि मंडला का सार्थक संबंधों के लिए सर्वश्रेष्ठ और स्थानीय सोर्सिंग, शिल्प और भोजन के लिए सर्वश्रेष्ठ श्रेणी में नामांकन किया गया था। वहीं सबरवानी का प्रकृति के लिए सर्वोत्तम-सकारात्मक पर्यटन श्रेणी में नामांकन किया गया था।

आगामी 30 सितंबर को नई दिल्ली में बीएलटीएम ट्रेड शो के दौरान समारोह में सम्मानित किया जायेगा। यह अवॉर्ड भारतीय उप महाद्वीप क्षेत्र के लिए प्रदान किया गया है।

पुरस्कार की 6 श्रेणियां

- प्लास्टिक कचरे के निपटान के लिए सर्वोत्तम।
- बेस्ट फॉर मीनिंगफुल कनेक्शन।
- स्थानीय सोर्सिंग, शिल्प और भोजन के लिए सर्वश्रेष्ठ।
- जलवायु परिवर्तन को संबोधित करना।
- विविधता और समावेशन के लिए सर्वश्रेष्ठ।
- प्रकृति-सकारात्मक पर्यटन के लिए सर्वोत्तम।

एक दशक में मध्यप्रदेश में सौर ऊर्जा क्षमता में हुआ 11 गुना इज़ाफा

भोपाल, मध्यप्रदेश में निरंतर प्रयासों के परिणामस्वरूप पिछले दशक में नवकरणीय ऊर्जा क्षमता 11 गुना बढ़ी है। यह राज्य की स्थापित क्षमता का लगभग 24 प्रतिशत है। सौर ऊर्जा क्षमता 52 प्रतिशत बढ़ी है। वर्तमान में एक हजार मेगावॉट क्षमता के सौर पार्क संचालित हैं और 1778 मेगावॉट के पार्क जल्द ही शुरू हो जायेंगे।

इनमें एक हजार मेगावॉट क्षमता की सोलर पार्क परियोजनाएं, 250 मेगावॉट मंदसौर सोलर पार्क, 750 मेगावॉट रीवा सोलर पार्क शामिल हैं, रीवा मेगा पार्क को नवाचारी प्रयासों की वजह से कई पुरस्कार मिलो। इसने प्रति इकाई 2.97 रुपये की न्यूनतम मूल्य दर हासिल की। इसे विश्व बैंक के प्रेसीडेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया।

वर्तमान में 1778 मेगावॉट क्षमता की सौर ऊर्जा परियोजनाओं में 1500 मेगावॉट की आगर मालवा, शाजापुर और नीमच सोलर पार्क और 500 मेगावॉट की नीमच पार्क परियोजना शामिल हैं। भविष्य की परियोजनाओं में विश्व के सबसे बड़े ओंकारेश्वर जलाशय में 600 मेगावॉट फ्लोटिंग का सोलर पार्क शामिल है। इससे साल के अंत तक पूरी तरह से उत्पादन शुरू हो जायेगा।

इसके अलावा प्रदेश में 3350 मेगावॉट क्षमता की परियोजनाओं में 1400 मेगावॉट की मुरैना और 450 मेगावॉट की छतरपुर पार्क और बीरसिंहपुर जलाशय, इंदिरा सागर जलाशय और गांधीसागर जलाशय में 1500 मेगावॉट की फ्लोटिंग सोलर परियोजनाएं शामिल हैं।

मुकुन्दपुर व्हाइट टाइगर सफारी को बनायें सफेद बाघों का ब्रीडिंग सेंटर

सतना, जनसंपर्क मंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने महाराजा मार्तण्ड सिंह व्हाइट टाइगर सफारी मुकुन्दपुर में बटरफ्लाई पार्क का लोकार्पण किया। श्री शुक्ल ने 3 करोड़ रुपये की लागत से बनाये जा रहे रेप्टाइल पार्क का भूमिपूजन भी किया। पार्क में 12 किस्मों के सांप रखे जायेंगे। श्री शुक्ल ने दिल्ली से प्राप्त सफेद बाघ को व्हाइट टाइगर सफारी स्थित बाड़े में छोड़ा। श्री शुक्ल ने कहा कि सफारी में सफेद बाघ के रूप में नया मेहमान आया है। ग्वालियर से शीघ्र ही सफेद बाघों का नया जोड़ा मिलने की उम्मीद है। व्हाइट टाइगर सफारी को सफेद बाघों का ब्रीडिंग सेंटर बनाने की दिशा में वन विभाग के विशेषज्ञ लगातार प्रयास कर रहे हैं।

जनसंपर्क मंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल मुकुन्दपुर में बटरफ्लाई पार्क का लोकार्पण करते हुए

जनसंपर्क मंत्री ने कहा कि व्हाइट टाइगर सफारी की स्थापना वर्ष 2016 में की गयी थी तब से लगातार इसका विकास और विस्तार किया जा रहा है। इसमें लगभग 250 वन्य-प्राणी हैं। सफारी के निर्माण के बाद विन्ध्य में 46 सालों के बाद सफेद बाघों की वापसी हुई। इसके विकास के लिए लगातार प्रयास किये जाते रहेंगे।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

मध्यप्रदेश विकास का पॉवर स्टेशन बन रहा है - श्री नितिन गडकरी

खंडवा, मध्यप्रदेश ग्रीन हाइड्रोजन तैयार करने वाला देश का पहला राज्य होगा। प्रदेश ने ऊर्जा क्षेत्र में बेहतर कार्य किया है। मध्यप्रदेश निरंतर उन्नति एवं विकास की ओर बढ़ रहा है। परिवहन नेटवर्क ने प्रदेश की तस्वीर बदल दी है। ये बातें केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी ने खंडवा जिले में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहीं।

श्री गडकरी ने कहा कि 18 हजार करोड़ रुपये की लागत से इंदौर से हैदराबाद हाइवे का निर्माण जारी है। खंडवा, खरगोन, बुरहानपुर, इच्छापुर, जलगांव से नांदेड़ होते हुए हैदराबाद जाने वाले मार्ग पर इंदौर से खंडवा के बीच 34 किलोमीटर में दो टनल और तीन वाइडेक्ट का निर्माण किया जाएगा। इस मार्ग से इंदौर से ओंकारेश्वर एक घंटे में और इंदौर से बुरहानपुर दो घंटे में पहुंचा जा सकेगा। खंडवा बायपास के लिए देशगांव से सुधी तक का काम अक्टूबर में आरंभ हो जाएगा और सुधी से तुलार फाटा की फिजिबिलिटी रिपोर्ट प्रस्तुत करने के आदेश दे दिए गए हैं, रिपोर्ट के आने पर आगे के कार्य के लिए गंभीरता से विचार किया जाएगा।

केन्द्रीय सड़क परिवहन मंत्री ने कहा कि देश में गांव, गरीब और मजदूर का कल्याण हमारी सरकार की प्राथमिकता है। पिछले सात साल में सात बार कृषि के क्षेत्र

- **स्मार्ट सिटी की तर्ज पर स्मार्ट विलेज भी किये जायेंगे विकसित।**
- **मध्यप्रदेश में योजनाबद्ध तरीके से 80 प्रतिशत खेतों को सिंचाई सुविधा से जोड़ा जा रहा है।**

में मध्यप्रदेश देश में पहले स्थान पर आया है। यह उपलब्धि मुख्यमंत्री श्री चौहान के नेतृत्व और मार्गदर्शन में संभव हुई है। सिंचाई क्षेत्र बढ़ाने और उत्पादन बढ़ाने से गांव सम्पन्न और समृद्ध हुए हैं। एक समय बीमारू कहा जाने वाला मध्यप्रदेश देश में विकासशील राज्य के रूप में स्थापित हुआ है। यह हर हाथ को काम और हर खेत को पानी का लक्ष्य रखकर कार्य करने से ही संभव हुआ है।

मध्यप्रदेश में सिंचाई व्यवस्था है मजबूत - मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि केन्द्रीय मंत्री श्री नितिन गडकरी ने असंभव को संभव करके दिखाया है। उनकी पहल और मार्गदर्शन से प्रदेश सहित सम्पूर्ण देश को विश्व स्तरीय सड़कें उपलब्ध हुई हैं। पिछली सरकार ने सड़क, पानी, बिजली की तरफ ध्यान नहीं दिया। हमारी सरकार ने योजना बनाकर प्रदेश के 80 प्रतिशत खेतों को सिंचाई सुविधा से जोड़ा है। नहर ही नहीं पाइप से भी सिंचाई व्यवस्था की जा रही है।

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रथम सोलर सिटी ....

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सांची और देश के इतिहास में एक महत्वपूर्ण अध्याय जुड़ा है। सांची के पास नागौरी में तीन मेगावॉट क्षमता की सौर परियोजना के फलस्वरूप सांची सोलर सिटी बनी है। निकट भविष्य में गुलगांव में पांच मेगावॉट की सौर परियोजना स्थापित होगी।

लोक स्वास्थ्य एवं कल्याण मंत्री श्री प्रभुराम चौधरी ने कहा कि सांची जो बौद्ध स्तूप के लिए प्रसिद्ध था अब सोलर सिटी के रूप में जाना जाएगा। प्रमुख सचिव ऊर्जा श्री संजय दुबे ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने वर्ष 2020 में सोलर सिटी विकसित करने का आह्वान किया था। सांची एक आदर्श सोलर सिटी की पहचान बनाएगा।

प्रो. चेतन की रही मुख्य भूमिका

सांची में आयोजित सोलर सिटी लोकार्पण कार्यक्रम में आईआईटी मुम्बई के प्रो. चेतन सिंह सोलंकी भी उपस्थित थे। जिन्होंने इंटरनेशनल सोलर मिशन में सक्रिय भूमिका निभाई है।

मुख्यमंत्री की घोषणाएं

- रायसेन में मेडिकल कॉलेज स्वीकृत किया जाएगा।
- सांची में नगर पंचायत भवन का निर्माण होगा।
- सांची में महाराणा प्रताप की प्रतिमा स्थापित होगी।
- सांची में अहिरवार धर्मशाला के विकास में सहयोग दिया जाएगा।
- सांची क्षेत्र में विकास कार्यों के लिए 2 करोड़ रुपये की विशेष निधि मंजूर की जाएगी।
- पूर्व सरकार द्वारा स्वीकृत सांची नगर पंचायत क्षेत्र के दो मार्ग जो नहीं बन सके थे, उनका निर्माण करवाया जाएगा।
- रायसेन जिला पंचायत भवन के निर्माण का कार्य होगा।
- रायसेन जिले के सलामतपुर में सीएम राइज स्कूल स्वीकृत किया जाएगा।

इंदौर बना ....

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने राष्ट्रीय कार्यक्रम में पुरस्कार प्राप्त करने वाले नगरों को बधाई दी और कहा कि वायु शुद्ध रखने के लिए किए गए कार्य आगामी पीढ़ियों को सुरक्षित रखने का प्रयास है। सभी प्रदेश स्वस्थ प्रतिस्पर्धा करते हुए मानव कल्याण की दिशा में कार्य करते रहेंगे। मध्यप्रदेश के पर्यावरण संरक्षण और वायु की शुद्धता के लिए प्रयास निरंतर जारी रहेंगे क्योंकि यह गतिविधियां मानवता के कल्याण की दिशा में भी योगदान देती हैं।

केन्द्रीय पर्यावरण मंत्री श्री भूपेन्द्र यादव ने कहा कि 15 अगस्त, 2020 को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने देश के सभी लोगों को स्वच्छ वायु सुनिश्चित करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता व्यक्त की थी। उन्होंने स्वस्थ और उत्पादक जीवन का आश्वासन देते हुए समग्र दृष्टिकोण के माध्यम से 100 से अधिक शहरों में वायु गुणवत्ता में सुधार करने के उद्देश्य और योजना की घोषणा की थी।

इन शहरों को भी मिला पुरस्कार

राष्ट्रीय स्वच्छ वायु सर्वेक्षण-2023 में इंदौर ने देश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। देश के 10 दस लाख से अधिक जनसंख्या वाले शहरों में अव्वल रहने पर इंदौर को एक करोड़ 10 लाख रुपये का प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ है। इसके साथ ही भोपाल को 5वां, जबलपुर को 13वां और ग्वालियर को 41वां स्थान प्राप्त हुआ है। 3 लाख से 10 लाख तक की जनसंख्या वाले शहरों में सागर को देश में 10वां और 3 लाख से कम आबादी वाले शहरों में देवास को छटवां स्थान प्राप्त हुआ है। राष्ट्रीय कार्यक्रम में 10 लाख से अधिक आबादी वाले शहरों की श्रेणी में आगरा को द्वितीय, ठाणे (महाराष्ट्र) को तृतीय और तीन से दस लाख आबादी की श्रेणी में अमरावती को प्रथम, मुरादाबाद को द्वितीय, गुंटूर को तृतीय पुरस्कार मिला। तीन लाख से कम आबादी की श्रेणी में हिमाचल प्रदेश के परवानू को प्रथम और काला अंब को द्वितीय तथा उड़ीसा के अंगुल को तृतीय पुरस्कार दिया गया।

महिला स्व-सहायता समूह ....

वहीं, वराहमिहिर आजीविका संकुल स्तरीय संगठन कायथा, उज्जैन, कायथा टोल प्लाजा का प्रबंधन करेगा। प्रगति सामुदायिक महिला आजीविका संगठन छतरपुर में संजयनगर टोल का प्रबंधन संभालेगा। यह ऐतिहासिक पहल मध्यप्रदेश कैबिनेट के निर्णय के कारण संभव हो सकी है जिसके अनुसार 2 करोड़ रुपये तक कलेक्शन वाले टोल प्लाजा का प्रबंधन महिला स्व-सहायता समूहों को दिया जाएगा ताकि उन्हें आर्थिक रूप से मजबूत किया जा सके।

कार्य के दायरे को बढ़ाने की पहल

श्री चौहान ने महिलाओं को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि वे उत्साह, आत्मविश्वास व सकारात्मकता से काम करें और दुनिया को दिखाएं कि महिलाएं किसी भी गतिविधि में पीछे नहीं हैं। यह महिलाओं द्वारा किए जाने वाले कार्यों के दायरे को बढ़ाने की पहल है। टोल-प्लाजा संचालन से महिलाएं जितनी राशि संग्रहित करेंगी, उसका 30 प्रतिशत बहनों को मिलेगा। मेरी कामना है कि आप टोल प्लाजा का सफल संचालन करें और स्व-सहायता समूहों से जुड़ी हर बहन लखपति हो।

क्या है एम.ओ.यू. में

समझौते के अनुसार, टोल प्लाजा का प्रबंधन करने वाले महिला समूह को टोल कलेक्शन का 30 प्रतिशत मिलेगा बाकी का हिस्सा एमपीआरडीसी को मिलेगा। कैबिनेट निर्णय के तुरंत बाद, समूह के सदस्यों को मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा प्रशिक्षण दिलाया गया। टोल प्लाजा प्रबंधक राजेश पाण्डेय ने उन्हें टोल प्लाजा प्रबंधन के तकनीकी पहलू के बारे में प्रशिक्षित किया। यदि टोल कलेक्शन 2 करोड़ रुपये से अधिक होता है तो यह कार्य एमपीआरडीसी करेगा। टोल कलेक्शन राशि को हर दिन संयुक्त बैंक खाते में जमा किया जाएगा। टोल कलेक्शन राशि को पहले इंटरनेट, बिजली, पानी जैसी टोल प्लाजा की अन्य प्रशासनिक व्यवस्थाओं में खर्च किया जाएगा।

मध्यप्रदेश में बहनों के सशक्तिकरण की हो रही सामाजिक क्रांति - मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान उज्जैन में लाड़ली बहना सम्मेलन को संबोधित करते हुए

उज्जैन, मध्यप्रदेश में बहनों के सशक्तिकरण के लिये सामाजिक क्रांति हो रही है। मेरी जिंदगी का मकसद है बहनों के चेहरे पर मुस्कुराहट लाना। मैं किसी बहन को दुखी नहीं रहने दूंगा। बड़नगर की जनता ने जो प्यार मुझे और विश्वास दिया है, उस विश्वास को कभी नहीं टूटने दूंगा। बहनों की जिंदगी खुशहाल बनाने के लिये हरसंभव प्रयास करूंगा। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने उज्जैन जिले के बड़नगर में लाड़ली बहना सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहीं।

- **मुख्यमंत्री ने बड़नगर में 150 करोड़ रुपये के विभिन्न कार्यों का किया लोकार्पण एवं भूमिपूजन।**
- **राज्य सरकार महिलाओं की कम से कम आय 10 हजार रुपये महीना करने के लिये प्रयासरत।**

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में बहन-बेटियों को सशक्त करने के कार्य निरंतर किये जा रहे हैं। लाड़ली लक्ष्मी योजना, मुख्यमंत्री कन्या विवाह-निकाह योजना और अब लाड़ली बहना योजना ने समाज में बहनों की स्थिति को बहुत मजबूत कर दिया है। अब बेटियां बोझ नहीं वरदान बन गई हैं। प्रदेश में 21 वर्ष आयु की बहनों और ट्रेक्टर वाले परिवारों की बहनों के नाम जुड़ जाने के बाद अब लाड़ली बहनों की संख्या एक करोड़ 32 लाख हो गई है। जो बहनें छूट गई हैं, उनके नाम भी जोड़े जायेंगे।

श्री चौहान ने कहा कि लाड़ली बहना योजना की राशि अब 1250 रुपये कर दी गई है। इसे धीरे-धीरे बढ़ाकर 3000 रुपये तक किया जायेगा। अब बहनों को अपनी छोटी-छोटी आवश्यकताओं के लिये परेशान नहीं होना पड़ता है।

आयुष आपके द्वार योजना

मैदानी अमला घर-घर उपलब्ध करा रहा है चिकित्सा सेवाएं

भोपाल, मध्यप्रदेश में एक अगस्त से शुरू की गई आयुष आपके द्वार योजना में आयुष विभाग का मैदानी अमला घर-घर पहुंचकर नागरिकों को चिकित्सा सेवा उपलब्ध करा रहा है। आयुष आपके द्वार योजना 30 सितम्बर तक निरंतर संचालित होगी। आयुष संचालनालय ने विभाग के जिलाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किये हैं।

यह योजना बरसात के मौसम में होने वाली बीमारियों से जन-सामान्य के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभाव को ध्यान में रखते हुए संचालित की जा रही है। भोपाल जिले में आयुर्वेद, होम्योपैथी और यूनानी चिकित्सा के 28 औषधालयों की टीम जिलेभर में भ्रमण कर रही हैं। गठित टीमें विशेष रूप से हाट-बाजार के दिन नागरिकों को साफ-सफाई और बीमारियों से बचाव के उपायों की जानकारी दे रही हैं। नागरिकों को आवश्यकता अनुसार दवाइयों का निःशुल्क वितरण भी किया जा रहा है। गठित टीमों ने जिले के स्कूल और कॉलेज में भी विद्यार्थियों को मलेरिया, डेंगू और डिहाइड्रेशन से बचाव की जानकारी दी। बच्चों को स्वस्थ और पौष्टिक आहार लेने के बारे में भी बताया गया।

योग और आयुष क्योर एप

आयुष विभाग की टीम नागरिकों को योग के फायदों के बारे में भी जानकारी दे रही है। नियमित योगाभ्यास के लिये नजदीक के आयुष हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर में भी जाने की सलाह दी जा रही है। आयुष विभाग ने भारतीय चिकित्सा पद्धति के विशेषज्ञों की टेली-मेडिसिन के माध्यम से जोड़ा है। नागरिक एप को अपलोड कर विशेषज्ञों की सलाह ले सकते हैं।

बुरहानपुर के किसान खेती-बाड़ी में कर रहे हैं ड्रोन टेक्नोलॉजी का उपयोग

बुरहानपुर जिले में किसान अपने खेतों में कीटनाशक दवा का छिड़काव करने में ड्रोन टेक्नोलॉजी का उपयोग कर रहे हैं। इस टेक्नालॉजी के उपयोग से किसानों को समय की बचत के साथ अन्य परेशानियों से भी छुटकारा मिला है।

बुरहानपुर के किसान कड़ू मेहरा उन किसानों में शामिल हैं, जिन्होंने ड्रोन टेक्नोलॉजी का उपयोग किया है। कड़ू मेहरा बताते हैं कि उनके पास ढाई एकड़ का खेत है। उन्होंने गन्ना फसल पर कीटनाशक दवाई का ड्रोन के माध्यम से सफलता से छिड़काव किया है। ड्रोन तकनीक से कीटनाशक छिड़काव से श्रमिक, श्रम और समय की बचत होती है। उन्होंने जिले के अन्य किसानों से भी अपील की है कि वे अपने-अपने खेतों में कीटनाशक दवाई का छिड़काव ड्रोन के माध्यम से करें।

उप संचालक किसान-कल्याण एवं कृषि विकास श्री एम.एस. देवके ने बताया कि बुरहानपुर जिले में किसानों को ड्रोन से कीटनाशक दवाई छिड़काव करने के लिये प्रोत्साहित किया जा रहा है। उद्देश्य यह है कि किसान आधुनिक तकनीक से रूबरू हो सकें। एक एकड़ फसल में ड्रोन से छिड़काव करने में मात्र 10 मिनट का समय लगता है। यदि कोई किसान ड्रोन खरीदना चाहता है, तो उसे कस्टम हायरिंग योजना से मदद दी जायेगी। साथ ही ड्रोन चलाने का प्रशिक्षण प्राप्त करने में सहायता दी जायेगी।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

महिला रोबोट व्योममित्र

मिशन गगनयान के तहत अंतरिक्ष की सैर करेगी

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) अगले वर्ष चांद पर महिला रोबोट व्योममित्र को भेजेगा। अंतरिक्ष में इंसानों को भेजने का ट्रॉयल करने के लिए इसरो गगनयान मिशन को लॉन्च करने की तैयारी पूरी कर चुका है। इस मिशन के दूसरे पड़ाव के लिए महिला रोबोट व्योममित्र का चयन किया गया है। व्योममित्र अंतरिक्ष में इंसानों की तरह काम करेगी। यह गगनयान के क्रू मॉड्यूल को पढ़ेगी और जरूरी निर्देशों को समझेगी। इसके जरिए ही इसरो इंसानों को अंतरिक्ष में भेजने की तैयारी कर सकेगा।

गीतिका श्रीवास्तव

पाकिस्तान में भारतीय उच्चायोग का प्रभार संभाला

भारतीय विदेश मंत्रालय में संयुक्त सचिव (इंडो-पैसिफिक) के पद पर तैनात गीतिका श्रीवास्तव इस्लामाबाद में भारतीय उच्चायोग में चार्ज डी एफेयर का पद संभालने वाली पहली महिला राजनयिक बन गयी हैं। ज्ञात रहे कि हाल ही में पाकिस्तान की तरफ से भारत में उच्चायोग के लिए साद वाराइच का नाम तय किया गया था। इसके जवाब में भारत ने भी इस्लामाबाद में भारतीय उच्चायोग के लिए गीतिका का चयन किया।

नेपच्यून ग्रह के

वायुमंडल में मिला काला धब्बा

यूरोपीय ऑब्जर्वेटरी के वेरीलार्ज टेलीस्कोप की मदद से खगोलविदों ने पहली बार पृथ्वी से नेपच्यून ग्रह के वायुमंडल में एक काले धब्बे की खोज की है। नेचर एस्ट्रोनॉमी में प्रकाशित अध्ययन में प्रमुख खोजकर्ता प्रोफेसर पैट्रिक इर्विन ने बताया कि यह धब्बे हवा में मौजूद कणों के होने से नेपच्यून की मूल वायुमंडलीय परत के नीचे गहरे रंग के होते जा रहे हैं। हालांकि इससे पहले नासा के वॉयजन-2 ने 1989 में नेपच्यून पर काला धब्बा देखा था, लेकिन कुछ सालों बाद यह गायब हो गया।

स्पेसएक्स रॉकेट से

4 देशों के 4 अंतरिक्ष यात्री ISS रवाना

चार देशों के चार अंतरिक्ष यात्री स्पेसएक्स के रॉकेट से अंतर्राष्ट्रीय स्टेशन के लिए रवाना हो गए है। केनेडी स्पेस सेंटर से अमेरिका की एक अंतरिक्ष यात्री के साथ डेनमार्क, जापान और रूस के अंतरिक्ष यात्रियों ने उड़ान भरी। यह अमेरिका का पहला प्रक्षेपण है, जिसमें अंतरिक्ष यान की हर सीट पर अलग-अलग देश के अंतरिक्ष यात्री बैठे थे। इससे पहले तक नासा, स्पेसएक्स यान में दो या तीन अंतरिक्ष यात्रियों को शामिल करता था।

उर्वशी रौतेला ने

क्रिकेट विश्व कप 2023 ट्रॉफी का अनावरण किया

प्रसिद्ध बॉलीवुड अभिनेत्री उर्वशी रौतेला ने क्रिकेट विश्वकप 2023 ट्रॉफी का अनावरण किया। पेरिस, फ्रांस के एफिल टॉवर की पृष्ठभूमि में आईसीसी विश्वकप ट्रॉफी का रंगारंग समारोह पूर्वक अनावरण किया गया। उर्वशी ट्रॉफी का अनावरण करने वाली बॉलीवुड की पहली अभिनेत्री बन गयी हैं।

लेजर गन

रूस ने किया सफल परीक्षण

रूस ने एक लेजर गन का सफल फील्ड परीक्षण किया और विभिन्न प्रकार के कई ड्रोन नष्ट कर दिए। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार मानव रहित हवाई वाहनों को नष्ट करने के लिए डिजाइन किए गए लड़ाकू लेजर का रूस के सैन्य प्रशिक्षण मैदानों में से एक में सफल परीक्षण किया गया है। जानकारी के अनुसार विमान और क्वाड्रोकॉप्टर दोनों प्रकार के ड्रोन को लेजर के जरिए नष्ट कर दिया गया है।

श्वेता शारदा

मिस दिवा यूनिवर्स बनीं

चंडीगढ़ की श्वेता शारदा मिस दिवा सुपर नेशनल प्रतियोगिता में मिस दिवा यूनिवर्स चुनी गई। वह 72वीं मिस यूनिवर्स प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। मिस दिवा यूनिवर्स 2022 दिविता राय ने श्वेता को ताज पहनाया। श्वेता शारदा टेलीविजन कार्यक्रमों में बतौर नृत्य कलाकार, कोरियोग्राफर के रूप में शामिल हो चुकी हैं।

नजला मंगीश

लीबिया में विदेश मंत्री निलंबित

लीबिया के प्रधानमंत्री ने विदेश मंत्री नजला मंगीश को निलंबित कर दिया। उन्होंने यह कदम इजराइल की विदेश मंत्री एली कोहेन के उस बयान के बाद उठाया जिसमें उन्होंने नजला से रोम में मुलाकात की बात कही थी। कोहेन और नजला की बैठक की खबर के कारण लीबिया के कई शहरों में सड़कों पर विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया था। यही प्रदर्शन नजला के निलंबन का कारण बना।

हंटिंगटन लाइब्रेरी

बदबूदार फूल देखने पहुंच रहे लोग

अमेरिका के कैलिफोर्निया में हंटिंगटन लाइब्रेरी बोटेनिकल गार्डेंस में दुनिया का सबसे बड़ा बदबूदार फूल खिला है। अमोरफोफालस टाइटनम प्रजाति का यह फूल 2.43 मीटर लंबा है। सड़े मांस की बदबू वाला यह फूल सिर्फ 3 दिन तक खिलता है। जैसे ही इस फूल के खिलने की जानकारी मिली इसे देखने लोगों की भीड़ जमा होने लगी।

सुपर ब्लू मून

अद्भुत खगोलीय घटना घटी

रक्षाबंधन पर हैदराबाद सहित कई जगहों पर दुर्लभ खगोलीय घटना घटी। इस दिन आसमान में फुल मून, सुपर मून और ब्लू मून एक साथ दिखाई दिए। इसे सुपर ब्लू मून कहा जाता है। इस दिन चंद्रमा प्रतिदिन की अपेक्षा 14 प्रतिशत बड़ा और ज्यादा चमकदार दिखाई दिया। अब अगला सुपर ब्लू मून 13 साल बाद 2037 में दिखाई देगा। गौरतलब है कि एक ही माह में दूसरी बार सुपर मून दिखाई देता है तब उसे ब्लू मून कहते हैं।

ध्रुव धनराज बहल

भारत पे के सीबीओ ने इस्तीफा दिया

भारत पे के चीफ बिजनेस ऑफिसर (सीबीओ) ध्रुव धनराज बहल ने चार साल बाद अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। वे कंपनी में 2020 में शामिल हुए थे। भारत पे के अनुसार ध्रुव एंट्रेप्रेन्योरशिप के जुनून को आगे बढ़ने के लिए भारत पे से हट रहे हैं। वह भारत पे का अभिन्न अंग रहे हैं और उन्होंने कंपनी को ऊंचाई देने में अहम् योगदान दिया है।

नीना सिंह को

सीआईएसएफ डीजी का अतिरिक्त प्रभार मिला

वर्ष 1989 बैच की आईपीएस अधिकारी नीना सिंह को सीआईएसएफ महानिदेशक का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है, क्योंकि बल के सेवारत प्रमुख शील वर्धन सिंह 31 अगस्त को सेवानिवृत्त हो गए हैं। राजस्थान कैडर की नीना सिंह वर्तमान में सीआईएसएफ के मुख्यालय में विशेष डीजी के पद पर तैनात हैं।

डॉक्टर के. सिवन

इंदौर आईआईटी बोर्ड के चेयरमैन बने

इसरो के पूर्व चीफ डॉक्टर के. सिवन को इंदौर आईआईटी के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स का नया चेयरमैन नियुक्त किया गया है। आईआईटी इंदौर के निदेशक के अनुसार सिवन का कार्यकाल 3 वर्ष का है। आईआईटी इंदौर ने इसी साल बीटेक स्पेस टेक्नोलॉजी शुरू किया है और स्पेस साइंस में रिसर्च चल रही है। ऐसे में डॉ. सिवन अब छात्रों को विशेषज्ञता हासिल करने में मदद करेंगे।

आर. माधवन

भारतीय फिल्म और टेलीविजन इंस्टीट्यूट के अध्यक्ष नियुक्त

अभिनेता आर. माधवन भारतीय फिल्म और टेलीविजन संस्थान के नए अध्यक्ष होंगे। केंद्रीय सूचना प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने यह घोषणा की है। हाल ही में उनकी फिल्म 'रॉकेट्री द नंबी इफेक्ट' ने सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म का राष्ट्रीय पुरस्कार जीता है। 53 वर्षीय माधवन ने अध्यक्ष पद पर नियुक्त होने पर सरकार का आभार जताते हुए कहा कि वे इस पद के साथ न्याय करेंगे।

थर्मन शनमुगरत्नम

सिंगापुर के नए राष्ट्रपति बने

भारतवंशी थर्मन शनमुगरत्नम सिंगापुर के ऐवें राष्ट्रपति बन गए हैं। सिंगापुर के चुनाव विभाग की ओर से उन्हें विजयी घोषित किया गया। विजय के बाद शनमुगरत्नम ने कहा कि सिंगापुर के मतदाताओं को सही फैसला करने के लिए धन्यवाद। भारतीय मूल के 66 वर्षीय थर्मन पहले सिंगापुर सरकार में 2011 से 2019 तक उप प्रधानमंत्री रहे हैं। ज्ञात रहे कि वर्तमान राष्ट्रपति हलीमा याकूब का कार्यकाल 13 सितंबर को समाप्त हो रहा है।

मेजर जनरल इग्नाटियस डेलोस

सैन्य नर्सिंग सेवा की अतिरिक्त महानिदेशक बनीं

मेजर जनरल इग्नाटियस डेलोस फ्लोरा ने सैन्य नर्सिंग सेवा (एमएनएस) की अतिरिक्त महानिदेशक का कार्यभार संभाला। सुश्री फ्लोरा स्कूल ऑफ नर्सिंग, आर्मी हॉस्पिटल दिल्ली कैंट की पूर्व छात्र रही हैं जिसका नाम अब कॉलेज ऑफ नर्सिंग, आर्मी हॉस्पिटल (आर एंड आर) है। उन्हें वर्ष 1985 में एमएनएस में कमीशन प्राप्त हुआ और 1986 में उन्होंने कमांड अस्पताल वायु सेना, बैंगलोर में मिडवाइफरी का प्रशिक्षण पूरा किया। उच्च अध्ययन जारी रखते हुए, उन्होंने 1995 में कॉलेज ऑफ नर्सिंग, एएफएमसी, पुणे से पीसीबीएससी नर्सिंग पूरा किया। अपने 38 वर्षों के शानदार कैरियर में, जनरल ऑफिसर ने सशस्त्र बल चिकित्सा सेवा अस्पतालों में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर काम किया, जिनमें जेडीएमएनएस (प्रशिक्षण एवं एचएस), पूर्वी कमान, डीपीएम आईएनएचएस अश्विनी, प्रिंसिपल मैट्रन एआईसीटीएस पुणे, उत्तरी कमान मुख्यालय में ब्रिगेडियर एमएनएस शामिल हैं।

क्लेवर कॉटिन्हो

भारतवंशी ब्रिटेन में ऊर्जा मंत्री नियुक्त

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने भारतीय मूल की क्लेवर कॉटिन्हो को ऊर्जा मंत्री नियुक्त किया है। क्लेवर कॉटिन्हो को प्रधानमंत्री सुनक का करीबी सहयोगी माना जाता है। क्लेवर ने ग्रांट शाप्स की जगह ली है।

जया वर्मा सिन्हा

रेलवे बोर्ड की पहली महिला अध्यक्ष बनीं

केंद्र सरकार ने जया वर्मा सिन्हा को रेलवे बोर्ड की पहली महिल सीईओ एवं अध्यक्ष नियुक्त किया है। वह अनिल कुमार लाहोटी की जगह नियुक्त हुई हैं। रेलवे बोर्ड, राष्ट्रीय ट्रांसपोर्टर के लिए निर्णय लेने वाली शीर्ष संस्था है। वे 2024 तक पद पर रहेंगी। उन्होंने अपना पदभार ग्रहण कर लिया है।

स्मृति शेष

बॉलीवुड फिल्मों के एडिटर संजय वर्मा का निधन

बॉलीवुड के मशहूर फिल्म एडिटर संजय वर्मा का निधन हो गया। उन्होंने खून भरी मांग, कोई मिल गया और कहो ना प्यार है, जैसी कई सुपरहिट फिल्मों की एडिटिंग की थी। उन्होंने कहो ना प्यार है के लिए फिल्मफेयर पुरस्कार जीता था।

पूर्व क्रिकेटर हीथ स्ट्रीक का निधन

जिम्बाब्वे के पूर्व कप्तान 49 वर्षीय हीथ स्ट्रीक का निधन हो गया। वे लंबे समय से बीमार थे। उन्होंने टेस्ट में 216 और वनडे में 239 विकेट लिए हैं। उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास के बाद आईपीएल और बांग्लादेश एवं जिम्बाब्वे टीम को कोचिंग भी दी।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

कार्यालय कार्यपालन यंत्री (भवन)

लोक निर्माण विभाग, तहसील कैम्पस सागर, म.प्र.

एनआईटी नं. - 23/2023/केन्द्रीयकृत निविदा आमंत्रण/सा/एपीडी/ सागर, दिनांक 28.08.2023

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा पंजीकृत ठेकेदारों अथवा पंजीयन हेतु उपयुक्त पात्रता वाली प्रतिष्ठित फर्म से आमंत्रण की जाती है :-

स.क्र. एवं कार्य का नाम :- 1. बीना जिला सागर में सी.एम. राईज अंतर्गत शासकीय मॉडल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में निर्माण कार्य। (प्रथम आमंत्रण)

पोर्टल टेंडर क्र.	जिला	ठेके की अनुमानित राशि (पीएसी) (रु. लाख में)	अमानत राशि (ईएमडी) (रु. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में)	कार्य पूर्ण करने का समय (माह में वर्षाकाल सहित)	कार्यालय का नाम जहां तकनीकी बिड भौतिक रूप से सत्यापित जावेगी
2023_PWPIU_303251_1	सागर	2929.75	1464876	50000/-	18 माह	मुख्य अभियंता भवन लोक निर्माण विभाग परिक्षेत्र जबलपुर
स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 2. बीना जिला सागर में विधि महाविद्यालय निर्माण कार्य। (प्रथम आमंत्रण)						
2023_PWPIU_303249_1	सागर	605.17	605173	20000/-	16 माह	मुख्य अभियंता भवन लोक निर्माण विभाग परिक्षेत्र जबलपुर
स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 3. खुरई जिला सागर में पॉलीटेक्निक कॉलेज निर्माण कार्य। (प्रथम आमंत्रण)						
2023_PWPIU_303247_1	सागर	591.59	591589	20000/-	16 माह	मुख्य अभियंता भवन लोक निर्माण विभाग परिक्षेत्र जबलपुर

1. निविदा से संबंधित बिड डॉक्यूमेंट वेबसाइट **http://mptenders.gov.in** पर बिना भुगतान के देखे एवं डाउनलोड किये जा सकेंगे।
2. निविदा प्रपत्र का मूल्य ऑनलाइन पोर्टल पर क्रेडिट/डेबिट/कैशकार्ड/इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से भुगतान कर निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकेगा।
3. निविदा प्रपत्र केवल ऑनलाइन दिनांक 31.08.2023 समय 10.30 से **दिनांक 15.09.2023** समय 17.30 तक खरीदा जा सकेगा। सूचना व अन्य जानकारी वेबसाइट पर देखी जा सकती है।
4. निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उपरोक्त वेबसाइट पर ही दर्ज किये जायेंगे, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

कार्यपालन यंत्री (भवन)
जी-19264/49014/2023 लोक निर्माण विभाग संभाग सागर

कार्यालय कार्यपालन यंत्री

ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग ग्वालियर (म.प्र.) पिन-474011

जिला पंचायत कैंपस ठाठीपुर ग्वालियर कार्यालय फोन नं. 0751-2232466

Email ID - eeresgwalior@mp.gov.in

क्रमांक 2101/ग्रायांसे/ई-निविदा/2023 ग्वालियर, दिनांक : 29.08.2023

संक्षिप्त ई-निविदा आमंत्रण सूचना - 02/RES/DIV/GWL/2023-24

निम्नलिखित कार्यों हेतु म.प्र. सरकार के केन्द्रीयकृत ई-पंजीयन प्रणाली में पंजीकृत अथवा अन्य समकक्ष/समतुल्य श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से प्रतिशत दर पर ऑनलाइन निविदा आमंत्रित की जाती है। कार्यों का विवरण इस प्रकार है :-

कार्य क्र.	टेण्डर आई.डी. क्रमांक	कार्य का नाम/स्थल	कार्य की अनु. लागत (लाख में)	समयावधि (वर्षाकाल सहित)	निविदा का आमंत्रण
1.	2023_RES_302984_1	ग्रेवल रोड निर्माण घुरैया कोठी से इटावली वालों के पुरा के रोड तक ग्राम एवं ग्राम पंचायत राई जनपद पंचायत मुरार जिला ग्वालियर पिनकोड-474006 RES SOR inforced from date 11.04.2022 with upto date ammendment	4.129	03 माह	प्रथम
2.	2023_RES_302991_1	ग्रेवल रोड निर्माण गणेश पुरा से इटावली वालों के पुरा तक ग्राम पंचायत राई जनपद पंचायत मुरार जिला ग्वालियर पिनकोड-474006 RES SOR inforced from date 11.04.2022 with upto date ammendment	7.630	04 माह	प्रथम

रु. 1175929/- (रु. ग्यारह लाख पचहत्तर हजार नौ सौ उनतीस मात्र)

1. विस्तृत निविदा सूचना विवरण वेबसाइट **https://mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है।
2. निविदा प्रपत्र दिनांक 12.09.2023 समय 10.30 AM से **20.09.2023** समय 5.30 PM तक केवल ऑनलाइन क्रय एवं सबमिट किये जा सकेंगे।
3. यदि निविदा में कोई संशोधन किया जाता है तो सिर्फ Web Portal **https://mptenders.gov.in** पर ही Publish किया जावेगा, समाचार पत्रों में प्रकाशित नहीं किया जावेगा।

कार्यपालन यंत्री
जी-19316/49017/2023 ग्रा.यां. सेवा संभाग ग्वालियर

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए महत्वपूर्ण प्रश्न

सामान्य ज्ञान - खेल

1. वर्ष 2023 में वर्ल्ड बैडमिंटन चैम्पियनशिप किस देश में आयोजित की गई है।
(अ) इटली
(ब) जिम्बाब्वे
(स) फिलीपींस
(द) डेनमार्क

2. इनमें से किस बल्लेबाज ने आईपीएल-2023 में सबसे ज्यादा रन बनाए हैं।
(अ) शुबमन गिल
(ब) ऋतुराज गायकवाड़
(स) फाफ डूप्लेसिस
(द) जोस बटलर

3. भारत ने वर्ष 1975 में किस खिलाड़ी की कप्तानी में एफआईएच हॉकी वर्ल्डकप का खिताब जीता था।
(अ) असलम शेर खान
(ब) अजित पाल सिंह
(स) अशोक कुमार
(द) सुरजीत सिंह

4. वन-डे अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में एक पारी में सबसे बड़ा स्कोर बनाने वाली महिला क्रिकेटर हैं।
(अ) बेलिंडा क्लार्क
(ब) शार्लेट एडवर्ड्स
(स) एमिलिया केर
(द) इनमें से कोई नहीं

5. कैरोलिना गार्सिया किस देश की दिग्गज महिला टेनिस खिलाड़ी हैं।
(अ) सर्बिया
(ब) फ्रांस
(स) ऑस्ट्रेलिया
(द) ग्रीस

6. ओलिंपिक चैम्पियन जिम्नास्ट सिमोन बाइल्स किस देश की दिग्गज खिलाड़ी हैं।
(अ) ब्रिटेन
(ब) जापान
(स) अमेरिका
(द) ऑस्ट्रेलिया

7. महेश भूपति किस खेल में भारत के दिग्गज खिलाड़ी रह चुके हैं।
(अ) फुटबॉल
(ब) बैडमिंटन
(स) कुश्ती
(द) टेनिस

8. एलोर्डा कप किस खेल से संबंधित एक प्रतियोगिता है।
(अ) मुक्केबाजी
(ब) टेनिस
(स) हॉकी
(द) बैडमिंटन

9. इनमें से कौन सा खिलाड़ी निशानेबाजी खेल से संबंधित नहीं है।
(अ) सौरभ चौधरी
(ब) ओजस देवताले
(स) मेराज अहमद खान
(द) ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर

10. इनमें से किस देश ने सबसे ज्यादा बार फीफा फुटबॉल वर्ल्डकप जीते हैं।
(अ) इटली
(ब) अर्जेंटीना
(स) ब्राजील
(द) जर्मनी

11. विश्व के दिग्गज फुटबॉलर हैरी केन अंतर्राष्ट्रीय फुटबॉल में किस देश के लिए खेलते हैं।
(अ) इंग्लैंड
(ब) जर्मनी
(स) स्वीडन
(द) कोलंबिया

12. इनमें से किस खिलाड़ी के नाम सबसे कम उम्र में विम्बलडन टाइटल जीतने का रिकॉर्ड दर्ज है।
(अ) कार्लोस अल्काराज
(ब) राफेल नडाल
(स) ब्योन बोर्ग
(द) बोरिस बेकर

13. रॉबर्टो मेनसिनी किस देश की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम के कोच नियुक्त किए गए हैं।
(अ) इटली
(ब) न्यूजीलैंड
(स) सऊदी अरब
(द) इनमें से कोई नहीं

14. इनमें से किस गेंदबाज ने टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लिए हैं।
(अ) जेम्स एंडरसन
(ब) अनिल कुंबले
(स) स्टुअर्ट ब्रॉड
(द) मुथैया मुरलीधरन

15. इनमें से कौन वर्तमान समय में भारतीय पुरुष हॉकी टीम का कप्तान है।
(अ) सरदार सिंह
(ब) विवेक सागर प्रसाद
(स) हरमनप्रीत सिंह
(द) मंदीप सिंह

16. दिग्गज फॉर्मूला वन कार रेसर वाल्टेरी बोटास किस देश के खिलाड़ी हैं।
(अ) ऑस्ट्रिया
(ब) फिनलैंड
(स) नीदरलैंड
(द) कनाडा

17. विंटर ओलिंपिक खेल 2022 में किस देश ने सबसे ज्यादा पदक जीते हैं।
(अ) नॉर्वे
(ब) चीन
(स) अमेरिका
(द) जापान

18. टेबल टेनिस किस देश का राष्ट्रीय खेल है।
(अ) कनाडा
(ब) भूटान
(स) आयरलैंड
(द) चीन

19. इनमें से किस खेल के खेल परिसर को वेलोड्रम कहा जाता है।
(अ) गोल्फ
(ब) साइक्लिंग
(स) फॉर्मूला वन
(द) बैडमिंटन

20. इनमें से किस क्लब ने फ्रांस की फुटबॉल प्रतियोगिता लीग-1 का खिताब जीता है।
(अ) पेरिस सेंट जर्मेन
(ब) मार्सिले
(स) लियोन
(द) सेंट एटिने

21. अब तक कितने भारतीय क्रिकेटरों को आईसीसी हॉल ऑफ फेम में जगह मिल चुकी है।
(अ) पांच
(ब) सात
(स) आठ
(द) दस

22. भारतीय खिलाड़ी यूकी भांबरी किस खेल के दिग्गज खिलाड़ी हैं।
(अ) टेनिस
(ब) हॉकी
(स) मुक्केबाजी
(द) टेबल टेनिस

23. इनमें से कौन भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष हैं।
(अ) सौरव गांगुली
(ब) रोजर बिन्नी
(स) सुनील गावस्कर
(द) चेतन शर्मा

24. सुल्तान अजलान शाह कप हॉकी प्रतियोगिता का आयोजन किस देश में किया जाता है।
(अ) भारत
(ब) पाकिस्तान
(स) कजाकिस्तान
(द) मलेशिया

25. इनमें से किस देश ने वर्ष 2020 में यूएफा यूरो कप का खिताब जीता था।
(अ) इटली
(ब) इंग्लैंड
(स) जर्मनी
(द) स्पेन

उत्तर

1. (द), 2. (अ), 3. (ब), 4. (स), 5. (ब), 6. (स), 7. (द), 8. (अ), 9. (ब), 10. (स), 11. (अ), 12. (द), 13. (स), 14. (द), 15. (स), 16. (ब), 17. (अ), 18. (द), 19. (ब), 20. (अ), 21. (ब), 22. (अ), 23. (ब), 24. (द), 25. (अ)

- पुष्पेंद्र कुमार सविता
(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी वाले विषयों पर लेखन करते हैं।)

जॉब अलर्ट

सेंट्रल रेलवे

पद का नाम - अप्रेंटिस
पदों की संख्या - 2409
आवेदन - ऑनलाइन
अंतिम तिथि - 28 सितंबर 2023
वेबसाइट - www.rrccr.com

इंडियन कोस्ट गार्ड

पद का नाम - असिस्टेंट कमांडेंट
पद संख्या - 46
आवेदन - ऑनलाइन
अंतिम तिथि - 15 सितंबर, 2023
वेबसाइट - joinindiancoas+guard.cdac.in/

असम पुलिस

पद का नाम - सब-इंस्पेक्टर और अन्य
पद संख्या - 332
आवेदन - ऑनलाइन
अंतिम तिथि - 15 सितंबर, 2023
वेबसाइट - www.slpvbassam.in

टीआईएसएस

पद का नाम - फील्ड इन्वेस्टिगेटर और अन्य
पद संख्या - 113
अंतिम तारीख - 19 सितंबर, 2023
वेबसाइट - www.tiss.edu/

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया

पद का नाम - अप्रेंटिस (एसबीआई अप्रेंटिस रिक्रूटमेंट)
पदों की संख्या - 6160
आवेदन - ऑनलाइन
अंतिम तिथि - 21 सितंबर, 2023
वेबसाइट - https://ibpsonline.ibps.in/sbiaaug23

नाबार्ड

पद का नाम - असिस्टेंट मैनेजर
पद संख्या - 150
आवेदन - ऑनलाइन
अंतिम तिथि - 23 सितंबर, 2023
वेबसाइट - www.nabart.org

एडमिशन अलर्ट

नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, दिल्ली

पाठ्यक्रम का नाम - बीए - एलएलबी (ऑनर्स) पांच वर्षीय, एलएलएम (एक वर्षीय), पीएच.डी. प्रोग्राम।
योग्यता - बीए,एलएलबी कोर्स में प्रवेश के लिए किसी भी स्ट्रीम से 45 प्रतिशत अंकों के साथ 12वीं उत्तीर्ण होना चाहिए। एलएलएम के लिए 50 प्रतिशत अंकों से एलएलबी या समकक्ष।
अंतिम तिथि - 13 नवंबर 2023
वेबसाइट-https://nationallawuniversitydelhi.in

भारत सरकार द्वारा संचालित स्टडी वेब्स ऑफ एक्टिव लर्निंग फॉर यंग एस्पायरिंग माइंड्स (स्वयं) प्लेटफार्म

पाठ्यक्रम का नाम - स्वयं पर उपलब्ध ऑनलाइन सर्टिफिकेशन कोर्स (जनवरी 2023 सेमेस्टर के लिए)
योग्यता - पाठ्यक्रमानुसार
अंतिम तिथि - 20 सितंबर, 2023 (ऑनलाइन आवेदन)
वेबसाइट - https://syayam.nta.ac.in

स्कॉलरशिप/इंटर्नशिप/ पुरस्कार अलर्ट

विविध जनजातीय सम्मान

विभाग का नाम - जिला संयोजक/सहायक आयुक्त जनजातीय विकास कार्यालय
सम्मान का नाम - रानी दुर्गावती सम्मान, वीर शंकर शाह - रघुनाथ शाह सम्मान, टक्कर बापा सम्मान, जन नायक टंट्या भील सम्मान, बादल भोई सम्मान, जनगण श्याम सम्मान।
अंतिम तिथि - 11 सितंबर 2023
योग्यता - निर्देशानुसार
वेबसाइट - https://www.tribal.mp.gov.in
नोट - जिन्होंने पूर्व में उक्त सम्मानों के लिए आवेदन किया है, उन्हें पुनः आवेदन करने की आवश्यकता नहीं है।

मीराबॉर्ड यॉट रेसिंग इमेज 2023

संस्थान का नाम - मैक्सकॉम कम्युनिकेशन ऑर्गेनाइजेशन
योग्यता - इसमें ऐसे प्रोफेशनल फोटोग्राफर्स आवेदन कर सकते हैं जिनकी तस्वीरें नियमित छपती हैं।
विषय - बोट रेसिंग
इसमें यॉट रेसिंग से लेकर विंड सर्फिंग और काइट सर्फिंग जैसी तस्वीरें भेजी जा सकती हैं। एक ही फोटो भेजना है।
पुरस्कार राशि - इसमें मीराबॉर्ड यॉट रेसिंग इमेज अवॉर्ड विजेता को एक हजार यूरो (89 हजार रुपये) दिये जाएंगे। साथ ही पब्लिक अवॉर्ड और डेलिगेट्स अवॉर्ड विजेता को 500 यूरो मिलेंगे।
अंतिम तिथि - 8 अक्टूबर
वेबसाइट - www.yachtracingimage.com

भारतीय सीमेंट स्कॉलरशिप 2023-24

किसके लिए है - यह स्कॉलरशिप भारतीय सीमेंट कॉर्पोरेशन प्राइवेट लिमिटेड संस्थान द्वारा प्रदान की जा रही है। इस स्कॉलरशिप का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर स्टूडेंट्स को शिक्षा प्रदान करना है।
योग्यता - एमटेक में पीजी कोर्स या पीजी डिप्लोमा कर रहे स्टूडेंट्स आवेदन कर सकते हैं। कोर्स एआईसीटीई, नैक और यूजीसी द्वारा मान्यता प्राप्त होना चाहिए। आवेदक के 10वीं और 12वीं कक्षा में और ग्रेजुएशन में कम से कम 50 प्रतिशत अंक होने चाहिए। आवेदक की वार्षिक पारिवारिक आय 5 लाख रु. से कम होनी चाहिए। कॉलेज की मार्कशीट सहित अन्य दस्तावेज जेपीईजी और पीएनजी फॉर्मेट में जमा कराने होंगे।
क्या मिलेगा - चयनित छात्रों को एकमुश्त 40 हजार रुपये की स्कॉलरशिप राशि प्रदान की जाएगी।
अंतिम तिथि - 30 सितंबर, 2023
वेबसाइट - www.vidyasaarathi.co.in/Vidyasarathi/resources/289/1069_4.html

निबंध लेखन प्रतियोगिता 2023

संस्थान का नाम - शास्त्री इंडो - कैनेडियन इंस्टीट्यूट
योग्यता - सभी उम्र के व्यक्ति आवेदन के पात्र हैं।
विषय - लाइफस्टाइल फॉर एनवायरनमेंट/ निबंध अंग्रेजी में लिखा होना चाहिए। शब्द सीमा 850-1000 है। निबंध टाइप किया होना चाहिए।
पुरस्कार राशि - प्रथम स्थान के विजेता को 10 हजार रुपये, दूसरे स्थान पर रहने वाले प्रतिभागी को 5 हजार रुपये, तीसरे स्थान पर रहने वाले उम्मीदवार को 2500 रुपये की इनामी राशि दी जाएगी। सभी प्रतियोगियों को सर्टिफिकेट भी दिया जावेगा।
अंतिम तिथि - 20 सितंबर, 2023
वेबसाइट - https://www.shastriinstitute.org/sici-essay-writing-competition-2023

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित)

मुख्यमंत्री लाड़ली लक्ष्मी योजना

समाज में परिवर्तनकारी सोच लाने में सफल हुई

मध्यप्रदेश में बेटियों के भविष्य की मजबूती के लिये मुख्यमंत्री लाड़ली लक्ष्मी योजना शुरू की गयी। इसका लक्ष्य बेटियों के शैक्षणिक, आर्थिक सशक्तिकरण सहित समाज की सोच में परिवर्तन लाना है। लगभग 16 वर्ष पहले शुरू हुई इस योजना ने एक ओर जहां बेटियों का सम्मान बढ़ाया है वहीं, दूसरी ओर समाज की सोच में परिवर्तन लाने में सफलता प्राप्त की है। इस योजना ने शुरुआत से ही कई कीर्तिमान स्थापित किये हैं और निरंतर प्रगति पथ पर अग्रसर है। बेटियों के लिए वरदान साबित हुई मध्यप्रदेश सरकार द्वारा शुरू की गई इस योजना का लाभ प्रदेश की बेटियों को मिल रहा है। इससे गरीब माता-पिता को अपनी बालिका के भरण पोषण, उच्च शिक्षा और स्वस्थ जीवन देने में भी मदद मिल रही है। योजना ने बेटियों के संपोषण, सुरक्षा और सम्मान के लिए अनूठा इतिहास रचा है।

डेढ़ दशक से अधिक का तय किया सफर

बालिकाओं के सर्वांगीण विकास को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश सरकार ने लाड़ली लक्ष्मी योजना 01 अप्रैल 2007 से प्रारम्भ की। यह योजना 16 वर्ष पूरे कर चुकी है और इसके अभूतपूर्व परिणाम प्राप्त हुए हैं। योजना की खास बात है कि यह बेटियों के प्रति समाज का दृष्टिकोण बदलने में सफल हुई है। आज सभी क्षेत्रों में बेटियां अपनी प्रतिभा का परिचय दे रही हैं। अब तक प्रदेश की 46 लाख से अधिक बेटियां लाड़ली लक्ष्मी क्लब में शामिल होकर इस योजना का लाभ ले रही हैं। अब तक 13 लाख 30 हजार से अधिक लाड़ली बेटियों को 366 करोड़ रुपये से अधिक की छात्रवृत्ति भी मिली है।

लिंगानुपात सुधार से कारगर हुई योजना

बेटियों की स्थिति में सुधार और समाज का दृष्टिकोण बदलने के लिए लाड़ली लक्ष्मी योजना से शुरू किये गये प्रयासों की कड़ी में बालिकाओं की शिक्षा, उनके बेहतर स्वास्थ्य और आत्म-निर्भरता के लिए अनेक योजनाएं आरंभ की गई। बेटी का जन्म बोझ न माना जाए, इसके लिये शुरू की गयी लाड़ली लक्ष्मी योजना में बेटी जन्म से ही लखपति पैदा होती है। इन सब प्रयासों का प्रदेश में सकारात्मक प्रभाव दिखाई दे रहा है। प्रदेश में बेटियों की जन्म दर प्रति 1 हजार बेटों पर 956 है। लिंगानुपात में हुआ यह सुधार समाज के बदले दृष्टिकोण का परिचायक है और यह राज्य सरकार के लिए बड़ी उपलब्धि है। मध्यप्रदेश देश में पहला राज्य है जहां 2 मई को लाड़ली लक्ष्मी दिवस मनाया जाता है। बेटियों को इस योजना का भरपूर लाभ मिले कोई भी बेटी योजना के लाभ से वंचित न हो इसलिये प्रदेश में लाड़ली लक्ष्मी कानून बनाया गया। बेटियों के सम्मान को आगे बढ़ाते हुए लाड़ली लक्ष्मी पथ, लाड़ली लक्ष्मी वाटिका, लाड़ली लक्ष्मी पार्क और लाड़ली लक्ष्मी पंचायतों के निर्माण का कार्य जारी है।

योजना का उद्देश्य

- मध्यप्रदेश में लिंगानुपात सूचकांक में सुधार लाना।
- आम जनता में बालिकाओं के जन्म के प्रति सकारात्मक सोच पैदा करना।

- समाज में बालिकाओं की शिक्षा एवं स्वास्थ्य की स्थिति में सुधार लाना।
- जनसंख्या वृद्धि दर को कम करना।
- परिवार नियोजन को प्रोत्साहित करना, विशेष रूप से दो बालिकाओं के जन्म के बाद बालक जन्म की आशा को हतोत्साहित करना।
- बालिकाओं के उज्ज्वल भविष्य के लिए एक अच्छी नींव प्रदान करना।
- कन्या भ्रूण हत्या को रोकना।
- बालिकाओं के विकास के लिए सकारात्मक और सक्षम वातावरण का निर्माण करना।
- बाल विवाह को हतोत्साहित करना और कानूनी रूप से स्वीकृत उम्र में विवाह को प्रोत्साहित करना।

पात्रता सामान्य प्रकरण की स्थिति में

- बालिका का जन्म 1 जनवरी 2006 अथवा उसके बाद हुआ हो।
- बालिका स्थानीय आंगनवाड़ी केन्द्र में पंजीकृत हो।
- माता-पिता मध्यप्रदेश के मूल निवासी हों।
- माता-पिता आयकरदाता न हों।

विशेष प्रकरण की स्थिति में

- जिस परिवार में अधिकतम दो बच्चे हैं तथा माता अथवा पिता की मृत्यु हो गई है उस बच्ची के जन्म के पांच वर्ष होने तक पंजीकरण कराया जा सकता है। परन्तु इस प्रकार के प्रकरण में यदि महिला-पुरुष की दूसरी शादी होती है तथा पूर्व से ही दो बच्चे हैं तो दूसरी शादी से उत्पन्न पुत्री को योजना का लाभ नहीं मिलेगा।
- प्रथम प्रसूति के समय एक साथ तीन बच्चियां होने पर भी तीनों बच्चियों को लाड़ली लक्ष्मी योजना का लाभ मिलेगा।
- जेल में बंद महिला कैदियों की जन्मी पात्र बालिकाओं को भी योजनांतर्गत लाभांवित किया जावेगा।
- स्वास्थ्य संबंधी कारणों से जिन परिवारों द्वारा परिवार नियोजन नहीं अपनाया गया है, उन प्रकरणों में एक वर्ष के स्थान पर दो वर्ष तक प्रकरण स्वीकृत करने के अधिकार कलेक्टर को दिए गए हैं।
- विलम्ब से प्राप्त आवेदनों को सूक्ष्म परीक्षण करते हुए, विशेष प्रकरण के तहत् स्वीकृति-अस्वीकृति जिला कलेक्टर प्रदान करेंगे।
- अनाथालय-संरक्षणगृह के अधीक्षक द्वारा अनाथालय में प्रवेश के 1 वर्ष के अंदर तथा बालिका की आयु 5 वर्ष होने से पूर्व या दत्तक लेने वाले माता-पिता द्वारा दत्तक लेने के 1 वर्ष के अंदर आवेदन करना होगा।

योजना के लाभ

- बालिका के नाम से शासन की ओर से 1 लाख 43 हजार का आश्वासन प्रमाण पत्र जारी किया जाता है।
- पंजीकृत बालिका को कक्षा 6वीं में प्रवेश पर रुपये 2 हजार, कक्षा 9वीं में प्रवेश पर 4 हजार रुपये, कक्षा 11वीं में प्रवेश पर 6 हजार रुपये और कक्षा 12वीं में प्रवेश पर 6 हजार रुपये की छात्रवृत्ति दी जाती है।
- लाड़ली बालिकाओं को कक्षा 12वीं

के पश्चात् स्नातक अथवा व्यावसायिक पाठ्यक्रम में (पाठ्यक्रम अवधि न्यूनतम दो वर्ष) प्रवेश लेने पर 25 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि दो समान किश्तों में पाठ्यक्रम के प्रथम एवं अंतिम वर्ष में दी जाती है।
- उच्च शिक्षा (स्नातक) हेतु शिक्षण शुल्क शासन द्वारा वहन किया जाएगा।
- बालिका की आयु 21 वर्ष पूर्ण होने पर, कक्षा 12वीं की परीक्षा में सम्मिलित होने पर एवं बालिका का विवाह, शासन द्वारा निर्धारित आयु पूर्ण करने के उपरांत होने पर राशि रुपये 1.00 लाख का अंतिम भुगतान किये जाने का प्रावधान है।

लाड़ली लक्ष्मी योजना एक नजर में

- 01 अप्रैल 2007 से शुरू हुई थी लाड़ली लक्ष्मी योजना।
- प्रदेश की 46 लाख से अधिक बेटियों को मिला योजना का लाभ।
- प्रदेश में एक हजार बेटों पर 956 बेटियों का जन्मा
- अब तक 13 लाख 30 हजार से अधिक लाड़ली बेटियों को 366 करोड़ रुपये से अधिक की छात्रवृत्ति।
- 2 मई को मध्यप्रदेश में मनाया जाता है लाड़ली लक्ष्मी दिवस।

- हितेश शर्मा
(लेखक - सम-सामयिक विषयों पर लेखन करते हैं)

चन्द्रयान-3 की सफलता ने बढ़ाए अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में कॅरियर के अवसर

'रोज़गार और निर्माण' के पाठकों के लिये 'कॅरियर की राहें' नाम से उपयोगी स्तंभ लगातार प्रकाशित किया जा रहा है। अच्छे कॅरियर के लिये जरूरी है कि युवा कॅरियर की विभिन्न विधाओं से परिचित हों और अपनी रुचि, योग्यता और क्षमताओं के अनुरूप अपने लिये उपयुक्त कॅरियर का निर्धारण करें। पिछले 40 वर्षों से नई पीढ़ी के लिये कॅरियर संबंधी विषयों पर नियमित लेखन कर रहे, डॉ. जयंतीलाल भंडारी युवाओं को कॅरियर के विभिन्न अवसरों से परिचित कराते हुए आगे बढ़ने का मार्गदर्शन दे रहे हैं।

23 अगस्त को भारत के चंद्रयान-3 के द्वारा दक्षिणी ध्रुव पर असाधारण सफल लैंडिंग ने न केवल इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गेनाइजेशन (इसरो) को वैश्विक अंतरिक्ष दौड़ में नया चमकता हुआ सितारा बना दिया है, वरन् भारत की नई पीढ़ी के लिए अंतरिक्ष विज्ञान (स्पेस साइंस) और अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में कॅरियर के चमकीले मौकों का द्वार भी लगा दिया है।

भारत की अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था वर्तमान 8 अरब डॉलर से बढ़कर 2040 तक 100 अरब डॉलर मूल्य की होगी

गौरतलब है कि मल्टीनेशनल मैनेजमेंट कंसल्टेंसी आर्थर डी लिटिल (एडीएल) की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक भारत की स्पेस इंडस्ट्री नए दौर में पहुंच गई है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत की अंतरिक्ष इकोनॉमी वर्तमान 2023 के 8 अरब डॉलर के आकार से छलांग लगाकर आगे बढ़ते हुए 2040 तक 100 अरब डॉलर मूल्य तक पहुंच सकती है, यानी 17 साल में जबर्दस्त उछाल आने की उम्मीद है। एडीएल के मुताबिक भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में अंतरिक्ष उद्योग का मौजूदा योगदान 0.25 फीसदी से बढ़कर 2040 तक 0.5 फीसदी हो जाएगा। साथ ही अंतरिक्ष उद्योग में वर्ष 2040 तक करीब 30 लाख से अधिक नौकरियां निर्मित होते हुए दिखाई देंगी। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि भारतीय अंतरिक्ष बाजार 4 प्रतिशत की सीएजीआर से बढ़ रहा है, जो वैश्विक औसत के 2 प्रतिशत से अधिक है। अभी वैश्विक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में भारत का जो अंश करीब 2.5 फीसदी है, वह 2030 तक करीब 10 फीसदी हो जाएगा।

अंतरिक्ष विज्ञान से जुड़े स्टॉर्टअप और अन्य उद्योग लगातार बढ़ेंगे

निश्चित रूप से चंद्रयान-3 की सफलता ने भारत को अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ाने के नए दरवाजे खोल दिए हैं। ज्ञातव्य है कि इस समय भारत में 150 स्पेस स्टॉर्टअप रजिस्टर्ड हैं। 2014 में इनकी संख्या 4 के आसपास ही थी। पिछले साल 2022 में अंतरिक्ष स्टार्टअप ने नए निवेश में करीब 990 करोड़ रुपये जुटाए, जो अहम है। भारत ने पिछले दो दशकों में 34 देशों के लिए 381 उपग्रह लॉन्च किए हैं। इस दशक में 2030 तक लॉन्च किए जाने वाले उपग्रहों की संख्या हजारों में हो सकती है। इसरो के साथ व्यापार करने के लिए बेंगलुरु, हैदराबाद, पुणे आदि में कई निजी कंपनियां बनी हैं। ये इसरो के लिए विभिन्न प्रकार के विशेष उत्पादों के साथ अन्य निर्माण सामग्री उपलब्ध करा रही हैं।

यह कोई छोटी बात नहीं है कि इसरो की उपग्रह भेजने की सफलता दर 95 प्रतिशत है। इसने उपग्रह की बीमा लागत आधी कर दी है। इन वजहों से भारत दुनिया में सबसे प्रतिस्पर्धी प्रक्षेपण स्थलों में से एक बन गया है।

यकीनन चांद-सितारों की दुनिया बचपन से हर किसी को लुभाती है। अंतरिक्ष की दुनिया अपने भीतर तमाम रहस्य समेटे हुए है, जिसके बारे में जानने की उत्सुकता हर इंसान को रहती है। यही कारण है कि अंतरिक्ष विज्ञान (एस्ट्रोनामी) हमेशा से बहुत ही रोचक और रोमांचक विषय रहा है। पिछले कुछ दशकों से अंतरिक्ष के लिए अनवरत अभियान भेजे जाते रहे हैं। अंतरिक्ष में अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) तक स्थापित किया गया है, जहां रहकर खगोल वैज्ञानी अंतरिक्ष के रहस्यों को उजागर करने के लिए निरंतर शोध कर रहे हैं।

अंतरिक्ष विज्ञान में किन-किन क्षेत्रों में कॅरियर के मौके हैं?

अंतरिक्ष विज्ञान (एस्ट्रोनॉमी) विज्ञान

की ही एक शाखा है, जिसके अंतर्गत पृथ्वी से परे करोड़ों ग्रह, उपग्रह, तारे, धूमकेतु, आकाशगंगा एवं अन्य अंतरिक्ष में उपस्थित हेवनली बॉडीज का अध्ययन किया जाता है। इसके अलावा अंतरिक्ष विज्ञान के अंतर्गत उन नियमों एवं प्रभावों का भी अध्ययन किया जाता है, जो इन्हें संचालित करते हैं। अंतरिक्ष विज्ञान में न केवल हेवनली बॉडीज के इतिहास की गर्त में जाकर देखना होता है, बल्कि उनके भविष्य में विकास की संभावनाओं पर भी पैनी नजर रखनी होती है। पृथ्वी किस आकार की है? अगर पृथ्वी घूमती है तो हमारा घर क्यों नहीं घूमता ? सूर्यग्रहण-चंद्रग्रहण क्या होता है? क्या केवल पृथ्वी पर ही जीवन है? ऐसे ही सैकड़ों सवालों का हल अंतरिक्ष विज्ञान के अंतर्गत ढूंढा जाता है।

अंतरिक्ष के संसार में नई खोजों ने बढ़ाए कॅरियर के मौके

वर्तमान समय में आधुनिक तकनीक और नए-नए वैज्ञानिक उपकरणों के विकास ने अंतरिक्ष विज्ञान को अध्ययन की एक विशेष शाखा बना दिया है। हालांकि अंतरिक्ष विज्ञान, विज्ञान के अन्य विषयों जितनी ही पुरानी शाखा है। क्योंकि मानव प्राचीन समय से ही तारों और हेवनली बॉडीज की गति पर नजर बनाए हुए है। विज्ञान और टेक्नोलॉजी के आसमान छू रहे विकास ने चांद, तारों व ग्रहों को करीब से जानने की सहूलियत प्रदान कर दी है।

अंतरिक्ष विज्ञान में कॅरियर के लिए शैक्षणिक जरूरतें

अंतरिक्ष विज्ञान में कॅरियर बनाने के लिए सबसे पहले 11वीं कक्षा में गणित विषय समूह लेना होगा। 12वीं गणित समूह से उत्तीर्ण करने के उपरांत आपको बी.एससी. या इंजीनियरिंग की डिग्री लेनी होगी, जहां आपके विषयों में फिजिक्स एवं गणित भी होना जरूरी है। साइंस से स्नातक होने के बाद आप एस्ट्रोनॉमी थ्योरी या एस्ट्रोनॉमी ऑब्जर्वेशन कोर्स चुन सकते हैं। वहीं मास्टर डिग्री के बाद विशिष्ट कोर्सेज में प्रवेश लिया जा सकता है। यदि आप बारहवीं के बाद इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स, इलेक्ट्रिकल कम्युनिकेशन में बैचलर ऑफ इंजीनियरिंग यानी बी.ई. करते हैं तो आप इंस्ट्रूमेंट एस्ट्रोनॉमी या एक्सपेरिमेंटल एस्ट्रोनॉमी के क्षेत्र में बेहतर कॅरियर बना सकते हैं। इसी दिशा में आगे बढ़ने पर आगे एस्ट्रोनॉमी में पीएच.डी. भी कर सकते हैं। वहीं ज्वाइंट एस्ट्रोनॉमी प्रोग्राम इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस बेंगलुरु चलाती है।

अंतरिक्ष विज्ञान में कॅरियर बनाने के लिए जरूरी स्किल्स

चूंकि आकाश में तारों के पैटर्न, उनकी हलचल आदि का अध्ययन करना एक लंबा, बहुत समय लेने वाला एवं पेचीदा काम है, इसलिए धैर्य इस पेशे का पहला व सबसे जरूरी गुण भी है। अगली बेहद जरूरी विशेषता आपका अंतरिक्ष के प्रति जिज्ञासु होना है। पूरे आत्मविश्वास और उत्साह से रहस्यमयी प्रश्नों के उत्तर तलाशने होते हैं। आपमें साइंटिफिक एप्रोच के अलावा प्रोग्रामिंग स्किल भी बेहतरीन होनी जरूरी है।

अंतरिक्ष विज्ञान में कॅरियर के बहुआयामी मौके

चन्द्रयान-3 की सफलता ने अंतरिक्ष विज्ञान में कॅरियर के बहुआयामी मौके बढ़ा दिए हैं। कोर्स करने के उपरांत आप चाहें तो किसी भी रिसर्च इंस्टीट्यूट में बतौर रिसर्च साइंटिस्ट काम कर सकते हैं। आपको भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों में भी रोज़गार मिल सकता है। कुछ एक नॉन प्रॉफिट आर्गेनाइज़ेशन में स्वयं खगोलीय उपकरण बनाने का मौका मिलता है। बहुत से सरकारी संस्थानों में एस्ट्रोनॉमर की नियुक्ति की जाती है। यहां आपको विभिन्न साइंटिस्ट ग्रेड के पद पर रखा जाता है जहां आकर्षक वेतन के अतिरिक्त आपको अन्य लाभ भी मिलते हैं। खगोल भौतिकी, खगोलशास्त्र में उच्च उपाधि प्राप्त युवाओं के लिए शोध एवं शैक्षणिक विधाओं के अलावा विभिन्न प्रकार के उद्योगों, कम्प्यूटर, सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट, डाटा साइंस जैसे क्षेत्रों में भी रोज़गार की अच्छी संभावनाएं हैं।

अंतरिक्ष विज्ञान में कैसे बनाएं कॅरियर

देश की विभिन्न अंतरिक्ष शोध संस्थाओं और विभिन्न विश्वविद्यालयों में अंतरिक्ष विज्ञान से संबंधित विभिन्न पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं। आप अपनी रुचि, योग्यता और क्षमता के अनुरूप अंतरिक्ष विज्ञान के कोर्स कराने वाले किसी उपयुक्त संस्थान का चयन करके अपनी मेहनत और जुनून के साथ इस क्षेत्र में अच्छे कॅरियर की राह पर आगे बढ़ सकते हैं।

- डॉ. जयंतीलाल भंडारी

(लेखक, कॅरियर मार्गदर्शन के लिए लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में प्रतिष्ठित हैं।)

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए सामान्य अध्ययन

1. ''Deton Development ; Repurposing environmentally Harmful Subsidies'' नाम से रिपोर्ट किस संस्था द्वारा प्रस्तुत की गई है?
अ. विश्व बैंक
ब. एशियन डेवलपमेंट बैंक
स. यूरोपियन बैंक
द. इनमें से कोई नहीं
उत्तर- अ. विश्व बैंक

2. भारत में G-20 विकास मंत्रियों की बैठक की मेजबानी किस शहर द्वारा की गई?
अ. वाराणसी ब. इंदौर
स. लखनऊ द. देहरादून
उत्तर- अ. वाराणसी

3. भारतीय संविधान का कौन सा प्रावधान दल बदल विरोध से संबंध रखता है?
अ. अनुच्छेद 105
ब. दसवीं अनुसूची
स. आठवीं अनुसूची
द. अनुच्छेद
उत्तर- ब. दसवीं अनुसूची

4. शेनझोउ-16 मिशन किस देश द्वारा लॉन्च किया गया है?
अ. जापान ब. चीन
स. जर्मनी द. अमेरिका
उत्तर- ब. चीन

5. लकुलीश निम्नलिखित में से किसके संस्थापक थे?
अ. पशुपत
ब. शैव
स. कटिलक
द. इनमें से कोई नहीं
उत्तर- अ. पशुपत

6. निम्नलिखित में से किसे आर्थिक राष्ट्रवाद का पथ प्रदर्शक माना जाता है?
अ. आर.सी. दत्त
ब. मदन मोहन मालवीय
स. विपिन चन्द्र पाल
द. गोपाल कृष्ण गोखले
उत्तर- अ. आर.सी. दत्त

7. 'मर्हेंद्रादित्य' की उपाधि निम्न में से किसने धारण की?
अ. कुमारगुप्त ब. समुद्रगुप्त
स. स्कंदगुप्त द. चंद्रगुप्त-I
उत्तर- अ. कुमारगुप्त

8. भारत के कितने राष्ट्रपति निर्विरोध चुने गये?
अ. 1 ब. 2
स. 3 द. 4
उत्तर- ब. 2

9. संसद के दो सत्रों के बीच अधिकतम अंतराल कितना हो सकता है?
अ. 6 दिन ब. 30 दिन
स. 6 माह द. 12 माह
उत्तर- स. 6 माह

10. रिक्सडॉग किस देश की संसद का नाम है?
अ. ईरान ब. स्वीडन
स. वेल्जियम द. नार्वे
उत्तर- ब. स्वीडन

11. निम्नलिखित में से अंतर्राज्यीय परिषद् को कौन स्थापित कर सकता है?
अ. प्रधानमंत्री
ब. मंत्रिपरिषद्
स. लोकसभा अध्यक्ष
द. राष्ट्रपति
उत्तर- द. राष्ट्रपति

12. मॉड्यूलेटर-डी मॉड्यूलेटर का सामान्य नाम है?
अ. मॉडम ब. जॉइनर
स. नेटवर्क द. कनेक्टर
उत्तर- अ. मॉडम

13. लहुगाला कितुलाना नेशनल पार्क किस देश में है?
अ. भारत ब. श्रीलंका
स. भूटान द. बांग्लादेश
उत्तर- ब. श्रीलंका

14. खाद्य श्रृंखला में सबसे ज्यादा संख्या किसकी होती है?
अ. उत्पादक
ब. प्राथमिक उपभोक्ता
स. अपघटक
द. द्वितीय उपभोक्ता
उत्तर- स. अपघटक

15. गुंदेचा भाई किस संगीत कला से संबंधित हैं?
अ. ख्याल ब. तराना
स. ठुमरी द. ध्रुपद
उत्तर- द. ध्रुपद

16. कौन सा वेद आधा गद्य और आधा काव्य में है?
अ. ऋग्वेद ब. सामवेद
स. यजुर्वेद द. अथर्वेद
उत्तर- स. यजुर्वेद

17. भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र द्वारा विकसित सुपर कम्प्यूटर परियोजना है?
अ. परम परम
ब. फ्लोसाल्वर मार्क
स. चिप्स
द. अनुपम
उत्तर- द. अनुपम

(शेष अगले पृष्ठ पर)

15 सितंबर राष्ट्रीय अभियंता दिवस (इंजीनियर्स डे)

आधुनिक भारत के शिल्पकार मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया

यदि काम नहीं करोगे तो खाओगे भी नहीं - इस सिद्धांत पर विचार करते हुए आधुनिक भारत के शिल्पी मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया ने लिखा था - अपने काम से ही तो व्यक्ति अपने लिए कमा सकता है। प्रत्येक व्यक्ति को इतना काम करना चाहिए, जिससे वह अपना तथा अपने परिवार का भली-भांति निर्वाह कर सके और दूसरों पर बोझ न बने। उसे इससे अलावा कुछ और भी नहीं कमाना चाहिए बल्कि बाकी सब राष्ट्रहित में करना चाहिए। इन विचारों पर चलते हुए आधुनिक भारत के शिल्पकार और विश्वकर्मा कहलाने वाले सर मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया देश के पहले इंजीनियर थे। अपनी प्रतिभा से ब्रिटिश काल के गुलामी के दौर में भी राष्ट्र के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। 15 सितंबर 1860 को तत्कालीन मैसूर राज्य और वर्तमान कर्नाटक के कोलार जिले के एक ग्राम में जन्मे विश्वेश्वरैया मैसूर के दीवान भी रहे। यह पद वर्तमान में एक राज्य के मुख्यमंत्री के समकक्ष होता है। उन्हें किंग जॉर्ज पंचम द्वारा ब्रिटिश इंडियन एम्पायर के नाइट कमांडर की उपाधि भी दी गई थी। उनके सम्मान में उनके जन्म दिवस के ही दिन देश में इंजीनियर्स डे मनाया जाता है। उनकी तकनीकी सोच के कारण देश में कई बड़े काम हुए। देश भर में बने कई नदियों के डेम, ब्रिज और पानी की स्कीम को कामयाब बनाने के पीछे मोक्षगुंडम का बहुत बड़ा हाथ है। इन्हीं के कारण देश में पानी की समस्या दूर हुई थी। दक्षिण भारत के मैसूर, कर्नाटक को एक विकसित और समृद्धशाली क्षेत्र बनाने में एमवी का अभूतपूर्व योगदान है। जब देश स्वंतत्र नहीं था, तब कृष्णराजसागर बांध, भद्रावती आयरन एंड स्टील वर्क्स, मैसूर संदल ऑयल एंड सोप फैक्टरी, मैसूर विश्वविद्यालय, बैंक ऑफ मैसूर समेत अन्य कई महान उपलब्धियां एमवी के कड़े प्रयास से ही संभव हो पाई। इसीलिए इन्हें कर्नाटक का भागीरथ भी कहते हैं।

ब्रिटिश अफसरों ने की तारीफ

विश्वेश्वरैया जब 32 वर्ष के थे तो उन्होंने सिंधु नदी से सुक्कुर कस्बे को पानी की पूर्ति भेजने का प्लान तैयार किया जो सभी इंजीनियरों को पसंद आया। सरकार ने सिंचाई व्यवस्था दुरुस्त बनाने के लिए एक समिति बनाई जिसके तहत उन्होंने एक नया ब्लॉक सिस्टम बनाया। उन्होंने स्टील के दरवाजे बनाए जो बांध से पानी के बहाव को रोकने में मदद करते थे। इस सिस्टम की तारीफ ब्रिटिश अफसरों ने भी की। उन्होंने मूसा और इसा नामक दो नदियों के पानी को बांधने के लिए भी प्लान बनाया। इसके बाद उन्हें मैसूर का चीफ इंजीनियर नियुक्त किया गया।

शिक्षा पर दिया जोर

उन्होंने जीवन के शुरुआती साल कर्नाटक में बिताए। उनके पिता संस्कृत के विद्वान थे। जो कि सादगी भरे जीवन में ही विश्वास रखते थे। पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने पीडब्ल्यूडी में काम किया और फिर भारतीय सिंचाई आयोग में काम करने लगे। विश्वेश्वरैया का निधन 101 साल की उम्र में 14 अप्रैल 1962 को हो हुआ। विश्वेश्वरैया जब महज 12 वर्ष के थे तभी उनके पिता का निधन हो गया था, इसलिए उनका बचपन और शिक्षा दोनों ही आर्थिक विषमताओं के बीच हुई। अपनी पढ़ाई के साथ-साथ वह खर्च चलाने के लिए ट्यूशन भी पढ़ाया करते थे। बीए के बाद इंजीनियरिंग की पढ़ाई उन्होंने पुणे के इंजीनियरिंग कॉलेज से की जिसमें परीक्षा में सर्वोच्च रैंक हासिल की। इस दौरान पढ़ाई में भी मैसूर रियासत के राजा ने उनकी मदद की। वह शिक्षा के महत्व को समझते थे इसलिए मैसूर में उन्होंने अपने कार्यकाल में स्कूलों की संख्या 4,500 से बढ़ाकर 10,500 कर दी थी। उस दौर में मैसूर मद्रास यूनिवर्सिटी के अंतर्गत आता था। उन्होंने 1916 में मैसूर विश्वविद्यालय की स्थापना मैसूर के राजा के सहयोग से की। इसके अलावा उन्होंने कई कॉलेज भी खुलवाए ताकि देश के नौजवान अच्छी शिक्षा पा सकें।

उद्योगों को किया विकसित

वे उद्योगों का महत्व जानते थे, इसीलिए उन्होंने पहले से मौजूद उद्योगों जैसे सिल्क, चंदन, मेटल, स्टील आदि को जापान व इटली के विशेषज्ञों की मदद से और अधिक विकसित किया। धन की जरूरत को पूरा करने के लिए उन्होंने बैंक ऑफ मैसूर खुलवाया। इस धन का उपयोग उद्योग-धंधों को विकसित करने में किया जाने लगा। 1909 में उन्होंने ब्रिटिश सर्विस से रिटायरमेंट ले ली और मैसूर रियासत में चीफ इंजीनियर का पद संभाला। 1913 में वे मैसूर के दीवान बने। विश्वेश्वरैया मैसूर राज्य में व्याप्त अशिक्षा, गरीबी, बेरोजगारी, बीमारी आदि आधारभूत समस्याओं को लेकर भी चिंतित थे। कारखानों की कमी, सिंचाई के लिए वर्षा जल पर निर्भरता तथा खेती के पारंपरिक साधनों के प्रयोग के कारण विकास नहीं हो पा रहा था। इन समस्याओं के समाधान के लिए विश्वेश्वरैया ने काफी प्रयास किए। सर मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया की दूरदर्शिता के कारण मैसूर में प्राथमिक शिक्षा को अनिवार्य बनाया गया और लड़कियों की शिक्षा के लिए पहल की गई। वह इतने ईमानदार थे कि जब इस्तीफा देने के लिए गए, तो लौटते समय वह अपनी निजी कार से आए। उनका ध्यान शिक्षा, गरीबी और बेरोजगारी से जुड़ी समस्याओं पर ज्यादा रहता था। देश के लिए दी गई इनकी सेवाओं के चलते साल 1955 में इन्हें देश के प्रतिष्ठित सम्मान भारत रत्न से सम्मानित किया गया था।

100 साल की उम्र में मंगायी थी मॉडर्न इंग्लिश डिक्शनरी

रिटायर्डमेंट का मतलब लोग रेस्ट समझते हैं लेकिन विश्वेश्वरैया 1918 में स्वैच्छिक रूप से सेवानिवृत हो गए और रिटायर्डमेंट के बाद भी 44 साल तक वह काम करते रहे। वह इतने ईमानदार व्यक्ति थे कि स्टेशनरी से लेकर कार तक यदि वह शासकीय काम के अलावा प्रयोग करते थे तो वह अपने पैसे से करते थे। मोक्षगुंडम विश्वेश्वैया अपने जीवन के अंतिम समय तक सीखने में विश्वास करते रहे। जब उनकी उम्र 100 वर्ष पार कर चुकी थी, तब एक बार उनसे उनके एक रिश्तेदार ने कुछ लाने के लिए कहा तो उन्होंने कहा कि मॉडर्न इंग्लिश डिक्शनरी की किताब लाकर दे दीजिएगा। वह वक्त के इतने पाबंद थे कि दीवान रहते हुए सुबह 7 बजे अपना काम शुरू कर देते थे और दोपहर तक करते थे, उसके बाद दोबारा दोपहर तीन बजे से रात के 8 बजे तक कार्य करते थे। हमेशा समय पर पहुंच जाते थे और अगर यदि कोई कुछ मिनट लेट हो जाए तो उसे भी वक्त का पाबंद बनने की सलाह देते थे।

जब समझ गए आने वाले रेल हादसे को

ब्रिटिश भारत में एक रेलगाड़ी चली जा रही थी जिसमें ज्यादातर अंग्रेज सवार थे। एक डिब्बे में एक भारतीय मुसाफिर गंभीर मुद्रा में बैठा था। सांवले रंग और मंझले कद का वो मुसाफ़िर सादे कपड़ों में था और वहां बैठे अंग्रेज़ उन्हें मूर्ख और अनपढ़ समझकर मज़ाक उड़ा रहे थे। पर वो किसी पर ध्यान नहीं दे रहे थे। लेकिन अचानक उस व्यक्ति ने उठकर गाड़ी की जंज़ीर खींच दी। तेज़ रफ्तार दौड़ती ट्रेन कुछ ही पलों में रुक गई। सभी यात्री चेन खींचने वालों को भला-बुरा कहने लगे। थोड़ी देर में गार्ड आ गया और सवाल किया कि जंज़ीर किसने खींची। उस व्यक्ति ने उत्तर दिया, 'मैंने' वजह पूछी तो उन्होंने बताया, 'मेरा अंदाज़ा है कि यहां से लगभग कुछ दूरी पर रेल की पटरी उखड़ी हुई है।' गार्ड ने पूछा, 'आपको कैसे पता चला?' वो बोले, 'गाड़ी की स्वाभाविक गति में अंतर आया है और आवाज़ से मुझे खतरे का आभास हो रहा है।' गार्ड उन्हें लेकर जब कुछ दूर पहुंचा तो देखकर दंग रह गया कि वास्तव में एक जगह से रेल की पटरी के जोड़ खुले हुए हैं और सब नट-बोल्ट अलग बिखरे पड़े हैं। यह देखकर लोगों ने उनके बारे में जानना चाहा, तो उन्होंने बताया कि मैं एक इंजीनियर हूं और मेरा नाम डॉ. एम. विश्वेश्वरैया है।

- सर्जना चतुर्वेदी

(लेखिका सम-सामयिक विषयों पर लेखन करती हैं)

(पिछले पृष्ठ का शेष

18. 'नागिन' झील किस राज्य में है?
अ. झारखण्ड
ब. उत्तराखण्ड
स. जम्मू-कश्मीर
द. इनमें से कोई नहीं
उत्तर- स. जम्मू-कश्मीर

19. परम ताप का मान होता है?
अ. 0^0C ब. -273^{0}C
स. 100^0C द. 180^0K
उत्तर- ब. -273^0 C

20. निम्नलिखित में से सबसे प्रबल ऑक्सीकारक एजेंट क्या है?
अ. ऑक्सीजन ब. फ्लुओरीन
स. क्लोरीन द. आयोडीन
उत्तर- ब. फ्लुओरीन

21. रक्त का PH मान क्या होता है?
अ. 5.0 ब. 6.4
स. 7.4 द. 8.0
उत्तर- स. 7.4

22. नींबू का 'डाइबैक रोग' किस कारण होता है?
अ. मैग्नीज की कमी
ब. सोडियम की कमी
स. तांबा की कमी
द. जस्ता की कमी
उत्तर- द. जस्ता की कमी

23. 'पारिस्थितिकी विज्ञान केंद्र कहां स्थित है?
अ. नई दिल्ली ब. इलाहाबाद
स. करनाल द. बेंगलुरू
उत्तर- द. बेंगलुरू

24. निम्नलिखित में कौन सा जीव समूह आहार श्रृंखला बनाता है?
अ. घास, मानव और मछली
ब. घास, बकरी और मानव
स. पेड़, पेड़ काटने वाला और बाघ
द. बकरी, गाय और मानव
उत्तर- ब. घास, बकरी और मानव

25. 'प्रतिरक्षण तकनीक' का विकास किसने किया था?
अ. जोसेफ लिस्टर
ब. रॉबर्ट कोच
स. एडवर्ड जेनर
द. लुई पाश्चर
उत्तर- स. एडवर्ड जेनर

26. होम्योपैथी के संस्थापक कौन हैं?
अ. लैनेक ब. डोमैक
स. बॉक्समैन द. हैनिमैन
उत्तर- द. हैनिमैन

27. 'गोखले माई पॉलिटिकल गुरू' नामक पुस्तक किसके द्वारा लिखी गई?
अ. शौकत अली ब. एम.ए. जिन्ना
स. एम.के. गांधी द. सी.आर. दास
उत्तर- स. एम.के. गांधी

28. किस विदेशी नागरिक को भारत रत्न सम्मान प्रदान किया गया?
अ. बिल क्लिंटन
ब. नेल्सन मंडेला
स. एडोल्फ हिटलर
द. इनमें से कोई नहीं
उत्तर- ब. नेल्सन मंडेला

29. निम्नलिखित में से WTO से संबंधित नहीं है?
अ. मल्टीफाइबर करार
ब. व्यापार और सेवा पर साधारण करार
स. निवेश पर बहुपक्षीय करार
द. कृषि पर करार
उत्तर- स. निवेश पर बहुपक्षीय करार

30. मोचा कॉफी के लिए प्रसिद्ध मोचा शहर कहां है?
अ. बहरीन ब. यमन
स. सीरिया द. इथोपिया
उत्तर- ब. यमन

31. मध्यप्रदेश सरकार द्वारा तुलसी सम्मान किस क्षेत्र में दिया जाता है?
अ. लोक कला ब. साहित्य
स. संगीत द. हिंदी कविता
उत्तर- अ. लोक कला

32. निम्नलिखित में से कौन सा बांध बेतवा नदी पर नहीं है?
अ. राजघाट बांध
ब. परीदा बांध
स. बाणसागर बांध
द. भाताटीला बांध
उत्तर- स. बाणसागर बांध

33. मध्यप्रदेश में 2011 की जनगणना के अनुसार सबसे ज्यादा साक्षरता किस जिले की है?
अ. भोपाल ब. ग्वालियर
स. इंदौर द. जबलपुर
उत्तर- द. जबलपुर

34. आदमगढ़ की पहाड़ियां मध्यप्रदेश के किस जिले में स्थित है?
अ. झाबुआ ब. नर्मदापुरम
स. सतना द. ग्वालियर
उत्तर- ब. नर्मदापुरम

35. 'ठिठुरता हुआ गणतंत्र' के लेखक निम्नलिखित में से कौन हैं?
अ. हरिशंकर परसाई
ब. जयशंकर प्रसाद
स. फणीश्वर नाथ रेणु
द. सुमित्रा नंदन पंत
उत्तर- अ. हरिशंकर परसाई

36. अहिरे लोकनृत्य किस जनजाति से संबंधित हैं?
अ. भारिया ब. सहरिया
स. बैगा द. भील
उत्तर- अ. भारिया

37. शब्द संक्षेप M.I.C.R. का पूर्ण रूप क्या है?
अ. Magnetic Ink Character Recognition
ब. Magnetic Ink Code Reader
स. Magnetic Inline Code Reader
द. Magnetic Inline Character Reader
उत्तर- अ. Magnetic Ink Character Recognition

38. निम्नलिखित में कौन सी ट्रॉफी क्रिकेट में नहीं दी जाती?
अ. राइडर कप
ब. रणजी ट्रॉफी
स. देवधर ट्रॉफी
द. ऐशेज
उत्तर- अ. राइडर कप

39. 1024 बाइट किसके बराबर होता है?
अ. 1TB ब. 1GB
स. 1KB द. 1MB
उत्तर- स. 1KB

40. आधुनिक डिजिटल कम्प्यूटर में किस पद्धति का उपयोग किया जाता है?
अ. द्विआधारी अंक पद्धति
ब. दशमलव अंक पद्धति
स. अनुरूप गणना पद्धति
द. इनमें से कोई नहीं
उत्तर- अ. द्विआधारी अंक पद्धति

41. भारत में विकसित 'परम' सुपर कम्प्यूटर का विकास किस संस्था ने किया है?
अ. C-DAC ब. बाइट
स. रिकॉर्ड द. फाइल
उत्तर- अ. C-DAC

- पूर्वी जैन

(लेखिका, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी विषयों पर लेखन करती हैं।)

मध्यप्रदेश में सबसे अधिक आवास पूर्ण करने वाली पंचायत है धूलकोट

खरगोन जिले की महाराष्ट्र राज्य से लगी आकांक्षी जनपद पंचायत भगवानपुरा की धूलकोट पंचायत प्रदेश में सबसे अधिक सरकारी आवास बनाने वाली पंचायत बन गई है। जनजातीय बहुल धूलकोट पंचायत में 1667 आवास बनकर तैयार हो चुके हैं। कलेक्टर श्री शिवराज सिंह वर्मा के प्रयासों से पीएम आवास का काम आकांक्षी जनपद में मिशन के रूप में किया गया है। इस वजह से धूलकोट पंचायत टॉप-50 रैंकिंग में सबसे ऊपर है।

जनजातीय बहुल क्षेत्र होने के कारण पंचायत क्षेत्र में कच्चे मकान ज्यादा थे। इस वजह से प्रधानमंत्री आवास की स्वीकृति पात्र हितग्राहियों को बड़ी संख्या में जारी की गई। धूलकोट ने अनोखी डिजाइन के आवास के कारण अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है।

सरपंच श्री सालकराम किराड़े बताते हैं कि पक्की छत वाले मकान जनजातीय समुदाय के पूर्वजों की मान्यता अनुसार मान्य नहीं होते हैं। इस वजह से धूलकोट में तकरीबन 70 आवास ढाल वाली डिजाइन में बने हैं। ढाल के साथ छत पर कहीं-कहीं इंग्लिश कवेलू और कहीं परम्परागत कवेलू का उपयोग किया गया है।

पुलिस आरक्षक एवं अन्य भर्ती परीक्षाओं की तैयारी के लिए महत्वपूर्ण प्रश्न

सामान्य ज्ञान

1. हड़प्पा सभ्यता की खोज किसने की थी?
अ. दयाराम साहनी
ब. राखलदास बनर्जी
स. एम.एम. वत्स
द. इनमें से कोई नहीं
उत्तर- अ. दयाराम साहनी

2. वह शासक जिसने एक सच्चे जैन मुनि की तरह उपवास के द्वारा शरीर त्याग दिया कौन था?
अ. बिन्दुसार
ब. अशोक
स. चन्द्रगुप्त मौर्य
द. इनमें से कोई नहीं
उत्तर- स. चन्द्रगुप्त मौर्य

3. तराइन का प्रथम युद्ध (1191 ई.) किसके मध्य लड़ा गया?
अ. मुहम्मद गौरी और भीम
ब. मुहम्मद गौरी और पृथ्वीराज चौहान
स. मुहम्मद गौरी और जय सिंह
द. मुहम्मद गौरी और अजयपाल
उत्तर- ब. मुहम्मद गौरी और पृथ्वीराज चौहान

4. बंगाल को मुगल साम्राज्य से पृथक कर किसने स्वतंत्र किया?
अ. मुर्शिद कुली खां
ब. सहादत खां
स. सरफराज खां
द. इनमें से कोई नहीं
उत्तर- अ. मुर्शिद कुली खां

5. विधवा पुनर्विवाह कानून कब बना?
अ. 185 3 ई. में ब. 1856 ई. में
स. 1863 ई. में द. 1865 ई. में
उत्तर- ब. 1856 ई. में

6. कौन सा द्वीप इण्डोनेशिया का हृदय स्थल कहलाता है?
अ. सुमात्रा ब. सुलावेसी
स. बोर्नियो द. जावा
उत्तर- द. जावा

7. काली मिट्टी का विस्तार पाया जाता है?
अ. महाराष्ट्र
ब. गुजरात
स. मध्यप्रदेश
द. उपरोक्त सभी
उत्तर- द. उपरोक्त सभी

8. काली मिट्टी किस फसल की खेती के लिए सर्वाधिक उपयोगी होती है?
अ. गेहूं ब. जूट
स. चावल द. कपास
उत्तर- द. कपास

9. निम्नलिखित में कौन-सी मिट्टी जैव पदार्थों से भरपूर होती है?
अ. काली मिट्टी
ब. जलोढ़ मिट्टी
स. लाल मिट्टी
द. मखरली मिट्टी
उत्तर- अ. काली मिट्टी

10. किस मिट्टी में लोहे और एल्युमिनियम की ग्रन्थियां पायी जाती हैं?
अ. काली ब. लैटेराइट
स. लाल द. जलोढ़
उत्तर- ब. लैटेराइट

11. भारत में सबसे संपत्ति वाला राज्य कौन है?
अ. तमिलनाडु ब. महाराष्ट्र
स. केरला द. कर्नाटक
उत्तर- ब. महाराष्ट्र

12. भारत की कितन प्रतिशत आबादी कृषि उद्योग पर निर्भर है?
अ. 60 प्रतिशत
ब. 70 प्रतिशत
स. 58 प्रतिशत
द. इनमें से कोई नहीं
उत्तर- स. 58 प्रतिशत

13. राष्ट्रीय आय से सकल लाभ में कितना प्रतिशत कृषि उद्योग का योगदान है?
अ. 15 प्रतिशत ब. 25 प्रतिशत
स. 20 प्रतिशत द. अन्य
उत्तर- स. 20 प्रतिशत

14. GDP के आधार पर भारत का स्थान है?
अ. 5 ब. 3
स. 7 द. 13
उत्तर- अ. 5

15. PPP के आधार पर भारत का स्थान है?
अ. 4 ब. 9
स. 7 द. 3
उत्तर- द. 3

16. इनमें से कम्प्यूटर के अविष्कारक कौन हैं?
अ. वॉनन्यूमेन
ब. जे.एस. किल्बी
स. चार्ल्स बैबेज
द. इनमें से कोई नहीं
उत्तर- स. चार्ल्स बैबेज

17. सबसे पहले कम्प्यूटर का नाम क्या था?
अ. ATARIS
ब. ENIAC
स. TANDY
द. NOVELLAI
उत्तर- ब. ENIAC

18. आधुनिक कम्प्यूटर का अविष्कार सर्वप्रथम कब हुआ?
अ. 1949 ब. 1951
स. 1946 द. 1947
उत्तर- स. 1946

19. कम्प्यूटर के क्षेत्र में महान क्रांति कब से आई?
अ. 1977 ब. 2000
स. 1955 द. 1960
उत्तर- द. 1960

20. कम्प्यूटर का हिन्दी नाम क्या है?
अ. गणना करने वाला
ब. संगणक
स. हिसाब लगाने वाला
द. परिगणक
उत्तर- ब. संगणक

21. सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति कौन करता है?
अ. प्रधानमंत्री
ब. संसद
स. राष्ट्रपति
द. विधि मंत्रालय
उत्तर- स. राष्ट्रपति

22. सर्वोच्च न्यायालय के अन्य न्यायाधीशों की नियुक्ति कौन करता है?
अ. सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के परामर्श से राष्ट्रपति
ब. सर्वोच्च न्यायालय का न्यायाधीश
स. संसद
द. राष्ट्रपति
उत्तर- अ. सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के परामर्श से राष्ट्रपति

23. भारत के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति कौन करता है?
अ. राष्ट्रपति की पूर्व स्वीकृति से भारत का मुख्य न्यायाधीश
ब. राष्ट्रपति
स. भारत का मुख्य न्यायाधीश
द. इनमें से कोई नहीं
उत्तर- ब. राष्ट्रपति

24. राष्ट्रपति सर्वोच्च न्यायालय के अन्य न्यायाधीशों की नियुक्ति में किससे परामर्श करते हैं?
अ. सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश से
ब. भारत के विधि मंत्री से
स. भारत के महान्यायवादी से
द. उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश से
उत्तर- अ. सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश से

25. प्राक्कलन समिति के सदस्य?
अ. केवल लोकसभा से चुने जाते हैं
ब. लोकसभा और राज्यसभा दोनों से चुने जाते हैं
स. केवल राज्यसभा से चुने जाते हैं
द. इनमें से कोई नहीं
उत्तर- अ. केवल लोकसभा से चुने जाते हैं

26. शरीर की सबसे बड़ी ग्रंथि कौन सी है?
अ. लाल ग्रंथि ब. थायरॉइड
स. यकृत द. अमाशय
उत्तर- स. यकृत

27. मनुष्य में मादा जनन अंग से किस हार्मोन का स्राव होता है?
अ. एस्ट्रोजन ब. प्रोजेस्ट्रॉन
स. रिलैक्सिन द. यह सभी
उत्तर- द. यह सभी

28. मनुष्य में ऐच्छिक गतियों का नियंत्रण किसके द्वारा होता है?
अ. सेरीब्रम
ब. थायरायड
स. एस्ट्रोजन
द. इनमें से कोई नहीं
उत्तर- अ. सेरीब्रम

29. शरीर का तापक्रम किसके द्वारा नियंत्रित होता है?
अ. स्पाइनल कार्ड
ब. सेरीबेलम
स. हाइपोथैलेमस
द. पिट्यूटरी
उत्तर- स. हाइपोथैलेमस

30. अमीबा में भोजन का अंतर्ग्रहण किसके द्वारा होता है?
अ. कूटपाद ब. कोशिका मुंह
स. सीलिया द. गुदाद्वार
उत्तर- अ. कूटपाद

31. पृथ्वी पर कुल कितने महासागर हैं?
अ. 6 ब. 9
स. 5 द. 4
उत्तर- स. 5

32. पृथ्वी पर कुल कितने महाद्वीप हैं?
अ. 9 ब. 7
स. 8 द. 6
उत्तर- ब. 7

33. विश्व का सबसे बड़ा महाद्वीप है?
अ. अफ्रीका
ब. दक्षिण अमेरिका
स. ऑस्ट्रेलिया
द. एशिया
उत्तर- द. एशिया

34. विश्व का प्रथम विश्वविद्यालय कौन सा है?
अ. पेरिस विश्वविद्यालय
ब. इलाहाबाद विश्वविद्यालय
स. तक्षशिला विश्वविद्यालय
द. असम विश्वविद्यालय
उत्तर- स. तक्षशिला विश्वविद्यालय

35. अन्तरिक्ष में कृत्रिम उपग्रह प्रक्षेपण करने वाला विश्व का प्रथम देश कौन सा है?
अ. इटली ब. इराक
स. रूस द. चाइना
उत्तर- स. रूस

36. निम्नलिखित में से कौन सा लोकनृत्य कर्नाटक से संबंधित है?
अ. यक्षगान ब. विधि
स. जागा द. झोरा
उत्तर- अ. यक्षगान

37. नौटंकी किस राज्य का लोक नृत्य है?
अ. उत्तरप्रदेश
ब. मध्यप्रदेश
स. राजस्थान
द. बिहार
उत्तर- अ. उत्तरप्रदेश

38. पंडवानी किस राज्य की प्रमुख शैली है?
अ. छत्तीसगढ़
ब. मध्यप्रदेश
स. हिमाचल प्रदेश
द. अरुणाचल प्रदेश
उत्तर- अ. छत्तीसगढ़

39. गणगौर भारत के किस राज्य का एक प्रसिद्ध त्योहार है?
अ. राजस्थान ब. बिहार
स. ओडिशा द. पंजाब
उत्तर- अ. राजस्थान

40. रण उत्सव कहां मनाया जाता है?
अ. दिल्ली ब. गुजरात
स. कर्नाटक द. गोवा
उत्तर- ब. गुजरात

41. लावणी और लेजिम किस राज्य के लोक नृत्य हैं?
अ. महाराष्ट्र ब. मध्यप्रदेश
स. मणिपुर द. मिजोरम
उत्तर- अ. महाराष्ट्र

42. किस जनजाति द्वारा नोंगक्रेम नृत्य किया जाता है?
अ. खासी ब. भील
स. भारिया द. कोली
उत्तर- अ. खासी

43. अलि ऐ लिगांग फेस्टिवल किस राज्य में मनाया जाता है?
अ. केरल ब. असम
स. बिहार द. छत्तीसगढ़
उत्तर- ब. असम

44. मोढेरा नृत्य महोत्सव गुजरात राज्य के किस जिले से संबंधित है?
अ. जूनागढ़ ब. मेहसाणा
स. अमरेली द. आनंद
उत्तर- ब. मेहसाणा

45. भरतनाट्यम नृत्य किस राज्य से संबंधित है?
अ. तमिलनाडु ब. केरल
स. आंध्रप्रदेश द. कर्नाटक
उत्तर- अ. तमिलनाडु

46. कुचीपुड़ी नृत्य निम्नलिखित में से किस राज्य से संबंधित है?
अ. तमिलनाडु ब. केरल
स. आंध्रप्रदेश द. कर्नाटक
उत्तर- स. आंध्रप्रदेश

47. कोणार्क नृत्य उत्सव भारत के किस राज्य में मनाया जाता है?
अ. कर्नाटक ब. ओडिशा
स. झारखण्ड द. राजस्थान
उत्तर- ब. ओडिशा

48. निम्नलिखित में से कौन सा त्योहार राजस्थान से जुड़ा है?
अ. गुड़ी पड़वा ब. बूंदी उत्सव
स. बोनालु द. माथो नारंग
उत्तर- ब. बूंदी उत्सव

49. कथकली नृत्य निम्न में से किस राज्य से संबंधित है?
अ. तमिलनाडु ब. केरल
स. आंध्रप्रदेश द. कर्नाटक
उत्तर- ब. केरल

50. मोहिनीअट्टम नृत्य निम्न में से किस राज्य से संबंधित है?
अ. तमिलनाडु ब. केरल
स. आंध्रप्रदेश द. कर्नाटक
उत्तर- ब. केरल

51. सागा दावा या ट्रिपल ब्लेस्ड फेस्टिवल भारत के किस राज्य में मनाया जाता है?
अ. कर्नाटक ब. आंध्रप्रदेश
स. उत्तरप्रदेश द. सिक्किम
उत्तर- द. सिक्किम

52. भारत के किस राज्य में नाट्यांजलि उत्सव मनाया जाता है?
अ. गोवा ब. तमिलनाडु
स. उत्तरप्रदेश द. राजस्थान
उत्तर- ब. तमिलनाडु

53. सत्रिया नृत्य निम्न में से किस राज्य से संबंधित है?
अ. असम ब. केरल
स. आंध्रप्रदेश द. कर्नाटक
उत्तर- अ. असम

54. भांगड़ा/गिद्दा निम्न में से किस राज्य से संबंधित हैं?
अ. असम ब. पंजाब
स. गुजरात द. बिहार
उत्तर- ब. पंजाब

55. बोनालु त्योहार निम्न में से किस राज्य में देवी महाकाली की पूजा करने के लिए मनाया जाता है?
अ. तेलंगाना ब. असम
स. मध्यप्रदेश द. केरल
उत्तर- अ. तेलंगाना

56. गोंचा महोत्सव निम्न में से किस राज्य में मनाया जाता है?
अ. छत्तीसगढ़ ब. कर्नाटक
स. झारखण्ड द. ओडिशा
उत्तर- अ. छत्तीसगढ़

57. गरबा निम्न में से किस राज्य से संबंधित है?
अ. असम ब. पंजाब
स. गुजरात द. बिहार
उत्तर- स. गुजरात

58. रउफ निम्न में से किस राज्य संबंधित है?
अ. जम्मू-कश्मीर
ब. पंजाब
स. गुजरात
द. बिहार
उत्तर- अ. जम्मू-कश्मीर

59. निम्न में से कौनसा नृत्य मणिपुर का शास्त्रीय नृत्य है?
अ. मणिपुरी ब. माण्डी
स. लाम्बी द. मुणरी
उत्तर- अ. मणिपुरी

60. सवारी और मुनरी किस राज्य के लोकनृत्य हैं?
अ. ओडिशा
ब. असम
स. आंध्रप्रदेश
द. हिमाचल प्रदेश
उत्तर- अ. ओडिशा

61. निशागंधी उत्सव भारत के किस राज्य में मनाया जाता है?
अ. केरल ब. ओडिशा
स. मध्यप्रदेश द. राजस्थान
उत्तर- अ. केरल

- इमरत खरते
(लेखक, प्रतियोगिता परीक्षाओं की तैयारी वाले विषयों पर लेखन करते हैं।)

सिविल जज चयन परीक्षा में अव्वल रहे अभ्यर्थी का साक्षात्कार

सफलता की कोई संक्षिप्त राह नहीं होती : युवराज सिंह

मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय ने पिछले दिनों सिविल जज (कनिष्ठ संवर्ग) का परिणाम घोषित किया, जिसमें इन्दौर के युवराज दीक्षित ने पहला स्थान पाया। उनकी इस सफलता की तथा-कथा जानने के लिए - "रोज़गार और निर्माण" ने उनसे बातचीत की। प्रस्तुत है बातचीत के सम्पादित अंश -

■ **किसी भी प्रतियोगी परीक्षा में सर्वोच्च स्थान पाना एक गौरवपूर्ण उपलब्धि होती है। युवराज यह गौरव आपने हासिल किया उसके लिए बधाई। क्या आपको सर्वोच्च स्थान की उम्मीद थी ?**

□ बधाई के लिए धन्यवाद सर, मैंने इस प्रतियोगी परीक्षा के लिए कड़ी मेहनत की थी और सभी सम्भावित अध्यायों की अच्छी तरह से तैयारी भी की थी। अतः अच्छी रैंक की उम्मीद तो मुझे थी मगर मैं इस परीक्षा में सर्वोच्च स्थान पर रहूंगा यह मेरे लिए उम्मीद से कहीं अधिक बड़ी उपलब्धि रही। यह इस प्रतियोगी परीक्षा में हिस्सेदारी का मेरा दूसरा अवसर था। पिछले साल मैं कट ऑफ मार्क्स से एक अंक की कमी से चयनित होने से चूक गया था। मैंने पिछली बार तैयारियों में रही कमी की पहचान को दूर कर अपनी पूरी क्षमता के साथ तैयारी कर यह गौरवमयी उपलब्धि हासिल की।

■ **आपकी पारिवारिक पृष्ठभूमि के बारे में बताइये। आप इस सफलता का श्रेय किसे देना चाहेंगे ?**

□ मेरे पिता सुदेश दीक्षित पहले साइकल सुधारने का काम करते थे बाद में वर्ष 1990 में नगर निगम इन्दौर में जब कर्मचारियों की भर्ती की विज्ञप्ति निकली तो पापा नगर निगम में दरोगा बन गये। माँ श्रीमती मंजू दीक्षित शासकीय शारदा कन्या विद्यालय में स्कूल में शिक्षिका हैं। मध्यम आय वर्ग में पालन-पोषण के बावजूद मेरे माता-पिता ने मेरी अच्छी परवरिश की और मैंने जब जहाँ पढ़ना चाहा उसकी व्यवस्था की। मैं अपनी इस सफलता का श्रेय सर्वप्रथम अपने माता-पिता और परिवारजन को देना चाहूँगा। मैं इस सफलता का श्रेय अपने शिक्षक डॉ. प्रमोद भटेले को भी देना चाहूँगा। इस परीक्षा के लिए बाकी तैयारी तो मैंने स्वयं की, लेकिन राज्य में जो कानून विशेष तौर पर चलते हैं, उनके बारे में अलग से पढ़ाई करने और उन्हें आसान भाषा में समझने के लिए मुझे मेरे शिक्षक डॉ. प्रमोद भटेले ने काफी मदद की। जब भी मुझे कोई समस्या आती थी या फिर कोई कानून समझ में नहीं आता तो सर मुझे बेहद सरल भाषा में समझाते थे। उनकी इस सहायता से ही मैं यह उपलब्धि हासिल कर पाया।

■ **आपने न्यायिक सेवा में ही जाने का मन क्यों बनाया? आपने इस प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कैसे की, क्या आपने इसके लिए प्रतियोगी परीक्षा के लिए कोचिंग ली थी?**

□ बचपन से ही मेरा सपना न्यायिक सेवा में जाने का था। मुझे न्यायप्रिय शासकों के बारे में पढ़कर काफी अच्छा लगता था और जैसा कि मैंने अभी बताया कि जस्टिस हँसराज खन्ना की एक पुस्तक ने भी मुझे प्रेरित किया। मैं जनसामान्य को न्याय दिलवाने को एक नैतिक दायित्व मानता हूं। इसी वजह से मैंने वर्ष 2020 में लॉ कॉलेज में एडमिशन लिया और इसी के साथ सिविल जज की प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी भी शुरू कर दी। मैंने परीक्षा की तैयारी सेल्फ नोट्स से की और लगातार रिवीजन की पद्धति को अपनाया। पहली बार असफल होने के बाद कड़ी मेहनत की। यह दूसरा प्रयास था। मुझे समय रहते यह सच समझ में आ गया था कि सिर्फ बारह-बारह घण्टे पढ़ाई करने या परीक्षा में सम्भावित अध्यायों को रटने से सफलता हासिल नहीं होती, बल्कि लक्ष्य के मुताबिक रणनीति बनाकर पढ़ने से ही सफलता मिलती है। रटने से किसी भी परीक्षा के परिणाम प्राप्तांक के लिहाज से तो संतोषप्रद कहे जा सकते हैं लेकिन उससे प्रेक्टिकल नॉलेज कमजोर रहता है। पढ़ाई के लिए लगातार बीच-बीच में समय निकालना होता है और इसी बीच परिवार को भी वक्त देना होता है गोया प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी के लिए फुलप्रूफ मैनेजमेंट (त्रुटिरहित प्रबन्धन) जरूरी होता है।

■ **मोबाइल के बढ़ते प्रचलन और सोशल मीडिया यथा व्हाट्सएप और फेसबुक पर इन दिनों युवाओं का काफी समय खर्च होता है। आप इस बारे में क्या सोचते हैं?**

□ युवाओं, खासतौर पर ऐसे युवा जो किसी प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहें हैं उन्हें तो इस सोशल मीडिया से दूरी बनाए रखना बेहद जरूरी होता है। इस बारे में आत्मनियंत्रण ही सबसे पुरअसर होता है। यदि हम दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ मोबाइल के उपयोग को बंद कर दें तो हम काफी समय स्व-अध्ययन को दे सकते हैं। हाल ही में एक मनोवैज्ञानिक ने प्रतियोगी परीक्षाओं में शामिल होने वाले युवाओं की वृत्ति में बदलाव की जरूरत पर अपने एक शोध पत्र में लिखा था कि इन युवाओं को- "से नो टू सोशल मीडिया" का तरीका अपनाया होगा।

■ **युवराज आप इस सफलता के बाद विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में शामिल होने वाले प्रत्याशियों को - "रोज़गार और निर्माण" के माध्यम से कुछ कहना चाहेंगे?**

□ मैं प्रतियोगी परीक्षाओं में हिस्सा लेने वाले सभी प्रतिभागियों से यही कहना चाहूंगा कि किसी भी प्रतियोगी परीक्षा में सफलता के लिए आपको निर्धारित सिलेबस की व्यापक तैयारी करना होगी। इन परीक्षाओं में सफलता की न तो कोई संक्षिप्त राह होती है न कोई सुगम तरीका। कड़ी मेहनत और गहन अध्ययन से ही आप इस सफलता को हासिल कर सकते हैं। दृढ़ इच्छाशक्ति और परीक्षा की तैयारियों के लिए अधिक से अधिक समय देकर ही आप प्रतियोगी परीक्षा में अपेक्षित सफलता पा सकते हैं।

- राजा दुबे

(लेखक : जनसम्पर्क के सेवानिवृत्त संयुक्त संचालक हैं।)

आत्मनिर्भरता के क्षेत्र में बढ़ते कदम

स्वदेशी जहाजों से सुदृढ़ हो रही समुद्री रक्षा

सेना की सर्वोच्च कमांडर राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु द्वारा 17 अगस्त को पश्चिम बंगाल के कोलकाता स्थित गार्डन रीच शिपबिल्डर्स इंजीनियर्स लिमिटेड में भारतीय नौसेना के 17ए फ्रिगेट्स का छठवां जहाज 'विंध्यगिरि' लॉन्च किया गया। इस स्वदेशी जहाज का निर्माण आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में भी एक कदम है। विंध्यगिरि, प्रोजेक्ट 17ए का हिस्सा है, जो आत्मनिर्भरता और तकनीकी प्रगति के लिए हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह परियोजना अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी विकसित करने के लिए स्वदेशी नवाचार को प्रदर्शित करती है। विंध्यगिरि का प्रक्षेपण भारत की समुद्री क्षमताओं को बढ़ाने की दिशा में आगे बढ़ने का प्रतीक है। प्रोजेक्ट पी-17ए के तहत सात जहाजों के लॉन्च के महत्वपूर्ण प्रयास की कल्पना की गयी है। विंध्यगिरि का सफल निर्माण और लॉन्च इस श्रृंखला के छठवें जहाज के रूप में किया गया है।

किन पर्वत श्रृंखलाओं के नाम पर रखे गए हैं जहाजों के नाम?

प्रोजेक्ट 17ए कार्यक्रम के तहत मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (एमडीएल) को चार और गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड (जीआरएसई) को तीन जहाजों का निर्माण सौंपा गया था। इस परियोजना के पहले पांच जहाज तारागिरि, उदयगिरि, दुनागिरि, नीलगिरि, हिमगिरि लॉन्च किए जा चुके हैं। भारत में पर्वत श्रृंखलाओं के नाम पर इन सभी जहाजों के नाम रखे गए हैं। इस परियोजना को स्टील्थ गाइडेड-मिसाइल फ्रिगेट की एक श्रृंखला का निर्माण करने के लिए लॉन्च किया गया था। प्रोजेक्ट 17ए का कुल मूल्य लगभग 25,700 करोड़ रुपये है।

अब तक लॉन्च हुए जहाज

विंध्यगिरि : विंध्यगिरि प्रोजेक्ट 17ए फ्रिगेट्स का छठवां जहाज है। इसका नाम कर्नाटक की पर्वत श्रृंखला के नाम पर रखा गया है। गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड, कोलकाता में निर्मित इस जहाज पर ब्रह्मोस मिसाइल की भी तैनाती हो सकती है। इस युद्धपोत में बेहतर स्टील्थ फीचर्स, उन्नत हथियार और सेंसर और प्लेटफॉर्म प्रबंधन सिस्टम हैं। तकनीकी रूप से उन्नत यह फ्रिगेट अपने पूर्ववर्ती लिंडर क्लास एएसडब्ल्यू फ्रिगेट आईएनएस विंध्यगिरि को विशिष्ट सेवा के लिए एक तरह से श्रद्धांजलि है। आईएनएस विंध्यगिरि ने 8 जुलाई, 1981 को नौसेना में शामिल होकर 11 जून, 2012 तक विभिन्न चुनौतीपूर्ण अभियानों और बहुराष्ट्रीय अभ्यासों के दौरान लगभग 31 वर्षों तक सेवा दी थी। नवनिर्मित विंध्यगिरि स्वदेशी रक्षा क्षमताओं के साथ आगे बढ़ते हुए अपनी समृद्ध नौसैनिक विरासत को संभालने के लिए तैयार है।

तारागिरि : मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स (एमडीएल) ने भारतीय नौसेना के प्रोजेक्ट 17ए फ्रिगेट के 5वें स्टील्थ युद्धपोत 'तारागिरि' को मुंबई में 12 सितंबर, 2022 को लॉन्च किया गया था। गढ़वाल में स्थित हिमालय की एक पहाड़ी श्रृंखला के नाम पर तारागिरि प्रोजेक्ट 17ए फ्रिगेट्स के पांचवे जहाज का नामकरण किया गया है। तारागिरि जहाज 3,510 टन वजनी है। यह 149 मीटर लंबा और 17.8 मीटर चौड़ा है और इसे दो गैस टर्बाइन व दो मुख्य डीजल इंजनों के मेल से संचालित किया जाएगा। इसकी गति 28 समुद्री मील यानि लगभग 52 किलोमीटर प्रति घंटे से अधिक होगी। INS तारागिरि का डिस्प्लेसमेंट 6,670 टन है।

दुनागिरि : गार्डनरीच शिपबिल्डर्स इंजीनियरिंग लिमिटेड (जीआरएसई) द्वारा तैयार किए गए स्वदेशी युद्धपोत 'दुनागिरि' की लॉन्चिंग 15 जुलाई 2022 को की गई थी। यह प्रोजेक्ट 17ए फ्रिगेट के तहत चौथा युद्धपोत है। इसका नाम उत्तराखंड राज्य में एक पर्वत श्रृंखला के नाम पर रखा गया है। युद्धपोत आईएनएस दुनागिरि की खासियत की बात करें तो यह समुद्र में छिपकर वार करने में सक्षम है। इसका डिस्प्लेसमेंट 6600 टन है। लंबाई 144 मीटर यानी 472 फीट है। इसकी अधिकतम गति 59 किलोमीटर प्रतिघंटा है। यह एक बार में 9000 किलोमीटर की यात्रा करने में सक्षम है। अत्याधुनिक तकनीकों से लैस होने की वजह से किसी भी राडार की पकड़ में नहीं आने वाला और हर तरह के हथियार लेकर जाने में सक्षम है।

उदयगिरि : 17 मई, 2022 को लॉन्च किए उदयगिरि युद्धपोत का नाम आंध्रप्रदेश की पर्वत श्रृंखला के नाम पर रखा गया है। यह परियोजना 17ए का तीसरा फ्रिगेट है। इन्हें पी17 फ्रिगेट (शिवालिक श्रेणी) का अनुपालन करते हुए संशोधित स्टेल्थ विशेषताओं, उन्नत हथियारों, संवेदी उपकरणों और प्लेटफार्म प्रबंधन प्रणालियों से लैस किया गया है। उदयगिरि दरअसल पुराने 'उदयगिरि' का अवतार है, जो लिएंडर क्लास एएसडब्लू फ्रिगेट था। इस पोत ने 18 फरवरी, 1976 से 24 अगस्त, 2007 तक के तीन दशकों के दौरान असंख्य चुनौतीपूर्ण गतिविधियों का सामना करते हुए राष्ट्र की शानदार सेवा की थी।

हिमगिरि : 14 दिसंबर, 2020 को कोलकाता में स्टील्थ फ्रिगेट 'हिमगिरि' को लॉन्च किया गया। इसका निर्माण गार्डनरीच शिपबिल्डर्स (जीआरएसई) ने नौसेना के लिए प्रोजेक्ट पी-17ए के तहत किया है। इस जहाज का नाम और चिह्न लियेंडर क्लास शिप के पोत से मिला है जो 50 वर्ष पहले 1970 में लॉन्च किया गया था। हिमालय क्षेत्र में हिमगिरि पर्वत श्रेणी आती है। आईएनएस हिमगिरि एक गाइडेड मिसाइल फ्रिगेट है। यह 149 मीटर लंबा है और लगभग 28 समुद्री मील की गति के साथ 6670 टन का विस्थापन करने में सक्षम है।

नीलगिरि : आईएनएस नीलगिरि (INS Nilgiri) को मुंबई में मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड में 28 सितंबर, 2019 को लॉन्च किया गया था। परियोजना 17ए का पहला जहाज है आईएनएस नीलगिरि। नीलगिरि पहाड़ियां तमिलनाडु राज्य का पर्वतीय क्षेत्र है, यह पर्वतमाला पश्चिमी घाट श्रृंखला का हिस्सा हैं। इस जहाज को बनाने की शुरुआत 28 दिसंबर, 2017 को की गई थी और इसे 28 सितंबर, 2019 को लॉन्च किया गया था। जहाज के अगस्त 2022 तक चालू होने की उम्मीद है। 28 समुद्री मील की अधिकतम गति वाला 6,800 टन के इस जहाज की रेंज लगभग 5,000 मील है।

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

- फ्रिगेट (Frigate), एक प्रकार का युद्धपोत होता है। जबकि स्टील्थ फ्रिगेट में स्टील्थ टेक्नोलॉजी का उपयोग किया जाता है ताकि फ्रिगेट को रडार, सोनार और इन्फ्रारेड मैथेड्स से बचाया जा सके।
- 'आत्मनिर्भर भारत' के दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए, प्रोजेक्ट 17ए के 75 प्रतिशत से अधिक ऑर्डर एमएसएमई सहित स्वदेशी फर्मों को दिए गए हैं। आर्थिक विकास, रोजगार सृजन, देश में एमएसएमई और सहायक उद्योग की वृद्धि जहाज निर्माण परियोजना के सकारात्मक परिणाम हैं।
- प्रोजेक्ट 17ए फ्रिगेट्स प्रोजेक्ट 17 (शिवालिक क्लास) फ्रिगेट्स का अनुवर्ती वर्ग है, जिसमें बेहतर स्टील्थ फीचर्स, उन्नत हथियार, सेंसर और प्लेटफॉर्म प्रबंधन सिस्टम हैं। एडवांस्ड स्टील्थ फ्रिगेट्स का डिजाइन भारतीय नौसेना के लिए तकनीकी रूप से उन्नत युद्धपोतों को डिजाइन करने में युद्धपोत डिजाइन ब्यूरो की शक्ति को भी प्रदर्शित करता है।
- प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 2 सितंबर, 2022 को केरल के समुद्री तट से पहले स्वदेशी विमान वाहक पोत आईएनएस विक्रांत को राष्ट्र की सेवा में समर्पित किया था। आईएनएस विक्रांत का डिजाइन भारतीय नौसेना की अपनी संस्था वॉरशिप डिजाइन ब्यूरो ने तैयार किया है तथा इसका निर्माण पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय के अधीन सार्वजनिक क्षेत्र की शिपयार्ड कंपनी, कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड ने किया है। विक्रांत का निर्माण अत्याधुनिक स्वचलित विशेषताओं से लैस है और वह भारत के सामुद्रिक इतिहास में अब तक का सबसे विशाल निर्मित पोत है।

- रश्मि रंजन

(लेखिका, समसामयिक विषयों पर लेखन करती हैं।)

खेल चर्चा

ओवल इंविसिबल ने जीता द हंड्रेड टूर्नामेंट

लंदन, इंग्लैंड के घरेलू क्रिकेट टूर्नामेंट द हंड्रेड लीग में पुरुष वर्ग का खिताब ओवल इंविसिबल टीम ने जीता है। टूर्नामेंट के फाइनल में ओवल इंविसिबल ने मैनचेस्टर ओरिजनल्स को 14 रन से हराया। मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए ओवल इंविसिबल ने निर्धारित 100 गेंदों में 161 रन बनाये। ओवल के लिए टॉम करेन ने 67 और जेम्स नीशम ने 57 रन बनाये। इसके जवाब में जोस बटलर की कप्तानी वाली मैनचेस्टर ओरिजनल्स की टीम 147 रन ही बना सकी। मैनचेस्टर के लिए मैक्स होल्डेन ने सबसे ज्यादा 37 रनों की पारी खेली, लेकिन वे अपनी टीम को जीत नहीं दिला सके। टूर्नामेंट में महिला वर्ग का खिताब सदर्न वेब ने जीता। सदर्न वेब ने फाइनल में नॉदर्न सुपरचार्जर्स को 34 रन से हराया

आईसीसी क्रिकेट विश्वकप-2023 के लिए भारतीय टीम की घोषणा

रोहित संभालेंगे भारतीय टीम की कमान

मुंबई, भारत की मेजबानी में खेले जाने वाले आईसीसी वन-डे क्रिकेट विश्वकप के लिए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने भारतीय क्रिकेट टीम का ऐलान कर दिया है। विश्वकप में भारत टीम का नेतृत्व रोहित शर्मा करेंगे। वहीं ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या टीम के उपकप्तान होंगे।

बीसीसीआई ने बताया कि विश्वकप के लिए चयनित 15 सदस्यीय टीम में सात बल्लेबाज, चार गेंदबाज और चार ऑलराउंडरों को जगह दी गई है। एशिया कप के लिए भारतीय टीम में शामिल तिलक वर्मा और प्रसिद्ध कृष्णा भारतीय टीम में जगह नहीं बना सके। बीसीसीआई ने बताया कि भारतीय टीम में के.एल. राहुल और ईशान किशन विकेटकीपर बल्लेबाज की भूमिका निभायेंगे। टीम में हार्दिक और शार्दुल पेस ऑलराउंडर होंगे, वहीं जडेजा और अक्षर स्पिन ऑलराउंडर के रूप में टीम में चुने गए हैं।

आईसीसी के नियम के अनुसार इस विश्वकप में हिस्सा लेने वाली सभी टीमों को 5 सितम्बर तक 15 सदस्यीय टीम घोषित करना अनिवार्य है, हालांकि टीमें 28 सितम्बर तक टीम में बदलाव कर सकती हैं। इस विश्वकप में भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत 8 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ करेगी।

विश्वकप में भारत के मैच

1.	ऑस्ट्रेलिया से	8 अक्टूबर
2.	अफगानिस्तान से	11 अक्टूबर
3.	पाकिस्तान से	14 अक्टूबर
4.	बांग्लादेश से	19 अक्टूबर
5.	न्यूजीलैंड से	22 अक्टूबर
6.	इंग्लैंड से	29 अक्टूबर
7.	श्रीलंका से	2 नवम्बर
8.	दक्षिण अफ्रीका से	5 नवम्बर
9.	नीदरलैंड्स से	12 नवम्बर

- **वन-डे क्रिकेट विश्वकप 5 अक्टूबर से 19 नवम्बर तक भारत में होगा।**
- **राउंड रोबिन फॉर्मेट में खेला जाएगा यह विश्वकप।**
- **भारत में चौथी बार खेला जाएगा वन-डे विश्वकप।**
- **पहली बार भारत अकेले करेगा वन-डे विश्वकप की मेजबानी।**
- **अब तक 12 बार हो चुका है वन-डे विश्वकप का आयोजन।**
- **ऑस्ट्रेलिया ने सबसे ज्यादा 5 बार जीता है आईसीसी वन-डे विश्वकप।**
- **भारत और वेस्टइंडीज ने 2-2 बार तथा पाकिस्तान, श्रीलंका एवं इंग्लैंड 1-1 बार जीत चुके हैं वन-डे विश्वकप।**

विश्वकप के लिए भारतीय टीम- रोहित शर्मा, शुभमन गिल, ईशान किशन, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, के.एल. राहुल, सूर्यकुमार यादव, हार्दिक पंड्या, रविंद्र जडेजा, शार्दुल ठाकुर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, मोहम्मद शमी, कुलदीप यादव और अक्षर पटेल।

डी गुकेश बने भारत के नंबर वन शतरंज खिलाड़ी

नई दिल्ली, ग्रैंड मास्टर डी गुकेश भारत के शीर्ष शतरंज खिलाड़ी बन गए हैं। गुकेश ने तीन दशक से अधिक समय से शीर्ष पर काबिज महान शतरंज खिलाड़ी विश्वनाथन आनंद की बादशाहत खत्म कर दी है। विश्वनाथन आनंद वर्ष 1986 से भारत के नंबर वन शतरंज खिलाड़ी थे। विश्व शतरंज की शीर्ष संस्था फिडे द्वारा जारी रैंकिंग में डी गुकेश ने 2758 अंक हासिल कर आठवां स्थान हासिल किया है। इस रैंकिंग में विश्वनाथन आनंद (2754) नौवें स्थान पर काबिज हैं। इस सूची में फिडे विश्वकप के विजेता मैग्नस कार्लसन पहले स्थान पर हैं।

वर्स्टापेन ने जीती लगातार दसवीं फॉर्मूला-वन रेस

मोंजा, विश्व के नंबर वन फॉर्मूला-वन रेसर मैक्स वर्स्टापेन ने जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए मौजूदा सत्र में लगातार दसवीं रेस जीत ली है। वर्स्टापेन ने इटैलियन ग्रांप्री फॉर्मूला-वन रेस को जीतकर यह कारनामा किया। वर्स्टापेन ने 51 लैप की इस रेस को एक घंटा 13 मिनट 41 सेकेंड में पूरा किया। रेस में वर्स्टापेन के टीम साथी सर्जियो पेरेज दूसरे, कार्लोस सेंज तीसरे, चार्ल्स लेकलर्क चौथे और जॉर्ज रसेल पांचवें स्थान पर रहे।

एशिया कप

नेपाल को हराकर भारत ने सुपर-4 राउंड में बनाई अपनी जगह

पल्लेकल, भारतीय क्रिकेट टीम ने एशिया के सुपर-4 राउंड में जगह बना ली है। भारत ने एशिया कप में अपने दूसरे मैच में नेपाल को 10 विकेट से हराकर सुपर-4 राउंड के लिए क्वालिफाई किया।

मैच में भारत ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया, लेकिन मैच में भारतीय गेंदबाजों ने निराश किया और अपेक्षाकृत कमजोर नेपाल की पारी को जल्द समेटने में असफल रही। नेपाल की टीम 48.2 ओवरों में 230 रन बनाने में सफल रही। नेपाल को कुशल भुर्तेल (38) और आसिफ शेख (58) ने शानदार शुरुआत दिलाई और पहले विकेट के लिए 65 रन जोड़े। इसके बाद भारतीय गेंदबाजों ने वापसी की और 100 रन के भीतर तीन विकेट झटके। नेपाल के लिए निचले क्रम में सोमपाल कामी (48) और दीपेंद्र ऐरी (29) ने उपयोगी पारियां खेलीं।

लक्ष्य का पीछा करने उतरे भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाजों ने धीमी और सधी शुरुआत की। बारिश के कारण मैच काफी समय तक रुका रहा जिसके कारण

भारत को डकवर्थ-लुईस नियम के तहत 23 ओवरों में 145 रनों का संशोधित लक्ष्य मिला। रोहित शर्मा ने 59 गेंदों में 74 और शुभमन गिल ने 62 गेंदों में 67 रन बनाते हुए भारत को बिना विकेट खोए लक्ष्य तक पहुंचा दिया।

कमजोर रही भारत की फील्डिंग

मैच में भारत के फील्डरों का प्रदर्शन भी स्तरहीन नजर आया। नेपाल जैसी कमजोर टीम के खिलाफ भारतीय फील्डरों ने कई कैच टपकाए। नेपाल की पारी के पहले ओवर में ही श्रेयस अय्यर ने कुशल भुर्तेल का आसान कैच छोड़ दिया। कुशल को एक जीवनदान विकेटकीपर ईशान किशन ने भी दिया। विराट कोहली ने भी मैच के दूसरे ओवर में आसिफ का कैच छोड़ दिया।

नीरज को स्विट्जरलैंड पर्यटन ने किया सम्मानित

बर्न, भारत के स्टार खिलाड़ी और भालाफेंक खेल के नए विश्व चैंपियन नीरज चोपड़ा को स्विट्जरलैंड के पर्यटन विभाग ने उनकी उपलब्धियों के लिये सम्मानित किया है। नीरज स्विट्जरलैंड पर्यटन के मित्रता दूत हैं। स्विट्जरलैंड पर्यटन के वैश्विक साझेदारी प्रमुख पास्कल ग्रिंज ने कहा भारत के दिग्गज खिलाड़ी नीरज ने एक पूरी पीढ़ी को प्रेरित किया है। स्विट्जरलैंड पर्यटन में हम नीरज के साथ अपने जुड़ाव को लेकर बेहद खुश हैं।

ऑस्ट्रेलिया ने द. अफ्रीका में जीती ट्वेंटी-20 सीरीज

डरबन, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच खेली गई तीन मैचों की ट्वेंटी-20 सीरीज में ऑस्ट्रेलियाई टीम ने एकतरफा जीत दर्ज की है। ऑस्ट्रेलिया ने इस सीरीज को 3-0 से जीता है। सीरीज के तीसरे मैच में ऑस्ट्रेलिया ने दक्षिण अफ्रीका को 5 विकेट से हराया। मैच में दक्षिण अफ्रीका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवरों में 190 रन बनाये, लेकिन ऑस्ट्रेलियाई टीम ने सलामी बल्लेबाज ट्रेविस हेड की तूफानी पारी की बदौलत 17.5 ओवरों में 5 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। हेड ने 48 गेंदों में 91 रन बनाये।

एशिया कप में भारत ने पाकिस्तान को दी मात

पुरुष हॉकी-5 एस टीम ने विश्वकप के लिये किया क्वालिफाइ

सलालाह, भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने हॉकी-5 एस एशिया कप टूर्नामेंट जीत लिया है। ओमान में खेले गए टूर्नामेंट के फाइनल में भारत ने अपने चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को बेहद रोमांचक मुकाबले में पेनाल्टी शूटआउट में 2-0 से हराकर खिताब अपने नाम किया।

फाइनल मैच में पहला गोल पाकिस्तान के अब्दुल रहमान ने मैच के पांचवें मिनट में किया। रहमान ने भारत के गोलकीपर सूरज को चकमा देकर गोल कर पाकिस्तान को बढ़त दिलाई। मैच के सातवें मिनट में जुगराज सिंह ने और दसवें मिनट में मनिंदर सिंह ने गोल कर भारत को 2-1 से आगे कर दिया। पहले हाफ के खत्म होने से पहले

- **हॉकी-5 एस एशिया कप का आयोजन पहली बार किया गया है।**
- **यह टूर्नामेंट 29 अगस्त से 2 सितम्बर तक ओमान के सलालाह शहर में आयोजित किया गया।**

13वें मिनट में अब्दुल राणा और 14वें मिनट में जिकरिया हयात ने गोल कर पाकिस्तान की बढ़त को 3-2 कर दिया।

दूसरे हाफ के 19वें मिनट में पाकिस्तान के अरशद लियाकत ने गोल कर स्कोर 4-2 कर दिया। भारत के मोहम्मद राहिल ने मैच के 19वें और 26वें मिनट में गोल कर भारत को 4-4 की बराबरी पर ला दिया। निर्धारित समय तक स्कोर बराबर रहने पर मैच का फैसला पेनाल्टी शूटआउट के जरिए हुआ।

मोहन बागान ने 17वीं बार डूरंड कप जीत अपने नाम किया खिताब

- **डुरंड कप भारत का सबसे पुराना फुटबॉल टूर्नामेंट है, जो वर्ष 1888 से आयोजित किया जा रहा है।**
- **मोहन बागान 17 और ईस्ट बंगाल 16 बार बन चुका है डुरंड कप का विजेता।**

कोलकाता, फुटबॉल क्लब मोहन बागान ने डूरंड कप का खिताब अपने नाम किया है। मोहन बागान ने कोलकाता के सॉल्ट लेक स्टेडियम में खेले गए फाइनल मुकाबले में अपने चिर प्रतिद्वंद्वी क्लब ईस्ट बंगाल को 1-0 से हराया। मोहन बागान क्लब ने रिकॉर्ड 17वीं बार यह प्रतिष्ठित खिताब जीता है।

फाइनल मुकाबले में दोनों टीमों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। मैच के पहले हाफ में दोनों टीमों ने गोल करने के कई प्रयास किए, लेकिन कोई भी टीम गोल करने में सफल नहीं हुई।

दूसरे हाफ में मोहन बागान के दिमित्री पेट्राटोस ने 71वें मिनट में बेहतरीन गोल दागकर मोहन बागान को सफलता दिलाई। यह गोल मैच में निर्णायक साबित हुआ। निर्धारित समय तक मैच में 1-0 से आगे रहते हुए मोहन बागान ने ट्रॉफी अपने नाम की।

एशियन गेम्स - 2022

भारतीय दल में मध्यप्रदेश के 43 खिलाड़ी शामिल

भोपाल, आगामी 23 सितंबर से 8 अक्टूबर तक चीन के हांग्जो में 19वें एशियन गेम्स-2022 की शुरुआत होगी। इस बार एशियन गेम्स में मध्यप्रदेश के 43 खिलाड़ी विभिन्न खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिये तैयार हैं।

एशियन गेम्स में मध्यप्रदेश खेल अकादमी के 19 खिलाड़ी, मध्यप्रदेश के (अकादमी के बाहर के) 11, स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया के 3, मध्यप्रदेश खेल अकादमी के 7 पूर्व खिलाड़ी तथा 3 खिलाड़ी जो अकादमी के एसोसिएट मेम्बर हैं भारतीय दल में शामिल हैं।

एशियन गेम्स में मध्यप्रदेश खेल अकादमी के सबसे ज्यादा वाटर स्पोर्ट्स के खिलाड़ियों का चयन हुआ है। इसमें **कैनो क्वाकिंग-केनोइंग** - अर्जुन सिंह, नीरज वर्मा, शिवानी वर्मा, कावेरी, ओ विनीता देवी, प्राची यादव और मनीषा कौरव (दोनों पैरा कैनो)। **रोइंग** - रुक्मणी दांगी। **घुड़सवारी** में मध्यप्रदेश अकादमी के राजू सिंह और सुप्रिती हजेला का चयन एशियन गेम्स के लिये किया गया है। **शूटिंग** इवेंट में मध्यप्रदेश अकादमी के एश्वर्य प्रताप सिंह तोमर और आशी चौकसे भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करेंगे। मध्यप्रदेश मार्शल आर्ट अकादमी के कपिल परमार **जूडो** (ब्लाइंड जूडो कैटेगरी) खेल में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। अकादमी के दो एसोसिएट मेम्बर दीक्षा और सपना बर्मन भारतीय **एथलेटिक्स** दल का हिस्सा होंगी।

खेल और युवा कल्याण विभाग मध्य प्रदेश

- **एशियाई खेल वर्ष 1951 से आयोजित किए जा रहे हैं।**
- **एशियाई खेलों में भारत ने अब तक 155 स्वर्ण, 158 रजत और 244 कास्यं पदक जीते हैं।**

सलालम - शुभम केवट, शिखा चौहान, हितेश केवट, विशाल वर्मा। **सेलिंग** - नेहा ठाकुर, शीतल वर्मा, हर्षिता तोमर। **क्वाकिंग-केनोइंग** - अर्जुन सिंह, नीरज

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

सामयिकी

आदित्य एल-1 ने भेजी
पृथ्वी और चंद्रमा के एक फ्रेम की तस्वीर

भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी इसरो के सौर मिशन आदित्य एल-1 ने फोटो भेजी है। इस फोटो में आदित्य एल-1 के कई उपकरण

दिखाई दे रहे हैं। इसरो ने सोशल मीडिया पर इसे साझा किया है। यह फोटो आदित्य एल-1 में लगे कैमरे में कैद हुई है। आदित्य एल-1 ने बीते 4 सितंबर को भी एक तस्वीर ली थी।

आदित्य एल-1 के बारे में

- आदित्य एल-1 को दो सितंबर को आंध्रप्रदेश के श्रीहरिकोटा स्पेस सेंटर से लॉन्च किया गया।
- 128 दिन की अंतरिक्ष की यात्रा करेगा पूरी।
- आदित्य एल-1 पर लगे पेलोड सूरज की रोशनी, प्लाज्मा और चुंबकीय क्षेत्र का अध्ययन करेंगे।

आसियान देशों के साथ मिलकर भारत व्यापक रणनीतिक साझेदारी को करेगा मजबूत - श्री मोदी

20वां आसियान-भारत शिखर सम्मेलन और 18वां पूर्व एशिया शिखर सम्मेलन संपन्न

इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता में दक्षिण पूर्व एशियाई देशों के संगठन 20वें आसियान-भारत शिखर सम्मेलन और 18वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन (ईएएस) में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी शामिल हुए। बैठक के दौरान प्रधानमंत्री श्री मोदी ने आसियान-भारत व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत बनाने और इसके भविष्य की रूपरेखा तैयार करने पर आसियान भागीदारों के साथ व्यापक चर्चा की। इस दौरान प्रधानमंत्री श्री मोदी ने 12 सूत्रीय प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

12 सूत्रीय प्रस्ताव के प्रमुख बिंदु

- दक्षिण-पूर्व एशिया-भारत-पश्चिम एशिया-यूरोप को जोड़ने वाले मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी और आर्थिक गलियारे की स्थापना।
- आसियान साझेदारों के साथ भारत के डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर स्टैक को साझा करने की पेशकश।
- डिजिटल परिवर्तन और वित्तीय कनेक्टिविटी में सहयोग पर ध्यान केंद्रित करते हुए डिजिटल भविष्य के लिए आसियान-भारत कोष की घोषणा।
- हमारी सहभागिता बढ़ाने के लिए ज्ञान साझेदार के रूप में कार्य करने हेतु आसियान और पूर्वी एशिया के आर्थिक और अनुसंधान संस्थान को समर्थन की पुन:स्थापना की घोषणा।
- विकासशील देश (ग्लोबल साउथ) के समक्ष आने वाले मुद्दों को बहुपक्षीय मंचों पर सामूहिक रूप से उठाने का आह्वान।
- आसियान देशों को भारत में डब्ल्यूएचओ द्वारा स्थापित किए जा रहे ग्लोबल सेंटर फॉर ट्रेडिशनल मेडिसिन में शामिल होने का आमंत्रण।
- मिशन लाइफ पर एक साथ काम करने का आह्वान।
- जन-औषधि केंद्रों के माध्यम से लोगों को किफायती और गुणवत्तापूर्ण दवाएं प्रदान करने संबंधी भारत के अनुभव को साझा करने की पेशकश।
- आतंकवाद, आतंक के वित्त पोषण और साइबर-दुष्प्रचार के खिलाफ सामूहिक लड़ाई का आह्वान।
- आसियान देशों को आपदा प्रतिरोधी अवसंरचना के लिए गठबंधन में शामिल होने के लिए आमंत्रण और आपदा प्रबंधन में सहयोग का आह्वान।
- समुद्री सुरक्षा, संरक्षा और डोमेन कार्य क्षेत्र जागरूकता पर सहयोग बढ़ाने का आह्वान।
- दो संयुक्त वक्तव्यों - एक समुद्री सहयोग पर और दूसरा खाद्य सुरक्षा पर, को अंगीकार किया।

आसियान क्या है?

आसियान की स्थापना 8 अगस्त,1967 को थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में की गई थी। वर्तमान में ब्रूनेई, कंबोडिया, इंडोनेशिया, लाओस, मलेशिया, म्यांमार, फिलीपींस, सिंगापुर, थाईलैंड और वियतनाम इसके दस सदस्य देश हैं। भारत और आसियान का अपने द्विपक्षीय व्यापार को 100 अरब डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य है। वर्ष 2024 में आसियान की अध्यक्षता लाओस को सौंपी गई है।

भारत के समर्थन को रेखांकित किया

18वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में, प्रधानमंत्री ने ईएएस (ईस्ट एशिया समिट) तंत्र के महत्व को दोहराया और इसे और मजबूती प्रदान करने में सहायता देने की फिर से पुष्टि की। प्रधानमंत्री ने आसियान की केंद्रीयता के लिए भारत के समर्थन को रेखांकित किया तथा स्वतंत्र, खुले और नियम आधारित हिंद-प्रशांत सुनिश्चित करने का आह्वान किया।

यह एशिया-पैसिफिक क्षेत्र के 18 देशों के नेताओं द्वारा संचालित एक अनूठा मंच है जिसका गठन क्षेत्रीय शांति, सुरक्षा और समृद्धि के उद्देश्य से किया गया था।

पहली बार 36 कंटेनरों के साथ ईरान पहुंची रूस की ट्रांजिट ट्रेन

यूक्रेन युद्ध के बीच रूस ने पहली बार ईरान तक अपनी ट्रेन दौड़ाई है। रूस ने अंतर्राष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारे का उपयोग करके ईरान के माध्यम से सऊदी अरब को माल की आपूर्ति शुरू की है।

ईरानी रेलवे अधिकारियों ने कैस्पियन सागर के पूर्व में ईरान के पूर्वोत्तर गोलेस्तान प्रांत में तुर्कमेनिस्तान और ईरान के बीच अकायला-इन्चेह बोरुन सीमा पर 36 कंटेनरों के साथ पहली रूसी ट्रांजिट ट्रेन के आगमन की घोषणा की। सीमा शुल्क की औपचारिकताओं को पूरा करने के बाद, यह ट्रेन बंदर अब्बास बंदरगाह के लिए रवाना हुई। यह बंदरगाह ईरान के मुख्य समुद्री गेटवे में से एक है जो होर्मुज़ जलडमरूमध्य पर स्थित है। यहां से कंटेनरों को लाल सागर में स्थित सऊदी अरब के जेद्दा बंदरगाह जहाज से भेजा जाएगा।

- रूस ने उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारे का उपयोग करके माल भेजा है।
- कंटेनर ट्रेन में पहला निर्यात शिपमेंट मई में रूस के चेल्याबिंस्क में दक्षिणी यूराल रेलवे स्टेशन से शुरू हुआ और कजाकिस्तान के रास्ते तुर्कमेनिस्तान होते हुए ईरान पहुंचा।

गैबॉन में सेना ने किया तख्तापलट

नाइजर के बाद अब एक और अफ्रीकी देश में सैन्य तख्तापलट हो गया है। मध्य अफ्रीकी देश गैबॉन की सेना के अधिकारियों

- सैन्य अधिकारियों ने कहा कि वे सभी सिक्योरिटी और डिफेंस फोर्सेस का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। चुनाव के परिणाम को रद्द कर दिया गया है।

का एक दल राष्ट्रीय टेलीविजन चैनल पर सामने आया है और उसने सत्ता पर कब्जा करने का दावा किया। इन सैन्य अधिकारियों ने तख्तापलट का ऐलान ऐसे समय पर किया जब कुछ मिनट पहले ही देश के चुनाव आयोग ने राष्ट्रपति अली बोंगो को लगातार तीसरी बार चुनाव में विजयी घोषित किया था। बगावत करने वाले सैन्य अधिकारियों ने दावा किया कि चुनाव परिणाम फर्जी हैं। अगले आदेश तक देश की सारी सीमाओं को बंद कर दिया गया है और सभी सरकारी संस्थानों को भंग कर दिया गया है।

भारत की सफलता के बाद जापान ने लॉन्च किया मून मिशन

जापान की स्पेस एजेंसी ने अपना मून मिशन लॉन्च किया। मून मिशन स्नाइपर लैंडर के साथ H2-A रॉकेट तनेगाशिमा स्पेस सेंटर से स्थानीय समयानुसार सुबह 8:42 बजे लॉन्च किया गया। इसके तीन से चार महीने में चंद्रमा के ऑर्बिट में पहुंचने

मून मिशन एक नजर में

- जापान का मून मिशन नया एक्स-रे टेलिस्कोप और एक लाइट वेट हाई-प्रिशिसन स्पेक्ट्रोस्कोपी मून लैंडर ले गया है।
- यह भविष्य में चंद्रमा पर लैंडिंग तकनीक बेस के रूप में काम करेगा।
- रडार से लैस स्लिम लैंडर चंद्रमा के इक्वेटर पर लैंड करेगा।

और अगले साल जनवरी में लैंड करने की उम्मीद है। इसकी लॉन्चिंग डेट पहले 26 अगस्त थी। बाद में 28 अगस्त की गई, खराब मौसम की वजह से जापान एयरोस्पेस एक्सप्लोरेशन एजेंसी (जाक्सा) ने इसकी लॉन्चिंग टाल दी थी। चांद की सतह पर लैंडिंग की जापान की यह पहली कोशिश होगी। हालांकि, मई महीने में एक प्राइवेट जापानी कंपनी ने चांद पर उतरने की कोशिश की, जिसमें असफलता मिली। भारत के चंद्रयान 3 की कामयाबी के बाद अब जापान के स्लिम लैंडर पर दुनिया की नजरें हैं।

जी20 शिखर सम्मेलन

अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, यूरोपीय संघ सहित विभिन्न देशों के प्रतिनिधि हुए शामिल

नई दिल्ली के भारत मंडपम में जी20 देशों का दो दिवसीय शिखर सम्मेलन 9 और 10 सितंबर को संपन्न हुआ। इस शिखर सम्मेलन में दुनिया की महाशक्ति कहे जाने वाले देशों के राष्ट्राध्यक्ष, प्रमुख और प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया।

जी20 समूह

जी20 संगठन उन 19 देशों और यूरोपियन यूनियन से बना है जो संयुक्त रूप से विश्व के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में लगभग 85 फीसदी और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में 75 फीसदी का योगदान देते हैं। वह विश्व के लिए आर्थिक दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण होते हैं।

जी20 में शामिल देश

जी20 में भारत, अमेरिका, चीन, रूस, ब्राजील, कनाडा, अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस, जर्मनी, इंडोनेशिया, इटली, जापान, मैक्सिको, कोरिया गणराज्य, सऊदी अरब, दक्षिण अरब, तुर्किये, यूके और यूरोपीय संघ शामिल हैं।

समय के साथ बढ़ता गया समूह

जी20 समूह साल 1999 में अस्तित्व में आया था, जिसका मकसद वैश्विक आर्थिक संकट से उबारना था। सम्मेलन की शुरुआत में सदस्य देशों के वित्त मंत्रियों और प्रमुख बैंकों के गवर्नरों को बुलाया जाता था।

भारत मंडपम में 'शिव-नटराज' की स्थापना

जी20 शिखर सम्मेलन के लिए राजघाट के बाहरी क्षेत्रों के साथ-साथ दिल्ली के प्रमुख स्थानों और चौक-चौराहों का भी सौंदर्यीकरण किया गया था। भारत मंडपम में 'शिव-नटराज' की स्थापना की गई है।

नोबेल पुरस्कार समारोह

फाउंडेशन ने रूस, बेलारूस और ईरान से वापस लिया आमंत्रण

नोबेल फाउंडेशन ने इस साल के नोबेल पुरस्कार समारोह में भाग लेने के लिए रूस, बेलारूस और ईरान के प्रतिनिधियों को भेजा गया अपना आमंत्रण कड़ी आलोचनाओं के बाद वापस ले लिया। स्वीडन के कई सांसदों ने कहा कि वे राजधानी स्टॉकहोम में इस साल के नोबेल पुरस्कार समारोह का बहिष्कार करेंगे, क्योंकि प्रतिष्ठित पुरस्कारों का संचालन करने वाले निजी फाउंडेशन ने एक साल पहले के अपने रुख में बदलाव करते हुए इन तीन देशों के प्रतिनिधियों को समारोह में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया था। फाउंडेशन ने कहा था कि ऐसा करना (आमंत्रण देना) नोबेल पुरस्कार के महत्वपूर्ण संदेशों को सभी तक पहुंचाने को बढ़ावा देता है। बेलारूस की विपक्षी नेता स्वियातलाना सिखानौस्काया ने स्वीडन के नोबेल फाउंडेशन और नॉर्वे की नोबेल समिति से बेलारूसी राष्ट्रपति अलेक्जेंडर लुकाशेंको के अवैध शासन के प्रतिनिधियों को किसी भी कार्यक्रम में आमंत्रित नहीं करने की अपील की। फाउंडेशन ने कहा इसलिए उसने स्टॉकहोम में नोबेल पुरस्कार समारोह में रूस, बेलारूस और ईरान के राजदूतों को आमंत्रित न करने का फैसला किया है।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

स्वामी- मध्यप्रदेश माध्यम, प्रकाशक- मनीष सिंह, मुद्रक- मनीष सिंह द्वारा मेसर्स डी.बी. कॉर्प लिमिटेड, 10-11, सेक्टर-B, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा, भोपाल से मुद्रित एवं मध्यप्रदेश माध्यम 40, प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल-462011 (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक- रंजना चितले।